THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 82 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.7 2082 बुधवार, 18 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'15 मिनट से ज्यादा रुकने पर देने होंगे 200'

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। राजधानी के सबसे प्रमुख और सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन में शामिल नई दिल्ली स्टेशन की पार्किंग की व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब नए नियमों के तहत अपने वाहन या कैब से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। ये वाहन स्टेशन के मुख्य परिसर तक जा सकेंगे। यात्रियों को लेकर आने वाले कोई भी वाहन यदि आठ मिनट में स्टेशन परिसर से बाहर निकल जाएंगे तो उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। यात्री को लेने के लिए आई गाड़ियों को सामान्य या वीआईपी पार्किंग में ही खड़ा करना पड़ेगा। इसके लिए यात्री को शुल्क चुकाना पड़ेगा। उत्तर रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक, रेलवे की इस नई व्यवस्था से स्टेशन आने वाले यात्रियों को अधिक भीड़ का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इस्राइल ने खत्म की ईरान की आंतरिक सलाहकार टीम

अकेले पड़े खामनेई, शादमानी की भी मौत

तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)। इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। इस संघर्ष में ईरान ने न सिर्फ अपने देश के शीर्ष सैन्य कमांडरों को खोया है बल्कि कई परमाणु संयत्रों और अहम सैन्य ठिकाने भी ध्वस्त हो गए हैं। इसी बीच मंगलवार को इस्राइली सेना ने ईरान के एक और शीर्ष कमांडर अली शादमानी को भी मार गिराया है। इस्राइल के लगातार हमलों के चलते ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई अकेले पड़ गए हैं।

सैन्य सलाहकार अली शादमानी की मौत

मंगलवार को इस्राइल की सेना (आईडीएफ) ने दावा किया है कि पांच दिनों में दूसरी बार आईडीएफ ने ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ को मार गिराया है। ईरान के सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और खामनेई के सबसे करीबी सैन्य सलाहकार अली शादमानी सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर मध्य तेहरान में आईएएफ के हमले में मारे गए। शादमानी ईरान की सैन्य आपात कमान के प्रमुख थे। उन्होंने चार दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें इस्राइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। बता दें कि, मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी।

आंतरिक टीम के कई अहम लोग मारे गए

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई अब पहले से कहीं अधिक अकेले नजर आ रहे हैं। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, इस्राइली हवाई हमलों में खामनेई के कई प्रमुख सैन्य और सुरक्षा सलाहकारों की मौत हो चुकी है, जिससे उनकी आंतरिक सलाहकार टीम में लोगों भारी कमी है, जिसके असर नेतृत्व पर भी देखने को मिल रहा है। इन लोगों के मारे जाने के बाद रणनीतिक गलतियों की आशंका बढ़ गई है।

पिछले शुक्रवार से अब तक कई वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की हत्या कर दी गई है। जिनमें रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (ईरान की प्रतिष्ठित सैन्य इकाई) के कमांडर हुसैन सलामी, बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के प्रमुख और एयरस्पेस चीफ अमीर अली हाजीजादेह और खुफिया प्रमुख मोहम्मद काजमी शामिल हैं। ये सभी खामनेई के करीब 15-20 लोगों की उस आंतरिक सलाहकार टीम का हिस्सा थे जो समय-समय पर महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए खामनेई के साथ बैठक करते थे। इस सलाहकार मंडल में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के वरिष्ठ अधिकारी, धार्मिक नेता और राजनेता शामिल होते हैं। इनकी खामनेई तथा ईरानी इस्लामी विचारधारा के प्रति अटूट निष्ठा होती है। खामनेई को जब कोई बड़ा फैसला लेना होता है, तो खामनेई का कार्यालय संबंधित सलाहकारों को तेहरान स्थित उनके परिसर में बुलाता है। ईरानी संविधान के अनुसार खामनेई के पास सेना की सर्वोच्च कमान, युद्ध की घोषणा करने का अधिकार, और वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति या बर्खास्तगी का पूर्ण अधिकार है।

ईरान का इजराइल के मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला

तेहरान/तेल अवीव, 17 जून (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी एएमएएन की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है।

इजराइली हवाई हमले में ईरान के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था।

उन्हें 13 जून को इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

आंध्र में कर्ज विवाद पर महिला को पेड़ से बांधा

सार्वजनिक रूप से किया अपमानित, पांच गिरफ्तार

चित्तूर, 17 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में महिला से अभद्रता की खबर आ रही है। पुलिस ने बताया कि चित्तूर जिले के नारायणपुरम में कर्ज न चुकाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक महिला को कथित तौर पर पेड़ से बांध दिया गया।

उसे ग्रामीणों ने सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। थिम्मारायप्पा की पत्नी सिरीशा (29) सोमवार को अपने बच्चों के स्कूल से ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) लेने के लिए बेंगलूरू से लौटी थी, तभी स्थानीय लोगों ने उससे उसके पति द्वारा उधार लिए गए पैसों के बारे में पूछा। कुप्पम डीएसपी बी पार्थसारथी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर सिरीशा को पेड़ से बांध दिया और उससे पैसे चुकाने के लिए अपने पति को बुलाने को कहा। इस दौरान उसकी बेटी ने एक स्थानीय व्यक्ति पर हाथ उठा दिया, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। पुलिस के अनुसार, दंपती पर मुनिकनप्पा नाम के एक ग्रामीण का लगभग 80,000 रुपये और स्थानीय संगठनों का भी कुछ अज्ञात ऋण बकाया था। बीएनएस की धारा 115, 126 और 112 के साथ धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने इस घटना के संबंध में पांच लोगों को हिरासत में लिया। सिरीशा ने पुलिस को बताया कि उसके पति ने कथित तौर पर उसे छह महीने पहले बेंगलूरू में छोड़ दिया था। हालांकि, जांचकर्ताओं को संदेह है कि वे अभी भी वित्तीय मामलों को लेकर संपर्क में हो सकते हैं। इस बीच कुप्पम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने मामले की निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। नायुडू ने जिला पुलिस अधीक्षक से विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को पीड़ित परिवार को पूरी सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

तेहरान में फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। इजरायल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। दोनों पक्षों ने अपने हमले और तेज कर दिए। इसी बीच, इजरायली हमलों में खामेनेई का सबसे करीबी सलाहकार ढेर हो गया है। अब तक ईरान में कम से कम 224 लोग मारे गए हैं। वहीं इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि उनके क्षेत्र पर ईरानी हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 24 लोग मारे गए। इस बीच भारत ने तेहरान से स्टूडेंट्स को सुरक्षित निकाल लिया है। भारत ने अपने नागिरकों को तेहरान से बाहर निकाल लिया है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि करते हुए कहा कि तेहरान में भारतीय छात्रों को सुरक्षा कारणों से शहर से बाहर निकाल दिया गया है। इसके लिए भारतीय दूतावास ने खास व्यवस्था की थी। साथ ही भारतीय दूतावास ने कहा कि भारतीय या भारतीय मूल के लोग जो अपने संसाधनों के जरिये तेहरान से बाहर निकल सकते हैं वो शहर से बाहर सुरक्षित ठिकानों पर चले जाएं।

इजरायल और ईरान के संघर्ष के कारण एयर स्पेस बंद होने की वजह से हवाई यात्रा अस्त-व्यस्त हो गई है। ईरान का आसमान पूरी तरह से बंद है, जबकि इजरायल ने बेन गुरियन एयरपोर्ट को अगली सूचना तक बंद कर दिया है। इराक और लेबनान के कुछ हिस्सों में एयरपोर्ट भी बंद हो गए हैं। इसकी वजह से हजारों लोग फंस गए हैं। एविएशन सेफ्टी एक्सपर्ट जॉन कॉक्स ने एपी को बताया, यहां डोमिनोज प्रभाव बहुत बड़ा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जी-7 समिट से उनके जल्दी बाहर निकलने का इजरायल-ईरान संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जी-7 शिखर सम्मेलन खत्म होने से एक दिन पहले निकलने के पीछे की जो वजह फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बताई है वो पूरी तरह से गलत है। ट्रंप ने कहा, फ्रांस के पब्लिसिटी चाहने वाले राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गलत कहा कि मैं इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष विराम पर काम करने के लिए डीसी वापस जाने के लिए कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन छोड़कर चला गया।

सोनिया गांधी को पेट में संक्रमण, 3 दिन से भर्ती

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पेट में हुआ संक्रमण ठीक हो रहा है। फिलहाल उन्हें निगरानी में रखा गया है। यह जानकारी नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के अध्यक्ष ने मंगलवार को दी।

डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि सोनिया की हालत स्थिर है, इलाज का सर हो रहा है। उनके खान-पान पर निगरानी रखी जा रही है। एहतियात के तौर पर उन्हें डिस्चार्ज नहीं किया जा रहा है। अस्पताल के अध्यक्ष ने बताया कि डॉ.एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव सोनिया गांधी के स्वास्थ्य और खान-पान पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। सोनिया को 15 जून की रात 9 बजे सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया था। इससे पहले शिमला में भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। वे बेटी प्रियंका के फार्महाउस पर छुट्टियां बिताने गई थीं।

मार्च 2024 में भी बिगड़ी थी सोनिया की तबीयत :

मार्च 2024 में भी सोनिया गांधी को तबीयत बिगड़ने के चलते दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 76 साल की सोनिया को बुखार आने की वजह से एडमिट किया गया था। सोनिया का इलाज कर रहे डॉ. डीएस राणा ने बताया कि सोनिया सीनियर कंसल्टेंट की निगरानी में हैं।

फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। इसके पहले 5 जनवरी 2024 को भी उन्हें वायरल इन्फेक्शन के चलते दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में एडमिट होना पड़ा था।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का हल्लाबोल

हमने कड़े फैसले लिए : सीएम सिद्धारमैया

बेंगलूरू, 17 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलूरू में चार जून को हुई भगदड़ के मामले में कहा, राज्य के भाजपा नेताओं को हमारे इस्तीफे की मांग करने से पहले बीते कुछ वर्षों में हुई ऐसी अन्य घटनाओं के बाद इस्तीफा देने वाले बीजेपी नेताओं की सूची जारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा, चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है। जिम्मेदार सरकार के रूप में, हमने इस घटना की जिम्मेदारी ली है।

सरकार ने कड़े फैसले लिए :

सिद्धारमैया ने कहा कि भगदड़ के बाद बेंगलूरू शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया है। राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला कर दिया गया है। मेरे राजनीतिक सचिव को भी कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, मामले की गहन जांच करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन भी किया गया है। इससे पहले कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए भाजपा ने बेंगलूरू में प्रदर्शन किया। प्रदेश भाजपा ने एक्स हैंडल पर तस्वीरें साझा कर लिखा, कांग्रेस सरकार 11 निर्दोष लोगों की मौत का कारण बनी। भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है। बीजेपी के एक्स हैंडल पर जारी बयान के मुताबिक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आरए अशोक और प्रदेश विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष सी नारायणस्वामी के नेतृत्व में बेंगलूरू के फ्रीडम पार्क में विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। भाजपा ने भगदड़ के लिए कांग्रेस सरकार की विफलता को कारण बताया और कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और गृह मंत्री को जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए।

कांग्रेस के खिलाफ भाजपा का हल्लाबोल :

विरोध प्रदर्शन के दौरान सीएम के इस्तीफे की मांग के अलावा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई। कांग्रेस के खिलाफ भाजपा के इस हल्लाबोल में कई पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, वर्तमान विधायक, विधान परिषद सदस्य, भाजपा जिलाध्यक्ष पार्टी पदाधिकारियों समेत प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं।

नोटिफिकेशन में जाति जनगणना का जिक्र नहीं : पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने जनगणना के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके बाद से सियासत तेज हो गई है, विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा है कि नोटिफिकेशन में जाति जनगणना का कोई जिक्र नहीं किया गया है।

उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, जनगणना तो होगी, लेकिन इसमें जाति जनगणना का कोई जिक्र नहीं है। अगर इसकी तुलना तेलंगाना सरकार के आदेश से करें तो उस आधिकारिक आदेश में तीन बार 'जाति जनगणना' शब्द का स्पष्ट उल्लेख है, यहां तक कि इसे 'जाति सर्वेक्षण' भी कहा गया है। इसलिए इस सरकार की मंशा पर संदेह या आशंका होना स्वाभाविक है।

विदेश यात्रा की वजह से ईडी के सामने पेश नहीं हुए वाड्रा

* मनी लॉन्ड्रिंग केस में होनी थी पूछताछ

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से समन भेजे जाने के बाद भी कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा आज उनके सामने पेश नहीं होंगे। उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, वे विदेश यात्रा पर हैं और वापस आने के बाद जांच में शामिल होंगे। इससे पहले ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए वाड्रा को अपने दफ्तर बुलाया था। मामला ब्रिटेन के रहने वाले हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़ा है। मामले की जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की जा रही है।

इससे पहले रॉबर्ट वाड्रा को 10 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने तब यह कहते हुए पेशी से इनकार कर दिया था कि उन्हें 9 जून को फ्लू जैसे लक्षण थे और उन्होंने कोविड टेस्ट कराया है। उनके वकील ने उस समय कहा था कि वाड्रा समन से बचने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। वे देश से बाहर जाने से पहले या बाद में कभी भी ईडी के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं। वाड्रा से ईडी ने अप्रैल में तीन दिन लगातार पूछताछ की थी। ये पूछताछ हरियाणा में 2008 की एक जमीन डील में कथित गड़बड़ियों से जुड़े एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई थी। रॉबर्ट वाड्रा ईडी की जांच के तहत कुल तीन मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में फंसे हुए हैं। ईडी ने 2023 में इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि भंडारी ने 2009 में लंदन में एक मकान खरीदा और उसे रॉबर्ट वाड्रा के निर्देशानुसार रिनोवेट कराया। एजेंसी का दावा है कि इस रिनोवेशन के लिए पैसा वाड्रा ने दिया था। रॉबर्ट वाड्रा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उनकी लंदन में कोई भी प्रॉपर्टी नहीं है। उन्होंने इन आरोपों लेकर कहा कि उन्हें राजनीतिक मकसद के तहत परेशान किया जा रहा है।

एक दिन में एअर इंडिया की 6 इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल

कोलकाता, 17 जून (एजेंसियां)। एअर इंडिया की 4 इंटरनेशनल फ्लाइट मंगलवार को रद्द कर दी गईं। इनमें अहमदाबाद-लंदन के अलावा दिल्ली-पेरिस, लंदन-अमृतसर, दिल्ली-दुबई, बेंगलुरू-लंदन फ्लाइट शामिल हैं। इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही फ्लाइट के पैसेंजर्स को कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारा गया। अहमदाबाद में 12 जून को एआई-171 फ्लाइट क्रैश हुई थी। इसकी जगह अहमदाबाद से लंदन के लिए नई फ्लाइट एआई-159 शुरू की गई है। यह फ्लाइट मंगलवार को लगातार दूसरी बार रद्द की गई। फ्लाइट को दोपहर 1.10 बजे उड़ान भरना था, लेकिन टेकऑफ से कुछ घंटे पहले तकनीकी खामी की बात कही गई। 16 जून को भी यह फ्लाइट रद्द की गई थी। दिल्ली से पेरिस जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई142 भी टेक्निकल परेशानी के बाद रद्द की गई, जो उड़ान से पहले जांच के दौरान सामने आई।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आगे क्या होगी सेना की रणनीति

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और पूर्व आर्मी चीफ के बीच दो दिन के सम्मेलन की मंगलवार को शुरूआत हुई। इसे चीफ्स चिंतन नाम दिया गया है। इसमें हाल ही में इंडियन आर्म्ड फोर्सेस के सफल ऑपरेशन ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात हुई साथ ही इंडियन आर्मी में मॉडर्नाइजेशन से लेकर भविष्य की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई।

आर्मी ने कहा कि इस संवाद का मकसद पूर्व प्रमुखों के अनुभव और संस्थागत नॉलेज से आर्मी की भविष्य की दिशा तय करना है। सभी पूर्व आर्मी चीफ को ऑपरेशन सिंदूर पर डिटेल ऑपरेशनल ब्रीफिंग दी गई। उन्हें बताया गया कि किस तरह एयरफोर्स और नेवी के साथ मिलकर पूरा ऑपरेशन किया गया। उन्हें बताया गया कि किस तरह की रणनीति बनाई गई कैसे मिलकर इसको लागू किया गया।

अमरनाथ यात्रा को लेकर सभी रास्तों को घोषित किया गया 'नो फ्लाइंग जोन'

> ड्रोन को भी किया गया प्रतिबंधित

श्रीनगर, 17 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में होने वाली अमरनाथ यात्रा को लेकर सरकार ने सभी रास्तों को नो फलाइंग जोन घोषित किया है। इसके साथ ही पूरी यात्रा के दौरान किसी तरह के ड्रोन और गुब्बारों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही इन मार्गों से किसी भी तरह विमानन प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित किया है। जम्मू कश्मीर सरकार ने ये फैसला सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए लिखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए सलाह के बाद जेके सरकार ने ये फैसला लिया है।

प्रदेश के गृह विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि इस साल 2025 में श्री अमरनाथ जी यात्रा के दौरान सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से यात्रा के सभी मार्गों को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाता है। इसमें पहलगाम और बालटाल दोनों मार्ग शामिल हैं। आदेश में ये भी कहा गया है कि इस प्रकार यूएवी, ड्रोन और गुब्बारे आदि सहित किसी भी प्रकार के उड़ने वाले हवाई गैजेट्स की उड़ान को 1 जुलाई 2025 से 10 अगस्त 2025 तक प्रतिबंधित है। हर वर्ष होने वाली अमरनाथ तीर्थ यात्रा इस बार 3 जुलाई से शुरू होने वाली है, जो 8 अगस्त तक चलेगी। इस यात्रा की सुरक्षा को घाटी की सबसे बड़ी सुरक्षा कवायदों में से एक माना जाता है। हर साल देश भर से लाखों तीर्थयात्री हिमालय स्थित गुफा मंदिर की यात्रा करते हैं। इस यात्रा के तहत पहलगाम और सोनमर्ग जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों से होकर पहुंचा जा सकता है। लखनपुर- जम्मू -काजीगुंड-पहलगाम और लखनपुर-जम्मू-काजीगुंड-श्रीनगर-सोनमर्ग मार्गों को नो-फ्लाई जोन घोषित करने का निर्णय घाटी में 'मौजूदा सुरक्षा स्थिति' के वजह से लिया गया है, विशेष रूप से पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जिसमें इस वर्ष अप्रैल में 25 पर्यटक और एक स्थानीय व्यक्ति मारे गए थे।

सत्ता के लिए कुछ लोग भाजपा के साथ गए

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि कुछ व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन कर अवसरवादी राजनीति में लिप्त हैं। शरद पवार की इस टिप्पणी को उनसे अलग हुए भतीजे अजित पवार के लिए एक संदेश माना जा रहा है। शरद ने यह बयान ऐसे वक्त दिया है जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के फिर से एक होने की अटकलें चल रही हैं।

मैं उन्हीं लोगों को साथ ले सकता हूं जो.. :

पिंपरी चिंचवाड़ में राकांपा (एसपी) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि अवसरवाद की ऐसी राजनीति को प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों को साथ लेने के लिए तैयार हैं जो गांधी, नेहरू, फुले और आंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं। हाल के दिनों में चाचा-भतीजे के बीच विभिन्न अवसरों पर हुई मुलाकातों से राकांपा (एसपी) के अजित पवार की पार्टी राकांपा के साथ संभावित विलय की अटकलों ने जोर पकड़ा था। पवार ने कहा, यहां किसी ने अभी-अभी सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत का जिक्र किया है। सभी को साथ लेकर चलने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन सभी कौन हैं? मैं उन लोगों को साथ लेकर चलने को तैयार हूं जो गांधी-नेहरू, फुले और आंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पार्टी (उनके द्वारा स्थापित राकांपा) छोड़ चुके हैं और नए लोग शामिल हो रहे हैं।

KADEL INSURANCE BROKERS (P) LTD.
Regd. Office : 402, Mogul Apartment, IRDA C.No. 127 (2/3/27)
Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad - 500 001 (TS)
040-23237563, 23296634, 23230664, 66627751

आभार

हमें यह सूचित करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन इंडिया (Roller Flour Miller's Federation of India) दिल्ली ने हमारी इन्शोरेन्स ब्रोकिंग कंपनी को अपना परामर्शदाता (Consultant) नियुक्त किया है।

फेडरेशन के भारत में लगभग 1500-1600 रोलर फ्लोर मिल्स सदस्य हैं।

हम रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अत्यन्त आभारी हैं कि उन्होंने हमें यह अवसर प्रदान किया।

इंश्योरेंस संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु आपका स्वागत है :
सोहनलाल कड़ेल (मैनेजिंग डायरेक्टर) 98490 33200, 93922 33200
www.kadelinsurance.com kadelinsurance@gmail.com

बीजेपी नेता बोले-नया पुल बनने में देरी की जांच हो

> सामाजिक कार्यकर्ता का आरोप-लीपापोती कर रही सरकार

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भाजपा नेता ने नए पुल के निर्माण में कथित देरी पर जांच की मांग की है। राज्य सरकार के पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण ने कहा, पिछले साल 8 करोड़ रुपये मंजूर होने के बावजूद पुणे में इंद्रायणी नदी पर नए पुल का निर्माण क्यों शुरू नहीं हुआ, ये जांच का विषय है। बता दें कि रविवार दोपहर को कुंदमाला इलाके में ढहा पुल 1993 में बना था। ये इस्तेमाल के लायक नहीं था, लेकिन पुल के पास लगे चेतावनी बोर्ड को नजरअंदाज कर 100 से ज्यादा लोग पुल पर चढ़ गए। मुंबई स्थित भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए चव्हाण ने कहा, पिछली सरकार (महायुति) के दौरान उन्होंने अक्तूबर, 2024 में खुद एक नया पुल बनाने के लिए करीब 8 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। बता दें कि रवींद्र लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री थे। रवींद्र चव्हाण ने कहा, मौजूदा पुल पुराना और असुरक्षित था। उन्होंने कहा, 'मैंने पीडब्ल्यूडी मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले और अन्य अधिकारियों से बात कर इस दुर्घटना की जांच कराने का अनुरोध किया है।' उन्होंने कहा कि फंड को मंजूरी मिलने के बाद भी पुल निर्माण कार्य क्यों नहीं शुरू किया गया। इससे जुड़े मुद्दों की जांच की जाएगी। अगर कोई अधिकारी जानबूझकर देरी के लिए जिम्मेदार पाया जाता है, तो कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने पुल ढहने को लेकर रवींद्र चव्हाण और महायुति सरकार पर निशाना साधा था।

पुल निर्माण को लेकर लग रहे गंभीर आरोप

चव्हाण के बयान से पहले पुणे के कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने सोमवार को कहा था कि ढह चुके पुल के स्थान पर नए पुल के निर्माण के लिए कुछ महीने पहले निविदा जारी की गई थी। कार्य आदेश एक सप्ताह पहले जारी किया गया था। कार्य आदेश के बाद काम शुरू होने में 15 दिन लगते हैं, निर्माण जल्द ही शुरू हो जाएगा। इस मामले में पुणे के सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुंभार ने दावा किया कि कार्य आदेश पर तारीख हाथ से लिखी गई। जो संदेह पैदा करती है। उन्होंने आरोप लगाया, इस तरह के घातक हादसे के बाद, इस बात की संभावना है कि जान बचाने के लिए पिछली तारीख का कार्य आदेश दिखाया गया है।

महायुति सरकार के मंत्री का बयान

इस हादसे को लेकर महाराष्ट्र के वर्तमान आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने पहले कहा था कि बड़ी संख्या में पर्यटकों के वजन के कारण पुल ढह गया। महाजन ने कहा, पुल केवल पैदल चलने वालों के लिए था और वहां एक चेतावनी बोर्ड भी लगा था। इस पर लिखा है कि पुल का इस्तेमाल दोपहिया वाहनों के लिए नहीं किया जा सकता।

लापता दिव्यांग व्यक्ति का मिला शव, इंफाल जिले में हंगामा

अरम्बाई टेंगोल के सदस्यों सहित नौ गिरफ्तार

इंफाल, 17 जून (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल जिले में लापता हुए दिव्यांग व्यक्ति का शव मिलने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाओबिटेक मायाई लीकाई निवासी चेसम अब्दुल कादिर 11 जून से लापता था। लापता होने से पहले चोरी के आरोप में भीड़ ने अब्दुल पर हमला किया था।

नौ लोगों की हुई गिरफ्तारी

पिछले दो दिनों में कई लोगों की गिरफ्तारी होने के बाद पुलिस ने शव बरामद किया। जांच में पता चला कि अब्दुल के शव को सामुरू नाओरेम में दफनाया गया था।

इस मामले में मैतेई संगठन अरम्बाई तेंगोल के छह सदस्यों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए अरम्बाई टेंगोल सदस्यों की पहचान लोंगजाम हेंसन (24), थुनाओजाम अशोक सिंह (20) और हुइड्रोम श्यामसुंदर सिंह (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने सोशल मीडिया एक्स पर इस मामले को लेकर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है और गहन जांच की जाएगी। साथ ही, उन्होंने लोगों से जांच में सहयोग करने और शांत रहने का आग्रह किया।

प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे गए

शव बरामद होने के बाद पाओबिटेक में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और स्थानीय लोगों ने सड़कों के बीच टायर जला दिए। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों को आंसू गैस के गोले दागने पड़े क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके।

ओडिशा के गोपालपुर बीच पर छात्रा से गैंगरेप

इंटरनेट पर फोटो डालने की धमकी भी दी थी; 8 आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 17 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले के गोपालपुर बीच पर एक कॉलेज छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। रविवार शाम छात्रा अपने पुरुष मित्र के साथ बीच पर घूमने गई थी, जहां करीब 10 अज्ञात युवकों ने उन पर हमला किया और छात्रा के साथ गैंगरेप किया।

वहीं, छात्रा के दोस्त को साइड में ले जाकर बांध दिया और दोस्त के साथ उसकी फोटो को इंटरनेट पर डालने की धमकी दी। सोमवार को पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70 के तहत गैंगरेप का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने अब तक 8 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। बाकी आरोपियों की तलाश के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया है।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्रा पास के ही जिले की रहने वाली है और वह बेरहामपुर में एक निजी मैस में रहकर पढ़ाई कर रही है। उसका दोस्त भी उसी कॉलेज का छात्र है। ये दोनों बीच के एक सुनसान हिस्से में बैठे थे, तभी करीब 10 लोगों का एक समूह वहां पहुंचा और आरोपियों ने पहले दोनों की तस्वीरें लीं और इंटरनेट पर डालने की धमकी दी।

आरोपी छात्रा के दोस्त को दूर खींचकर ले गए

फिर, छात्रा के दोस्त को जबरन दूर खींचकर ले गए। उसे बांधने के बाद आरोपियों ने छात्रा से बारी-बारी से गैंगरेप किया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण मंगलवार को किया जाएगा।

कमल हासन फिल्म विवाद, एससी की कर्नाटक सरकार को फटकार

> बंदूक तानकर फिल्म देखने से नहीं रोक सकते > एक्टर पर कन्नड़ के अपमान का आरोप

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता कमल हासन की फिल्म थग लाइफ की कर्नाटक में रिलीज न होने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि किसी को भी लोगों के सिर पर बंदूक तानकर फिल्म देखने से नहीं रोका जा सकता। जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कर्नाटक सरकार से कहा कि जब एक फिल्म को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल चुका है, तो उसे देश के हर राज्य में दिखाया जाना चाहिए। कोर्ट ने राज्य सरकार को एक दिन का समय दिया है कि वह फिल्म की रिलीज पर स्थिति साफ करे।

दरअसल, कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) ने मांग की थी कि जब तक हासन माफी नहीं मांगते, फिल्म रिलीज नहीं होगी। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है और हाईकोर्ट की कार्यवाही अपने पास ट्रांसफर कर ली है। अगली सुनवाई गुरुवार को होगी।

कमल हासन ने 24 मई को चेन्नई में अपनी नई फिल्म ठग लाइफ के ऑडियो लॉन्च इवेंट के दौरान कन्नड़ को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि कन्नड़ भाषा तमिल से जन्मी है। इसके बाद उनका और उनकी फिल्म का कर्नाटक में लगातार विरोध हो रहा है। कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट की उस टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई, जिसमें हासन से माफी की बात कही गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट का हासन को माफी मांगने के लिए कहना उचित नहीं है। फिल्म थग 5 जून को देशभर में रिलीज हुई थी, लेकिन कर्नाटक में इसे रिलीज नहीं होने दिया गया।

ट्राई लैंग्वेज (तमिल, हिन्दी और अंग्रेजी) विवाद को लेकर 21 फरवरी को अभिनेता कमल हासन ने कहा था- तमिल भाषा उनकी सांस्कृतिक पहचान है। लोगों ने इसके लिए जान गंवाई है।

इंदौर में कोरोना से 2 मरीजों की मौत

नए वैरिएंट से अब तक 109 की जान गई; 6 दिन में एक्टिव केस घटकर 6836 हुए

इंदौर, 17 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नए वैरिएंट से अब तक 109 मौतें हुई हैं। केरल में सबसे ज्यादा 35 लोगों ने जान गंवाई है। महाराष्ट्र में 29 की मौत हुई है। इंदौर में सोमवार को इलाज के दौरान 2 कोविड मरीजों की मौत हो हुई। दोनों मरीज खरगोन और रतलाम जिले के थे। इंदौर में 71 एक्टिव केस हैं। बीते 24 घंटे में 2 नए मामले आए हैं। जून में अब तक 106 केस दर्ज हुए हैं। देशभर में एक्टिव केसों की संख्या घटकर 6836 पहुंच गई है। 6 दिन में एक्टिव केस 285 कम हुए हैं। बीते 24 घंटे में कोई नया केस नहीं मिला, जबकि 428 मरीज रिकवर हुए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1659 एक्टिव केस हैं।

एअर इंडिया की अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट रद्द

> दो दिन में तीन विमानों में आई तकनीकी खराबी

अहमदाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। तकनीकी खराबी के कारण एअर इंडिया की अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट रद्द कर दी गई है। यह वही रूट है, जिस पर AI-171 दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान AI-159 दोपहर 1.10 बजे अहमदाबाद से रवाना होना था। इसका लंदन पहुंचने का समय शाम 6.25 बजे बताया गया। बीते दो दिन में तीन बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में तकनीकी समस्या देखी गई। पहले एयर इंडिया AI315 (हांगकांग से दिल्ली) संदिग्ध तकनीकी खराबी के कारण बीच उड़ान में ही वापस लौट आया। इसके बाद सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही फ्लाइट को कोलकाता में ही ठहरना पड़ा और अहमदाबाद-लंदन की फ्लाइट को रद्द करना पड़ा है।

अहमदाबाद से गैटविक, लंदन जाने वाली फ्लाइट AI-159 के एक यात्री ने कहा कि मैं दोपहर 1 बजे एअर इंडिया की फ्लाइट से लंदन के गैटविक जाने वाला था, लेकिन मुझे पता चला है कि फ्लाइट रद्द कर दी गई है। क्रू मेंबर फ्लाइट रद्द करने का कोई कारण या किराया वापसी के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पाए। एक यात्री के रिश्तेदार ने कहा कि हमें बताया गया है कि आज की फ्लाइट रद्द कर दी गई है और यह कल सुबह 11 बजे रवाना होगी। यहां सभी यात्री परेशान हैं। एक अन्य यात्री ने कहा कि मैं अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ यात्रा कर रहा हूं। हमें एयरलाइन कंपनी से फ्लाइट रद्द करने के बारे में कोई जवाब नहीं मिला है।

इससे पहले सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट के एक इंजन में मंगलवार को तकनीकी खराबी आ गई थी। इस वजह से कोलकाता के हवाई अड्डे पर विमान के निर्धारित ठहराव के दौरान यात्रियों को नीचे उतारना पड़ा। ड्रीमलाइनर विमान एआई180 समय पर (रात 12.45 बजे) हवाई अड्डे पर पहुंची, लेकिन बाएं इंजन में तकनीकी खराबी के कारण उड़ान में देरी हुई। लगभग सुबह 5.20 बजे विमान से सभी यात्रियों को उतरने के लिए कहा गया। विमान के कैप्टन ने यात्रियों को बताया कि उड़ान सुरक्षा के लिहाज से यह निर्णय लिया गया। विमान सेवा ऐसे वक्त रद्द करनी पड़ी है, जब पांच दिन पहले अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया का विमान एआई-171 उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास भवन से टकराकर क्रैश हो गया था।

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर 1 जुलाई से नहीं उड़ेंगे ड्रोन

सरकार ने 'नो फ्लाई जोन' घोषित किया; सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करने के लिए फैसला

श्रीनगर, 17 जून (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार ने पूरे यात्रा मार्ग को 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित किया है। यह फैसला पहलगाम हमले को ध्यान में रखकर लिया गया है। इसके तहत अमरनाथ यात्रा के पहलगाम और बालटाल वाले दोनों रास्तों पर हर तरह के हवाई उपकरण-ड्रोन, यूएवी (यूएवीएस), और गुब्बारे प्रतिबंधित रहेंगे। यह फैसला 1 जुलाई से 10 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। यात्रा 3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी। हालांकि, ये प्रतिबंध मेडिकल इवैक्युएशन, आपदा प्रबंधन और सुरक्षा बलों की तरफ से की जा रही निगरानी उड़ानों पर लागू नहीं होंगे। इनके लिए एक अलग स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जल्द ही जारी की जाएगी।

कोच्चि से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान को बम की धमकी; नागपुर डायवर्ट की गई फ्लाइट

नागपुर, 17 जून (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि से दिल्ली आ रही इंडिगो के विमान की नागपुर में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी है। विमान को बम की धमकी मिलने के बाद एहतियातन यह कदम उठाया गया। विमान सुरक्षित तरीके से लैंड कर गया है। यात्रियों को विमान से उतारकर जांच की जा रही है। फिलहाल विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जानकारी के मुताबिक, विमान 6E-2706 कोच्चि से सुबह 9.11 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। इसका दिल्ली में लैंड करने का समय दोपहर 12.35 बजे था। इस बीच दो घंटे 43 मिनट हवा में रहने के बाद विमान को सुबह 11.54 बजे नागपुर में उतारा गया।

कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) ने बताया कि मंगलवार को मस्कट से यहां पहुंचे और दिल्ली के लिए रवाना हुए इंडिगो के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इंडिगो के विमान के बारे में उसके आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी मिली थी, जो 157 यात्रियों और छह चालक दल के सदस्यों के साथ सुबह 9.31 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुआ था।

'श्रद्धा के टुकड़े-टुकड़े हुए तो क्यों चुप रहे प्रोफेसर रविकांत'

एलयू के छात्रों ने कहा-हाइलाइट होना चाहते हैं, टीचर बोले-सम्मान न खोएं

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। 'आप किसी राजनीतिक पार्टी का विरोध करें। सरकार का विरोध करें, लेकिन किसी भी सूरत में देश का विरोध न करें। यदि आप देश का विरोध करेंगे तो शिक्षक होने के नाते आप अपने स्टूडेंट्स पर क्या प्रभाव छोड़ेंगे? समाज में आपका जो सम्मान है, उसे कैसे सहेज कर चल पाएंगे। अपना सम्मान न खोएं। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने गौरवशाली अतीत वाले विश्वविद्यालय का शिक्षक इतनी हल्की बात कह रहा है। केवल हाइलाइट होने के लिए कुछ भी कह दे रहा है। इनकी जुबान तब कुछ नहीं बोली जब देश की राजधानी दिल्ली में श्रद्धा वालकर के टुकड़े-टुकड़े करके फ्रिज में रखे गए थे। ये टुकड़े-टुकड़े गैंग के सदस्य हैं। सिलेक्टिव बात बोलते हैं जिनसे सिर्फ इन्हें फायदा हो न कि समाज को।'

यह कहना है लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक अमित कुशवाहा और कई स्टूडेंट्स का। हिंदी विभाग के साथी एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत चंदन की विवादित टिप्पणी पर कुशवाहा ने बेबाक टिप्पणी की। दूसरी तरफ विश्वविद्यालय के कई स्टूडेंट्स भी प्रोफेसर के खिलाफ बोलना शुरू कर चुके हैं। पॉलिटिकल साइंस विभाग के सुमित शुक्ला ने कहा- मेरे सवाल है कि जब देश की राजधानी में श्रद्धा वालकर जैसे मर्डर हो रहे थे, तब रविकांत जैसे लोग चुप्पी क्यों साधे बैठे थे। बेटियों के शरीर के टुकड़े करके फ्रिज में रख दिए जाते थे तब आखिर क्यों उन्होंने आवाज नहीं उठाई। क्या उस समय उनकी विचारधारा उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से रोक रही थी। सिर्फ वो ही मामले क्यों उठाते हैं, जो उन्हें सूट कर रहे हैं। ऐसे शिक्षकों को दोहरा रवैया शोभा नहीं देता। उनको खुद से आत्ममंथन करके अपने अंदर पनप रहे एकतरफा लखनऊ विश्वविद्यालय के पीजी स्टूडेंट सचिन ने कहा- शिक्षकों का राजनीतिक विमर्श करना गलत नहीं है। किसी सांस्कृतिक संगठन पर किसी आपराधिक घटना को लेकर दोषारोपण करना ठीक नहीं है। यूपी में कुछ ही सालों में चुनाव होना है। इन बयान से लोग हाईलाइट भी होना चाहते हैं। राजनीतिक दलों में अपनी पहुंच भी बनाना मकसद हो सकता है।

खबरें जरा हटके

वायरल हुआ 'बंदरिया ब्यूटी सैलून', नाम देख लड़कों ने कहा-बहनों को अब यहीं भेजेंगे हम

आजकल ज्यादातर लोग बाल कटवाने या स्टाइलिंग के लिए सैलून या ब्यूटी पार्लर का रुख करते हैं। खासकर महिलाएं तो बालों और लुक को नया अंदाज देने के लिए अक्सर पार्लर जाती हैं। आमतौर पर इन जगहों के नाम काफी स्टाइलिश और आकर्षक होते हैं ताकि ग्राहक प्रभावित हो जाएं। नाम देखकर ही लोग अंदाजा लगाने लगते हैं कि सैलून कैसा होगा। सोशल मीडिया पर इस ब्यूटी पार्लर का पोस्टर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इस पोस्ट पर मजेदार कमेंट्स भी कर रहे हैं। तो चलिए बताते हैं कि आखिर इस पार्लर का नाम यह क्यों पड़ा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पोस्ट

अगर ब्यूटी पार्लर का नाम थोड़ा क्लासी या ब्रांडेड लगे तो लोग उसे हाई-क्वालिटी सर्विस वाला मान लेते हैं। लेकिन अगर नाम ही कुछ अजीब या मजाकिया हो तो लोग उस पर हंसते हैं और सैलून की इमेज भी मजाक का हिस्सा बन जाती है। कई बार दुकानों की पहचान ही उनके नाम से बन जाती है और यही नाम उन्हें चर्चा में ला देता है। ऐसा ही एक ब्यूटी सैलून इन दिनों सोशल मीडिया पर लोगों की हंसी का कारण बन गया है। यह अनोखा सैलून उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित है और इसका नाम है, 'बंदरिया ब्यूटी सैलून'। नाम सुनते ही हंसी आना लाजमी है। यह सैलून अपनी सर्विस से ज्यादा अपने नाम की वजह से चर्चा में है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में इस सैलून का बोर्ड साफ नजर आ रहा है, जिस पर 'बंदरिया ब्यूटी सैलून' लिखा हुआ है। इस वीडियो को एक शख्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है, जिसमें वह इस सैलून की झलक दिखाता है। अब सोचिए कि अगर आप बाल कटवाकर घर लौटें और कोई पूछे कि कटवाए कहां से और आप जवाब दें, बंदरिया सैलून से तो सामने वाला क्या सोच सकता है? यही वजह है कि यह वीडियो वायरल हो गया है और लोग इसे देखकर जमकर मजे ले रहे हैं।

नशे की लत पर स्टडी करने के लिए फल वाली मक्खियों को खिलाई ड्रग्स

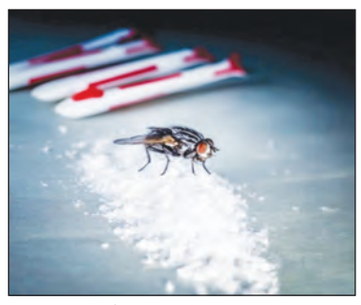

अमेरिका के युटाह यूनिवर्सिटी में इन दिनों वैज्ञानिक नशे की लत को स्टडी करने के लिए फल वाली मक्खियों को कोकीन खिला रहे हैं। वैज्ञानिकों ने फल वाली मक्खियों को जेनेटिकली इस तरह बदल दिया है कि उन्हें अब कोकीन से नफरत नहीं होती।

नशे की लत समझने के लिए मक्खियों पर टेस्टिंग क्यों?

दरअसल, फल वाली मक्खियों और इंसानों के करीब 75% जीन एक जैसे होते हैं, खासकर बड़े अंग और बीमारियों से जुड़े हुए जीन। रिसर्च के जरिए वैज्ञानिक पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि नशे की लत कैसे शुरू होती है, ये कैसे बढ़ती है और इसे कैसे रोका जा सकता है।

टेस्टिंग में मक्खियों के साथ क्या किया गया?

आम तौर पर फल वाली मक्खियां कोकीन से दूर भागती हैं, क्योंकि उन्हें इसका स्वाद कड़वा लगता है। ये कड़वापन उनके पैरों पर बने कुछ खास 'टेस्ट रिसेप्टर्स' से पता चलता है। वैज्ञानिकों ने इन्हीं रिसेप्टर्स को डिएक्टिवेट कर दिया है। अब जैसे ही इन बदली हुई मक्खियों को कोकीन मिलती है, तो सिर्फ 16 घंटे के अंदर ही ये कोकीन मिक्स मीठे पानी को सादे मीठे पानी से ज्यादा पसंद करने लगती हैं।

135 साल के कछुए ने दिया पहले बच्चे को जन्म

अमेरिका के एक चिड़ियाघर में 4 जून को 135 साल के कछुए ने पहले बच्चे को जन्म दिया है। यह एक गेलापागोश कछुआ है, जो एक लुप्त होती कछुए की प्रजाति है। इसका नाम गोलियथ है। अब चिड़ियाघर के अधिकारियों ने इस कछुए को सबसे बूढ़े पिता के तौर पर दर्ज कराने के लिए गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में बात की है। अधिकारियों ने बताया कि इस कछुए का जन्म गेलापागोश के सांता क्रूज आइलैंड पर 1885-1890 के बीच हुआ था। 1929 से अमेरिका में और 1981 से मियामी चिड़ियाघर में रह रहा है। इसने कई मादा कछुओं के साथ मेटिंग की कोशिश की, लेकिन 40 सालों से ज्यादा की कोशिशों के बाद यह पहला बच्चा है।

ये लड़का तो निकला यमराज की बुआ का लड़का, झूले पर किया ऐसा खतरनाक स्टंट की लोगों के छूटे पसीने

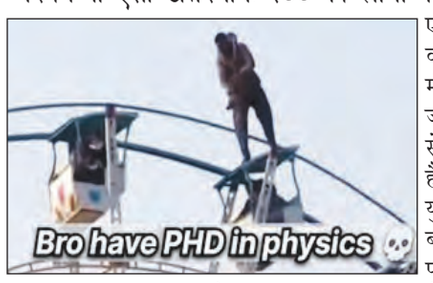

एक हैरतअंगेज वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक मेले में लगे बड़े फेरिस व्हील पर खतरनाक स्टंट करता नजर आ रहा है। युवक का अंदाज ऐसा है जैसे वह किसी एक्शन फिल्म का हीरो हो पर यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि रियल लाइफ का मामला है, जिसे देखकर लोग चौंक भी रहे हैं और दाद भी दे रहे हैं। तो आज की इस खबर में हम आपको ऐसे ही एक वीडियो के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि यह घटना किसी मेले की है, जहां एक बड़ा सा जायंट व्हील अपनी पूरी रफ्तार से घूम रहा है। इसी दौरान एक युवक पर सबकी निगाहें टिक जाती हैं क्योंकि वह झूले की सवारी करने की बजाय उसकी बाहरी जगहों पर चढ़कर स्टंट दिखा रहा है। युवक निडरता से कभी व्हील के ढांचे से झूल रहा है तो कभी एक घूमती केबिन से दूसरी पर छलांग लगाता दिखता है। इस वीडियो को देखकर हर कोई हैरान रह गया है। नीचे मौजूद भीड़ उसकी इस हरकत को अपने-अपने मोबाइल कैमरों में रिकॉर्ड कर रही है। कुछ लोग तालियां बजाकर उसे उत्साहित कर रहे हैं, जबकि कई लोग डर के मारे आंखें बंद कर लेते हैं। युवक के ये करतब जहां काफी लोगों को हैरान कर रहे हैं। वहीं उतने ही खतरनाक भी हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

पत्थर अगर कीचड़ में मरोगे तो कीचड़ आपको ही लगेगा ।

सिंगरेणी को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता : भट्टी

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि 45,000 से अधिक कर्मचारियों वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम सिंगरेणी को मजबूत करना, भविष्य की पीढ़ियों के लिए आजीविका के अवसर सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार का एक प्रमुख लक्ष्य है।

उपमुख्यमंत्री ने मंगलवार को भूपलपल्ली में सिंगरेणी जीएम कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि सरकार का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सिंगरेनी लाभदायक बनी रहे, जिससे इसके कर्मचारियों, स्थानीय समुदायों और राज्य सरकार को लाभ हो। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अतीत में सिंगरेनी और कोल इंडिया का कोयला क्षेत्र में एकाधिकार था, लेकिन कोयला उद्योग में हाल के वैश्विक परिवर्तनों के कारण, अब सिंगरेनी को बाजार की प्रतिस्पर्धा का सामना करने की आवश्यकता है। उन्होंने सलाह दी कि अधिकारियों और कर्मचारियों को निजी कंपनियों और सिंगरेनी दोनों के खुले बाजार में कोयला उत्पादन लागत और बिक्री मूल्यों की लगातार तुलना करनी चाहिए। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को श्रमिकों और अधिकारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए कोयला उत्पादन लागत और बाजार मूल्य प्रदर्शित करने वाले खनन स्थलों पर बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। यह सिर्फ एक पहलू है। सिंगरेनी के खनन में 136 साल के अनुभव को देखते हुए, कंपनी को कोयले के अलावा अन्य खनन कार्यों की खोज करनी चाहिए और उनसे लाभ कमाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक मांग और उनकी उपलब्धता का अध्ययन करने के लिए सलाहकारों की नियुक्ति का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए योजना बनाने में विफल होना अगली पीढ़ी को नुकसान पहुंचाने के बराबर होगा। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सिंगरेणी को न केवल व्यवसाय पर ध्यान देना चाहिए, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण भी बनाए रखना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सिंगरेनी की खदानें जिस पूरे क्षेत्र में चल रही हैं, उसे कल्याण के मामले में लाभ मिलना चाहिए। स्थानीय लोगों ने बताया कि भूपलपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के दो गांव प्रभावित हुए हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री ने जांच के निर्देश दिए और अधिकारियों को निर्देश दिया कि खदानों के लिए जमीन खोने वालों की पात्रता सूची प्रस्तुत की जाए और उन्हें रोजगार प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने सिंगरेणी श्रमिकों के कल्याण के लिए 1 करोड़ रुपये के दुर्घटना बीमा के हालिया प्रावधान पर भी प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि बोनस न केवल स्थायी कर्मचारियों को बल्कि अनुबंध श्रमिकों को भी दिया जा रहा है। समीक्षा बैठक में मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, सांसद कडियम काव्या, विधायक गंड्रा सत्यनारायण, सिंगरेनी सीएमडी बलराम नाइक, जिला कलेक्टर राहुल शर्मा और अन्य शामिल हुए।

मंत्री विवेक ने सीएम रेवंत से की मुलाकात

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खान मंत्री गद्दाम विवेक वेंकट स्वामी ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मंगलवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विवेक ने मुख्यमंत्री को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा तेलंगाना मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर विशेष आभार व्यक्त किया। बाद में रेवंत रेड्डी ने भी मंत्री विवेक को शॉल ओढ़ाकर तथा फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। हाल ही में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में गद्दाम विवेक, वक्ति श्रीहरि तथा अदलुरी लक्ष्मण को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। गड्डम विवेक को श्रम, रोजगार प्रशिक्षण एवं कारखाना तथा खनन विभाग आवंटित किए गए हैं, जबकि वक्ति श्रीहरि को पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन तथा खेल एवं युवा मामले विभाग आवंटित किए गए हैं। इसी तरह, अदलुरी लक्ष्मण कुमार को अनुसूचित जाति विकास, आदिवासी कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का कार्यभार सौंपा गया है।

शहर की पुलिस ने मानव तस्करी विरोधी और बाल संरक्षण प्रयासों को मजबूत किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानव तस्करी से निपटने और बच्चों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हैदराबाद सिटी पुलिस ने आज अपने मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) और किशोर ब्यूरो (जेबी) इकाई के लिए पुनर्निर्मित सुविधाओं के औपचारिक गठन और उद्घाटन की घोषणा की। इन विकासों के साथ-साथ, प्रज्वला एनजीओ के सहयोग से स्थापित एक अभूतपूर्व पीड़ित सहायता इकाई (वीएयू) का भी शुभारंभ किया गया। सीसीएस हैदराबाद में आयोजित उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने की।

इस मौके पर हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि पुनर्गठन 30 अप्रैल, 2023 के गृह (कानूनी) विभाग के जीओ सख्या 32 के बाद हुआ है, जिसने शुरू में एएचटीयू को महिला सुरक्षा विंग, हैदराबाद के अधीन रखा था।

इसके बाद, 24 अप्रैल, 2025 को गृह (कानूनी) विभाग के जीओ संख्या 57 ने औपचारिक रूप से समर्पित स्वीकृत शक्तियों के साथ इन विशेष शाखाओं का गठन किया। एएचटीयू को औपचारिक रूप से आठ कर्मियों की स्वीकृत शक्ति के साथ गठित किया गया है, जिसमें एक इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर (एसआई), दो हेड कांस्टेबल (एचसी) और तीन पुलिस कांस्टेबल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इकाई को महिलाओं और बच्चों की तस्करी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिम्मेदारियों की एक विस्तृत श्रृंखला सौंपी गई है, जिसमें भौतिक और ऑनलाइन दोनों डोमेन में तस्करी के हॉटस्पॉट की पहचान करना, समय पर बचाव कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी इकट्ठा करना, दलालों, दलालों, वेश्यालय संचालकों और ग्राहकों जैसे तस्करी नेटवर्क में शामिल व्यक्तियों की निगरानी करना, स्थानीय पुलिस थानों के समन्वय में बचाव-पूर्व, बचाव और बचाव-पश्चात अभियान चालू वर्ष के दौरान, एएचटीयू ने महत्वपूर्ण प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है, छापे मारे हैं जिसके परिणामस्वरूप 23 मामले दर्ज किए गए, 44 पीड़ितों को बचाया गया और 71 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। किशोर ब्यूरो टीम, जिसे विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) के रूप में भी जाना जाता है, को औपचारिक रूप से सात कर्मियों की स्वीकृत शक्ति के साथ गठित किया गया है, जिसमें एक इंस्पेक्टर, दो एसआई, दो एचसी और दो पीसी शामिल हैं। हैदराबाद के सेंट्रल क्राइम स्टेशन में स्थित, जेबी टीम की प्राथमिक जिम्मेदारी बच्चों को बाल श्रम, मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी जैसे अत्याचारों से बचाना है। जेबी/एसजेपीयू टीम बाल कल्याण समिति के साथ समन्वय में काम करती है ताकि लापता या खोजे गए किशोरों को पूरे भारत में उनके संबंधित घरों में वापस भेजा जा सके। इस वर्ष, जेबी इकाई ने राज्य के भीतर चार बच्चों और अन्य राज्यों में सात बच्चों को सफलतापूर्वक वापस भेजा। इसके अतिरिक्त, "ऑपरेशन स्माइल" और "ऑपरेशन मुस्कान" कार्यक्रमों के तहत, 896 बच्चों को बचाया गया। तेलंगाना में पहली बार, पीड़ित सहायता इकाई (वीएयू) को प्रज्वला एनजीओ के सहयोग से लॉन्च किया गया है। तेलंगाना में अपनी तरह का यह पहला केंद्र अनैतिक मानव तस्करी के पीड़ितों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गौरतलब है कि वीएयू का उद्देश्य पीड़ितों को आघात-सूचित तरीके से उनके शोषण को याद करने में मदद करना है। उन्हें अदालती कार्यवाही के दौरान आत्मविश्वास के साथ और बिना किसी डर के सबूत पेश करने के लिए तैयार करना, सरकारी योजनाओं, कानूनी सहायता, पुनर्वास लाभ और मनोवैज्ञानिक सहायता तक पहुंच को सुगम बनाना, पीड़ितों को उनके पुनर्वास और समाज में फिर से शामिल होने में सहायता करना। वीएयू का संचालन प्रज्वला, एनजीओ के कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा और इसकी देखरेख पुलिस उपायुक्त, महिला सुरक्षा विंग और उनके कर्मचारियों द्वारा की जाएगी। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया प्रसन्ना लक्ष्मी, एसीपी एएचटी और एएचटीयू इंस्पेक्टर सुनीता सुर्वे, जेबीयू/एसजेपीयू इंस्पेक्टर के. मधुलता सहित अन्य अधिकारी। ये महत्वपूर्ण घटनाक्रम महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने और मानव तस्करी में शामिल लोगों का लगातार पीछा करने के लिए हैदराबाद सिटी पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

विशेष ट्रेनों का बढ़ाया जाएगा परिचालन

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने चेर्लापल्ली-नरसापुर के बीच विशेष ट्रेनों का परिचालन मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है। तदनुसार, चेर्लापल्ली-नरसापुर (07233) ट्रेन को 5 जुलाई, 2025 से 28 मार्च, 2026 के बीच और नरसापुर-चेर्लापल्ली (07234) ट्रेन को 6 जुलाई, 2025 से 29 मार्च, 2026 के बीच विस्तारित किया गया है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-04, हैदराबाद की बैठक दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय रेल निलयम में मंगलवार अरुण कुमार जैन, अध्यक्ष/नराकास एवं महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में समिति के उपाध्यक्ष/नराकास, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री राजेश पी.खाडे जी, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4 के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधिगण, हिंदी शिक्षण योजना के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप निदेशक (कार्यान्वयन), बेंगलूरु, श्री अनिर्बान विश्वास, कुछ अन्य कार्यालयों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस समिति की बैठकों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए हिंदी में कार्य किया जाए। उन्होंने राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह में राजभाषा से जुड़े सभी कार्मिकों को भाग लेने के लिए कहा। बैठक के आरंभ में उपाध्यक्ष/मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में नियमित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ.श्याम सुंदर साहू, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की. श्री एम.के.नागराजु, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी।

प्रवेश परीक्षा 2025 के परिणाम घोषित

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शारीरिक शिक्षा सामान्य प्रवेश परीक्षा (टीजी पीईसीईटी) 2025 के परिणाम मंगलवार को घोषित किए गए, जिसमें 94.96 प्रतिशत उम्मीदवार परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर वी बालाकिस्ता रेड्डी और टीजी पीईसीईटी 2025 के अध्यक्ष और पलामुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जीएन श्रीनिवास द्वारा घोषित परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। 1,767 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी और 1678 ने उत्तीर्णता हासिल की। स्ट्रीम के हिसाब से, 1,307 उम्मीदवारों ने बीपीएड कार्यक्रम में प्रवेश के लिए परीक्षा दी और 95.79 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। इसी तरह, डीपीएड कार्यक्रम में प्रवेश के लिए 460 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी और 92.61 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए।

टीपीसीसी प्रमुख ने फोन टैपिंग में शामिल बीआरएस नेताओं के लिए कड़ी सजा की मांग की

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और पूर्व मंत्री के.टी. रामाराव सहित बीआरएस नेताओं के साथ-साथ फोन टैपिंग मामले में शामिल अधिकारियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। महेश कुमार गौड़ ने मंगलवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष फोन टैपिंग मामले की सुनवाई के दौरान गवाह के तौर पर अपना बयान दिया। अपनी टिप्पणी के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक हस्तियों की फोन बातचीत को रोकना एक गंभीर अपराध है और पिछली बीआरएस सरकार पर कांग्रेस नेताओं की कॉल टैप करके टेलीग्राफ अधिनियम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 2023 के चुनावों के दौरान, मैंने तत्कालीन टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के साथ मिलकर मुख्य सचिव के पास फोन टैपिंग के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। मैंने निष्पक्ष तरीके से एसआईटी अधिकारियों को पूरी जानकारी दी है। पिछली बीआरएस सरकार ने शर्मनाक तरीके से काम किया। राज्य में अन्य राजनीतिक दलों को खत्म करने के बुरे इरादे से उन्होंने फोन टैपिंग का सहारा लिया। महेश कुमार गौड़ ने कहा, केसीआर और केटीआर दोनों ने यह जघन्य कृत्य किया है और उन्हें शर्म से सिर झुकाना चाहिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से हमारे फोन टैप किए कि केवल बीआरएस पार्टी ही राजनीति में बनी रहे। उन्होंने दावा किया कि न केवल 650 से अधिक प्रमुख कांग्रेस नेताओं के फोन टैप किए गए, बल्कि भाजपा और टीडीपी नेताओं के फोन भी निशाना बनाए गए, ताकि इन कार्यों को सही ठहराने के लिए उन्हें नक्सल समर्थक के रूप में चित्रित किया जा सके। महेश कुमार गौड़ ने मांग की, किसी को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए और इसमें शामिल हर व्यक्ति को दंडित किया जाना चाहिए।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-West-WAT-22-2025
दिनांक: 10.06.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल में वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/पश्चिम/वाल्टियर के अधीन साइट पर AT / SKV प्रक्रिया (सिंगल शॉट कूसिबल तकनीक) द्वारा 60KG/60EI-R260/60EI-R350 ग्रेड रेल के लिए 600 संख्यक वेल्डिंग अंश की आपूर्ति।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 14,42,784.00, **EMD :** ₹ 28,900/-, **कार्य पूरा होने की अवधि :** 06 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 03.07.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-245/Q/25-26

कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, सोने की चेन बरामद

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के टोलीचौकी पुलिस थाने की पुलिस ने टोलीचौकी एक्स रोड से तीन आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया, जहां श्री गणिपिनी बाबू नामक शिकायतकर्ता ने बीते 14 जून को दोपहर आरटीसी बस में सोने की चेन चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसका वजन लगभग 1.4 तोला था और कीमत लगभग 1.4 तुला थी और 1 लाख 50 रुपए है। पुलिस ने आरोपी बंदरी केशव ऊर्फ चिन्ना निवासी मंगर बस्ती, आसिफ नगर, हैदराबाद, कांबले श्याम सुंदर ऊर्फ श्रीनू निवासी मंगर बस्ती, आसिफ नगर, हैदराबाद, उपादे सूरज निवासी मंगर बस्ती, आसिफ नगर, हैदराबाद को गिरफ्तार कर लिया। जबकि अन्य दो आरोपी वम्शी निवासी सीताराम बाग, हैदराबाद, वम्शी वरदान निवासी सीताराम बाग, हैदराबाद फरार है।

आईआरसीटीसी ने "गंगा रामायण पुण्य क्षेत्र यात्रा" की घोषणा की

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईआरसीटीसी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होने वाली भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा "गंगा रामायण पुण्य क्षेत्र यात्रा" की घोषणा की है। ट्रेन काशी विश्वनाथ मंदिर और गलियारा, काशी विशालाक्षी और अन्नपूर्णा देवी मंदिर, वाराणसी में शाम की गंगा आरती, अयोध्या में राम जन्म भूमि और हनुमानगढ़ी, नैमिषारण्य में चक्र तीर्थ, हनुमान गढ़ी मंदिर और व्यास गद्दी और प्रयागराज में त्रिवेणी संगम और श्रृंगवेरपुर को कवर करेगी। तेलंगाना में भुवनगिरी, जनगांव, काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, खम्मम, मधिरा, आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, समालकोट, तुनी, दुव्वाडा, पेंडुरती, विजयनगरम, पलासा जैसे महत्वपूर्ण रास्ते के स्टेशनों पर बोर्डिंग और डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान की गई। पूरी यात्रा आठ रातों/नौ दिनों की अवधि में पूरी की जाएगी।

इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना- दोनों ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड) शामिल हैं। ट्रेन में सुरक्षा (सभी कोचों में सीसीटीवी), सभी कोचों में सार्वजनिक घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा और सहायता के लिए पूरी यात्रा के दौरान टूर मैनेजर की मौजूदगी रहेगी।

17 जुलाई को राज्यव्यापी रेल रोको आह्वान

मेदक, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के कविता ने 17 जुलाई को राज्यव्यापी रेल रोको विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है, जिसमें केंद्र सरकार से स्थानीय निकायों, शिक्षा और रोजगार में पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने की मांग की गई है। मंगलवार को मेदक में तेलंगाना जागृति और यूनाइटेड फुले फ्रंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित बीसी गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए, कविता ने विधेयकों को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह रेल रोको केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं होगा, बल्कि दिल्ली में शासकों के लिए तेलंगाना पिछड़ा वर्ग की ताकत की घोषणा होगी। हम इस विरोध प्रदर्शन में सभी पिछड़ा वर्ग संगठनों और नेताओं को साथ लेकर चलेंगे, एमएलसी कविता ने चेतावनी दी कि विरोध प्रदर्शन केंद्र में भाजपा सरकार को एक कड़ा संदेश देगा। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह पिछड़ी जातियों के लिए प्रस्तावित 42 प्रतिशत आरक्षण को लागू किए बिना स्थानीय निकाय चुनाव कराने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा, हम इन आरक्षणों के बिना चुनाव नहीं होने देंगे। कांग्रेस सरकार ने केवल विधेयकों को केंद्र के पास भेज दिया है और जिम्मेदारी से अपना पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार राष्ट्रपति की मंजूरी सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयासों को तेज क्यों नहीं कर रही है। पिछड़ी जातियों में कई जातियों के अभी भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक अवसर सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण आवश्यक है, खासकर पिछड़ी जातियों की महिलाओं के लिए। उन्होंने महिला आरक्षण के भीतर पिछड़ी जातियों की महिलाओं के लिए उप-कोटा की मांग की। उन्होंने पिछड़ी जातियों के विधेयकों के लिए समर्थन न जताने के लिए मेदक से भाजपा सांसद रघुनंदन राव पर भी निशाना साधा।

CLASSIFIEDS

LOST OF DOCUMENT

General Public is hereby informed that, the original Sale Deed Document No.611 of 2006, dated.17-02-2006, at R.O. Hyd., pertaining to Flat No.502 bearing No.3-4-552/502(PTI No.1090308755), in 5th Floor, Indra Estates, adm.2130 Sft. u/d share 65 Sq.yards, in MCH No.3-4-552, at YMCA, Narayanguda, Hyderabad, purchased in the name of Smt. Lakmala Sunitha Rani W/o. Lakmala Shiv Kumar and its relevant papers have been lost and misplaced while transit from Kachiguda to Nimboliadda on 12-06-2025 at 8.00 P.M. and till date it could not be traced out. If any person or persons found it, they may kindly contact undersigned along with original documents and they will be given suitable reward.
Cont. No. 9849771470, 9704189302.

CHANGE OF NAME

I, SWARUPA KARRE legally wedded spouse of No. 15778567F, Rank-HAV, Name- KAPPERA SRINIVAS, Residing at Village & PO- Kodakandla, Teh- Gajwel, Dist: Siddipet, Telangana, PIN-502312, changed my name from KARRE SWARUPA to SWARUPA KARRE vide affidavit dt 16 June 2025 before Katlurari Ravinder Rao Advocate & Notary, Secunderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

॥ श्री हरिः ॥ **बैठक** ॥ श्री हरिः ॥

स्व.श्री भोलारामजी हाम्बड़
सुपुत्र: स्व.श्री केनारामजी हाम्बड़
मरुधर मे जैतपुरा । स्वर्गवास: 02.05.2025, शुक्रवार

बैठक, आज बुधवार 18.06.2025 प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक
श्री आईमाताजी बडेर पारसीगुट्टा पर होगी
नोट: कार्यक्रम स्थल पर पला प्रथा बंद रहेगी ।

* शोकाकुल * जमनीबाई (धर्मपत्नी), श्री तेजाराम (भाई), नैनाराम, सुजाराम सुपुत्र: स्व.श्री मोनीरामजी (भाई), पूनाराम, मुकेश, नारायणलाल, सुरेश, दिनेश (पुत्र), प्रकाश, सिद्धार्थ (पौत्र) एवं समस्त हाम्बड़ परिवार जैतपुरा
भंवरीबाई-रमेश कुमारजी कोलपुरा, टिपुबाई-बाबुलालजी धनला, हंजाबाई-भुरारामजी जाणुदा, विमलाबाई-पूनारामजी धनला, सुखियाबाई-स्व.श्री रूपारामजी जाणुदा (पुत्री-दामाद)

: फर्म : **प्रकाश बाथ वर्ल्ड** उप्पल डिपो, हैदराबाद
विष्णु सेनेटरी चंगीचेरल, हैदराबाद
मो. 9441853132, 9951897621, 9413082035

P.Solankey

क्या दीवार फांदकर कृति से मिलने जाते हैं जावेद जाफरी? फराह खान के सवाल पर एक्टर ने किया रिएक्ट

फिल्म निर्माता-कोरियोग्राफर फराह खान अपने अलबेले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में वो अपने कुक दिलीप के साथ डांसर-एक्टर जावेद जाफरी के घर पहुंची और उनकी बातों से प्रभावित होती हुईं दिख रही हैं। साथ ही अभिनेता ने अपने घर को लेकर भी जिक्र किया है। इसी दौरान एक्ट्रेस कृति सेनन का भी नाम आता है, जिस पर फराह खान की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

जावेद जाफरी की पड़ोसी हैं कृति सेनन

जावेद जाफरी खुशी से अपना घर फराह खान को दिखाते हैं और उसके बाद बालकनी के दृश्यों के बारे में अपने अनुभवों को शेयर करते हैं। इसी दौरान डांसर-एक्टर ने कहा कि दीवार के उस पार कृति सेनन का घर हैं। ये बात सुनते ही फराह खान हंस पड़ीं और बोलीं, 'तो आप दीवार फांद के जाते हैं कृति सेनन के घर?' इस पर जावेद जाफरी जोर से हंस पड़ते हैं।

फराह खान और जावेद जाफरी के बारे में

फराह खान हाल ही में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ शो में बतौर होस्ट नजर आई थीं, जहां रणवीर बरार और विकास खन्ना जज थे। हाल ही में फराह खान ने फिल्म लवयापा के लिए गाना भी कोरियोग्राफ किया है। वहीं, जावेद जाफरी की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 'इन गलियों में' और जियो हॉटस्टार पर आई वेब सीरीज 'ताजा खबर' में देखा गया था। वह जल्द ही कॉमेडी फिल्म सीरीज की चौथे पार्ट 'धमाल 4' में अभिनय करते दिखेंगे।

कृति सेनन का वर्कफ्रंट

कृति सेनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था। इसके अलावा अभिनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें तो उन्हें आनंद एल राय के निर्देशन में बन रही 'तेरे इश्क में' देखा जाएगा। वर्तमान में इसकी शूटिंग चल रही है।

पूजा हेगड़े ने थलपति विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर दिया अपडेट

थलपति विजय की अगली और आखिरी ड्रामा फिल्म 'जन नायकन' से प्रशंसकों को बहुत अधिक उम्मीदें हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ कर रहे हैं। यह एक राजनीतिक ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में थलपति विजय के साथ पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं फिल्म को लेकर पूजा ने एक नया अपडेट शेयर किया है, जिसने प्रशंसकों की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है।

पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक सेल्फी शेयर की है। इस सेल्फी में पूजा के चेहरे पर स्माइल नजर आ रही है। यह खुशी पूजा के चेहरे पर उनकी फिल्म 'जन नायकन' की शूटिंग खत्म होने की है। इसी पोस्ट के साथ उन्होंने बताया कि उन्होंने इस फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और अब केवल डबिंग बाकी है। इसके साथ ही पूजा ने लिखा रैप अप और लाल दिल वाला इमोजी भी बनाया। पूजा की इस पोस्ट पर उनके फैंस बेहद खुश हैं। वह लगातार फायर और लाल दिल वाले इमोजी बरसा रहे हैं।

फिल्म जय नायकन

साउथ फिल्म फिल्म 'जय नायकन' में पूजा हेगड़े और विजय दलपति के अलावा बॉबी देओल, गौतम वासुदेव मेनन, ममिता बैजू, प्रियामणि और वरलक्ष्मी सरथकुमार जैसे सितारे भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। केवीएन प्रोडक्शंस की इस पहली तमिल फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत है। जन नायकन पोंगल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चित्रांगदा सिंह ने किया 'हाउसफुल 5' का बचाव कहा- हर फिल्म सामाजिक तौर से सही नहीं होती

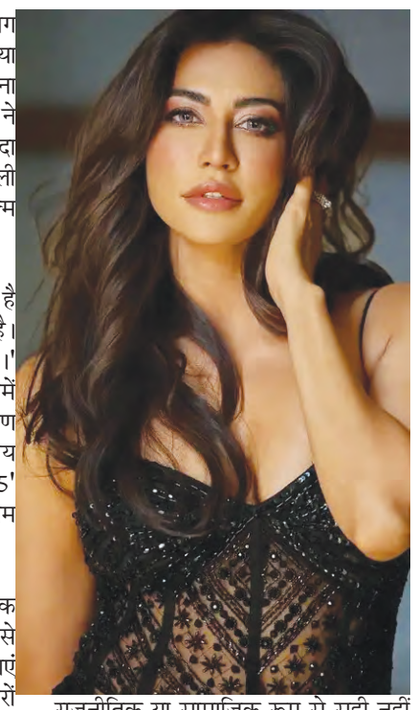

फिल्म 'हाउसफुल 5' पर इल्जाम लग रहे हैं कि इसमें महिलाओं का प्रदर्शन किया गया है। इसके लिए फिल्म की आलोचना हो रही है। इस पर फिल्म की अभिनेत्री ने हाउसफुल 5 का बचाव किया है। चित्रांगदा सिंह ने कहा है कि सिनेमा को उसकी शैली के हिसाब से देखना चाहिए। हर फिल्म नौतिक या राजनीतिक नहीं होती है।

अक्षय कुमार ने लिए दमदार किरदार

चित्रांगदा सिंह ने कहा 'मुझे लगता है कि हर फिल्म की शैली अलग होती है। उसके लिए एक सुर एक लय होती है।' उन्होंने उस बात का जवाब दिया जिसमें कहा गया है कि हाउसफुल 5 वस्तुकरण करती है। चित्रांगदा सिंह ने कहा 'अक्षय कुमार ने जो कुछ किया वह 'हाउसफुल 5' नहीं है। उन्होंने पैडमैन, टॉयलेटः एक प्रेम कथा और केसरी जैसी फिल्में की है।'

चित्रांगदा ने निभाए सशक्त किरदार

चित्रांगदा ने आगे बताया कि उन्होंने एक कलाकार के तौर पर सामाजिक रूप से सशक्त महिला से लेकर ग्लैमरस भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने कहा 'मैंने हजारों ख्वाहिशें ऐसी और इंकार जैसी फिल्मों में काम किया है, मैंने बहुत सशक्त किरदार निभाया है लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर वे किरदार भी मेरा हिस्सा हैं। मैंने काफिराना और कुंडी जैसे गानों में भी अभिनय किया है, इसका मतलब ये नहीं कि मैं भी ऐसी ही हूं।'

कभी कभी अलग मूड में होने की जरूरत है

चित्रांगदा ने कहा 'यह फिल्म अलग तरह की है। इसे सेंसर बोर्ड ने मान्यता दी है। मुझे लगता है कि कभी-कभी हमें अलग मूड में होने की जरूरत होती है। हर चीज राजनीतिक या सामाजिक रूप से सही नहीं होती है। हम हर किसी को छड़ी से नहीं हांक सकते। फिल्म का मकसद है मनोरंजन करना।'

'हाउलफुल 5' की स्टारकास्ट

आपको बता दें तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी 'हाउसफुल 5' में एडल्ट कॉमेडी है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, डीनू मौर्या, जॉनी लीवर, चंकी पांडे, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, रणजीत, नितिन धीर, सोनम बाजवा और सौंदर्या शर्मा हैं।

'मैं रोज 10 घंटे काम करती हूं', शिफ्ट टाइम पर बोलीं जेनेलिया, कहा- 'मुश्किल है, असंभव नहीं'

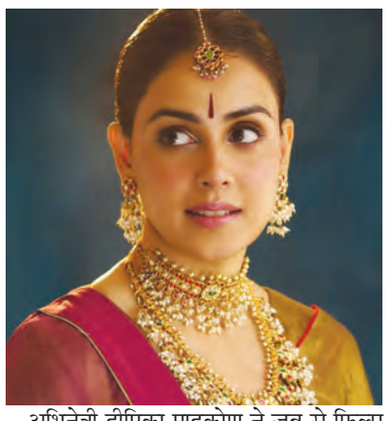

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने जब से फिल्म 'स्पिरिट' छोड़ी है, इंडस्ट्री में शिफ्ट टाइमिंग और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर चर्चा छिड़ गई है। दरअसल, दीपिका ने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से आठ घंटे की शिफ्ट करने की शर्त रखी थी। इस पर सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। इसके बाद कई सितारे दीपिका के बचाव में आ चुके हैं। वहीं, हाल ही में अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा से जब वर्क-लाइफ बैलेंस से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वे हर दिन 10 घंटे काम करती हैं।

बोलीं- 'मैं 10 घंटे काम करती हूं'

जेनेलिया डिसूजा फिल्म 'सितारे जमीन पर' फिल्म में नजर आएंगी, जो इसी महीने रिलीज होगी। हाल ही में जूम से बातचीत में जेनेलिया डिसूजा ने बताया कि वे अपनी निजी जिंदगी को कैसे मैनेज करती हैं? अभिनेत्री ने कहा कि डायरेक्टर जब काम के घंटे बढ़ा देते हैं तो वे एडजस्टमेंट कर लेती हैं। जेनेलिया ने कहा, 'यह मुश्किल है लेकिन असंभव नहीं है। मैं दिन में 10 घंटे काम करती हूं और ऐसे दिन भी आते हैं जब डायरेक्टर इसे बढ़ाकर 11 या 12 घंटे करने के लिए कहते हैं'।

'आपसी समझ की जरूरत'

जेनेलिया डिसूजा ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि यह ठीक है, लेकिन हमें उन एडजस्टमेंट को करने के लिए समय चाहिए। जब आपके पास एक या दो दिन होते हैं, जब आपको ज्यादा काम करना पड़ता है। यह एक आपसी समझ और प्रोसेस भी है, जिसकी जरूरत है'। काम के घंटों को लेकर जेनेलिया की टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है, जब फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका के बाहर होने के बाद शिफ्ट टाइमिंग को लेकर बहस छिड़ी है।

दीपिका ने रखी थीं ये शर्तें

संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित फिल्म 'स्पिरिट' में दीपिका पादुकोण काम करने वाली थीं। मगर उन्होंने आठ घंटे की शिफ्ट करने की शर्त रखी। साथ ही 40 करोड़ रुपये फीस की डिमांड रखी। कहा यह भी गया कि निर्देशक ने उनसे तेलुगु सीखने को भी कहा।

इन सभी शर्तों पर दीपिका और संदीप रेड्डी के बीच सहमति नहीं बन सकी, जिसके कारण दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। अब इस फिल्म में अभिनत्री तृप्ति डिमरी लीड रोल कर रही हैं। मगर, फिल्म से दीपिका के बाहर होने के बाद इंडस्ट्री में वर्क-लाइफ बैलेंस पर बहस छिड़ गई है।

कब रिलीज होगी 'सितारे जमीन पर'

बात करें जेनेलिया की तो फिल्म 'सितारे जमीन पर' में वे आमिर खान के साथ नजर आएंगी। वे अभिनेता की पत्नी की भूमिका अदा कर रही हैं। आर एस प्रसन्ना निर्देशित यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी ने सनी देओल-वरुण धवन को किया ज्वाइन

सनी देओल की मच अवेटेड फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग जारी है। फिल्म का तीसरा शेड्यूल अब पुणे के नेशनल डिफेंस अकादमी में शूट किया जा रहा है। इसी बीच अब सेट से एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है जिसमें दो और एक्टर्स भी फिल्म की कास्ट के साथ जुड़ गए हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं दिलजीत दोसांझ और सुनील शेट्टी के लाडले अहान शेट्टी की, जो अब फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुके हैं।

तस्वीर में सनी-वरुण के साथ दिलजीत-अहान

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर पोस्ट की गई इस तस्वीर में इस तस्वीर में भूषण कुमार भी दिखाई दे रहे हैं। साथ ही फिल्म के मेकर्स भी एक्टर्स के साथ कैमरे के लिए पोज दे रहे हैं।

कैप्शन में दी जानकारी

इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा- फिल्म 'बॉर्डर 2' के तीसरे शेड्यूल की शूटिंग पुणे स्थित प्रतिष्ठित नेशनल डिफेंस अकैडमी में शुरू हो गई है। दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अब सनी देओल और वरुण धवन के साथ मिलकर शौर्य और एकता की एक भव्य कहानी को पर्दे पर उतारेंगे। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं और इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधी दत्ता द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। बॉर्डर 2 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो कि गणतंत्र दिवस वीकेंड पर आएगी।

वरुण धवन अपने बॉर्डर 2 के लुक में नजर आ रहे हैं। उनके साथ लीजेंड सनी देओल बैठे हुए हैं। साथ ही अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इसके अलावा

'मेरा दिल भर गया', श्री श्री रविशंकर के आश्रम पहुंचीं जैकलीन

जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों अपनी फिल्म 'हाउसफुल 5' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर श्री श्री रविशंकर के आश्रम से कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही गुरुदेव का धन्यवाद किया।जैकलीन फर्नांडिस ने आश्रम की कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में जैकलीन कहीं घुड़सवारी करती नजर आ रही हैं, तो किसी तस्वीर में गाय को दुलारती नजर आ रही हैं। जैकलीन ने कुछ दिलचस्प वीडियोज भी शेयर किए हैं।

एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'मेरा दिल भर गया धन्यवाद@gurudev मार्गदर्शन और प्रकाश के लिए मैं आपका ऋणी हूं..' जैकलीन से पहले विक्रांत मैसी और हिना खान भी श्री श्री रविशंकर के आश्रम जा चुके हैं।

जैकलीन की इन तस्वीरों और वीडियोज पर फैंस लगातार लाल दिल वाले और फायर इमोजी बरसा रहे हैं। जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आ रही हैं। यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में

रिलीज हुई थी। इस फिल्म में जैकलीन के अलावा अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, चंकी पांडे, सोनम बाजवा और नरगिस फाखरी के कई स्टार्स नजर आ रहे हैं। जैकलीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। यह भी एक मल्टीस्टारर फिल्म है। इस फिल्म में जैकलीन के अलावा लारा दत्ता, दिशा पाटनी, रवीना टंडन, सुनील शेट्टी जैसे कई कलाकार नजर आएंगे।

विवेक अग्निहोत्री ने अभिनेत्री तनुश्री दत्ता के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी, बोले- सफल ना होने पर ऐसा ही होता है

बॉलीवुड में अक्सर विवाद और बयानबाजी सुर्खियों में रहते हैं। इसी कड़ी में हाल ही में फिर से चर्चा में आए हैं निर्देशक विवेक अग्निहोत्री, जिन्होंने एक पुराने विवाद पर रिएक्शन देकर फिर से मामले को सुर्खियों में ला दिया है। दरअसल अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने कुछ समय पहले अपने एक इंटरव्यू में निर्देशक पर शूटिंग के दौरान अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया था। अब इस पर विवेक अग्निहोत्री ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है।

विवेक अग्निहोत्री ने दिया जवाब

तनुश्री के आरोपों पर चुप्पी तोड़ते हुए विवेक अग्निहोत्री ने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसा स्थान है जहां कलाकारों पर बहुत दबाव होता है सफल होने का। जब लोग सफल नहीं हो पाते, तो हताशा में उलझ जाते हैं और अपनी मानसिक स्थिति को संभाल नहीं पाते। ऐसे में कई बार वो असंतुलित और अनियंत्रित हो जाते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इन चीजों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। मैं ऐसे मामलों में उलझना पसंद नहीं करता। लोग क्या कहते हैं, उस पर प्रतिक्रिया देना मेरा स्वभाव नहीं है। मैंने हमेशा माफ़ करना सीखा है और इसीलिए मैं इन बातों को नजरअंदाज करता हूँ।'

तनुश्री की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई

विवेक अग्निहोत्री के इस बयान के बाद तनुश्री दत्ता की तरफ से अब तक कोई नई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या अभिनेत्री इस पर फिर से कोई प्रतिक्रिया देती हैं या नहीं।

विवेक अग्निहोत्री की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द वैक्सीन वॉर' जैसी फिल्मों से सुर्खियों में रहे हैं। अब उनकी अगली फिल्म द बंगाल फाइल्स 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिस पर दर्शकों की नजरें टिकी हैं।

तनुश्री दत्ता ने क्या आरोप लगाए थे?

बता दें अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने साल 2005 में विवेक अग्निहोत्री के साथ फिल्म चॉकलेट में काम किया था। कुछ समय पहले तनुश्री ने फरीदून शहरयार को अपने अनुभव के बारे में बताते हुए कहा, 'एक दिन, जब मैं सेट पर पांच मिनट देर से पहुंची, तो वह मुझ पर चिल्लाएं और मुझे अनप्रोफेशनल कहा। कभी-कभी मैं सेट पर तब आती थी, जब लाइट्स भी नहीं लगी होती थीं, सेट तैयार ही नहीं होता था, लेकिन एक दिन मैं थोड़ा लेट आई, पांच मिनट, ठीक पांच मिनट और वह सेट पर थे सिर्फ ये देखने के लिए कि मैं आई हूं या नहीं।'

गौरतलब है तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड की कई शानदार फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री ने साल 2005 से लेकर 2010 तक ज्यादातर फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने 'आशिक बनाया आपने', 'भागम भाग' और 'ढोल' जैसी फिल्मों में काम किया है। हालांकि, अभी वह फिल्मों से दूर हैं, लेकिन सुर्खियों में फिर भी बनी रहती हैं।

'सितारे जमीन पर' बिना किसी कट के हुई पास सेंसर बोर्ड से आमिर की फिल्म को हरी झंडी

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। उनकी मच अवेटेड फिल्म 'सितारे जमीन पर' को आखिरकार सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से हरी झंडी मिल गई है। खास बात ये है कि सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को बिना किसी कट के थिएटर में रिलीज करने की अनुमति दी है, जिससे आमिर के फैंस के बीच उत्साह दोगुना हो गया है।

सेंसर बोर्ड ने कट लगाने की दी थी सलाह

फिल्म की रिलीज से पहले इसे लेकर कुछ अड़चनों का सामना करना पड़ा था। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की ओर से फिल्म में दो बदलाव करने का सुझाव दिया गया था, जिसके बाद फिल्म की रिलीज को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई थी। लेकिन आमिर खान और उनकी टीम ने अपने पक्ष को मजबूती से रखा और ये साफ किया कि फिल्म की स्क्रिप्ट और प्रस्तुतिकरण पर बहुत सोच-विचार के बाद काम किया गया है। आखिरकार बोर्ड ने बिना किसी कट के फिल्म को पास कर दिया।

साल 2007 की 'तारे जमीन पर' का नया अध्याय

साल 2007 में रिलीज हुई आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' ने शिक्षा प्रणाली और बच्चों की मानसिकता पर प्रभावशाली चर्चा की थी। उस फिल्म ने 98 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था और इसे 11 फिल्मफेयर नॉमिनेशन और 3 राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए थे।

अब करीब 18 साल बाद, आमिर उस फिल्म की तरह एक और इमोशनल जर्नी लेकर आ रहे हैं। हालांकि ये फिल्म सीधे तौर पर 'तारे जमीन पर' की सीक्वल नहीं है, लेकिन इसे स्पिरिचुअल सीक्वल के रूप में देखा जा रहा है। यानी फिल्म की आत्मा और मूल भावना वही है, लेकिन कहानी बिल्कुल नई होगी।

10 नए चेहरों के साथ आमिर की ये फिल्म

इस फिल्म की एक खास बात ये भी है कि इसमें 10 नए कलाकारों को लॉन्च किया जा रहा है। साथ ही आमिर खान के अपोजिट जेनेलिया देशमुख नजर आएंगी। दोनों की जोड़ी को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है, क्योंकि पहली बार दोनों एक साथ किसी फिल्म में दिखेंगे।

फिल्म का निर्देशन आर.एस. प्रसन्ना ने किया है, जिन्हें 'शुभ मंगल सावधान' जैसी फिल्म के लिए जाना जाता है। आमिर इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर भी हैं और उनकी क्रिएटिव इनपुट्स इस प्रोजेक्ट को खास बना रहे हैं।

20 जून को होगी रिलीज

आमिर खान की ये फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। बिना किसी कट के पास हुई इस फिल्म को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में भी पॉजिटिव माहौल बन रहा है। उम्मीद की जा रही है कि आमिर एक बार फिर दर्शकों के दिलों को छूने में कामयाब होंगे।

क्यों आई महमूद और अरुणा ईरानी के रिश्ते में दरार?

अरुणा ईरानी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्रियों में शुमार रही हैं। उन्होंने ज्यादातर नेगेटिव रोल के जरिए लोकप्रियता हासिल की। इसके अलावा अपने डांस नंबर्स से भी उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा। एक वक्त पर महमूद के साथ अरुणा ईरानी के अफेयर के खूब चर्चे रहे। ऐसे दावे भी किए गए कि दोनों ने शादी रचा ली है। इस तरह की खबरों पर हाल ही में अरुणा ईरानी ने प्रतिक्रिया दी।

सलाह मिली कि, 'महमूद को घास डाल'

अरुणा ईरानी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में यह स्वीकार किया कि वे महमूद के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन बाद में उन्हें अलग होना पड़ा, क्योंकि उस समय अभिनेता पहले से ही शादीशुदा थे। अरुणा ईरानी ने हालिया इंटरव्यू में कहा, 'डांस डायरेक्टर सुरेश भट्ट ने मुझसे कहा 'तू महमूद को घास डाल, केवल वही तुम्हें काम दिला सकते हैं'। लेकिन वहां भी मैं महमूद को हां और ना कहती रही। उनके प्रस्तावों को अस्वीकार करती रही, लेकिन उन्होंने मुझे इस पर भी काम देना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे मेरे मन में उनके लिए एक सॉफ्ट कॉर्नर बन गया'।

बोलीं- 'उन्होंने करियर बनाया और बर्बाद भी कर दिया'

अरुणा ईरानी ने आगे कहा, 'उनके जरिए मैंने पैसा, शोहरत, नाम देखा और मैंने सोचा कि मैं कब तक इस आदमी को बेवकूफ बनाऊंगी। फिर हम दोस्त बन गए और फिर दोस्त से ज्यादा, लेकिन उसके साथ बस इतना ही था'। अभिनेत्री ने बताया कि काम पाने के लिए उन्होंने महमूद को खुश करने के लिए हर काम किया। अरुणा ईरानी ने कहा कि उन्होंने (महमूद) उनका करियर बनाया और उन्होंने ही बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा, 'हद से बाहर जाकर मैंने उन्हें खुश किया। मैं एक बहुत ही गरीब परिवार से थी, इसलिए पहली बार मैंने नाम, शोहरत, पैसा देखा'।

क्यों हुआ महमूद से ब्रेकअप?

अरुणा ईरानी ने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा, 'विनोद खन्ना ने महमूद से पूछा कि क्या मैं उनकी फिल्म में उनकी नायिका की भूमिका निभा सकती हूं'। उन्होंने महमूद से पूछा कि क्या हम दोनों शादीशुदा हैं? महमूद ने बस मेरी तरफ देखा और मुस्कुराए और कुछ नहीं कहा। तो उन्होंने मेरा करियर भी बनाया और बर्बाद भी किया'। अरुणा ईरानी ने महमूद के साथ ब्रेकअप का कारण बताते हुए कहा, 'उनके परिवार ने उन्हें मेरे साथ काम करने से रोका और इसलिए उन्होंने मेरे साथ काम करना बंद कर दिया। उसके बाद मेरा उनसे कोई रिश्ता नहीं रहा'।

नहीं मिल रहा था काम

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेरे पास अपने परिवार की जिम्मेदारी थी और मैंने उस पर ध्यान दिया। इस ब्रेक-अप के बाद कोई भी मुझे काम नहीं दे रहा था। मैंने गाने करना शुरू कर दिया। मेरे मन में कभी यह कॉम्प्लैक्स नहीं था कि मैं लीड एक्ट्रेस की भूमिका निभाने के बाद गाने कर रही हूं। मैं बस बाहर निकलना चाहती थी और कमाना चाहती थी'। अरुणा ईरानी ने आगे कहा कि उनके साथ जो भी हुआ, वह उनके लिए ही

ब्रह्मचारी नारद मुनि करना चाहते थे विवाह

अहंकार से नारद की बुद्धि हो गई थी भ्रमित, भगवान विष्णु ने अपनी माया से तोड़ा नारद मुनि का अहंकार

पौराणिक कथा के मुताबिक एक बार नारद मुनि को इस बात का अहंकार हो गया था कि उन्होंने कामदेव को जीत लिया है। नारद मुनि ने भगवान विष्णु के सामने भी ये बात कही कि मैंने कामदेव को पराजित कर दिया। विष्णु जी समझ गए कि नारद अहंकारी हो गए हैं और इनके लिए अहंकार करना अच्छी बात नहीं है। नारद मुनि का अहंकार दूर करने के लिए विष्णु जी ने एक माया रची।

विष्णु जी से मिलने के बाद नारद मुनि लौट रहे थे, रास्ते में उन्होंने एक सुंदर नगर देखा, नारद मुनि वहां रुके तो उन्हें मालूम हुआ कि यहां की राजकुमारी विश्वमोहिनी का स्वयंवर हो रहा है।

नारद मुनि भी उस स्वयंवर में पहुंच गए। जब नारद ने राजकुमारी को देखा तो वे उसकी सुंदरता से मोहित हो गए और उन्होंने तय किया वे इस राजकुमारी से विवाह करेंगे।

नारद जानते थे कि स्वयंवर में वही चुना जाएगा जो रूपवान और आकर्षक होगा। इसीलिए वे तुरंत भगवान विष्णु के पास पहुंचे और भगवान से अनुरोध किया कि उन्हें अपनी सुंदरता दे दें।

विष्णु जी ने मुस्कराकर कहा कि मैं आपको ऐसा रूप दूंगा, जिससे आपका भला होगा।

विष्णु जी ने नारद को वानर का रूप दे दिया। स्वयंवर में जब नारद उस रूप में पहुंचे तो वहां उनका उपहास हुआ, अपमान हुआ। उसी स्वयंवर में स्वयं भगवान विष्णु भी आ गए, राजकुमारी ने विष्णु जी को वरमाला पहना दी। ये देखकर नारद को और गुस्सा आ गया। अपमानित और क्रोधित नारद ने विष्णु जी से पूछा कि– आपने मेरे साथ ऐसा क्यों किया?

विष्णु जी ने समझाया कि अहंकार, कामना और वासना ने आपको भ्रमित कर दिया था। ये सब मेरी माया है और ये मैंने आपका अहंकार दूर करने के किया है। आपके लिए अहंकार अच्छा नहीं है। जैसे बीमार व्यक्ति को वैद्य कड़वी दवा देता है, वैसे ही मैंने आपको यह रूप दिया ताकि आपका अहंकार दूर हो और आप अपने मूल स्वभाव में आ जाएं। नारद जी को अपनी गलती का बोध हुआ और उन्होंने भगवान विष्णु से क्षमा मांगी।

जीवन प्रबंधन की सीख:

इस कथा में जीवन प्रबंधन के कई महत्वपूर्ण सूत्र छिपे हुए हैं, जानिए ये सूत्र...

खुद पर भरोसा करें, दूसरों के भरोसे न रहें - नारद जी ने भगवान विष्णु से सुंदरता मांगी थी, उन्हें खुद पर भरोसा नहीं था। अगर हम खुद पर भरोसा रखेंगे तो हम कई समस्याओं से बच जाएंगे। ध्यान रखें जो चीज हमारी नहीं है, वह कभी भी स्थायी सुख नहीं दे सकती।

गलत कामनाएं बुद्धि भ्रमित कर देती हैं - एक तपस्वी और ज्ञानी मुनि भी जब कामनाओं के वश में आ गए थे और अपनी वास्तविक पहचान को भूल गए थे। जीवन में जब हम किसी चीज को पाने की कामना हो तो हमें बहुत सतर्क रहना चाहिए, गलत कामना की वजह से बुद्धि भी भ्रमित हो सकती है।

परमात्मा वही देता है, जो हमारे लिए सही है - विष्णु जी ने नारद मुनि को वही रूप दिया, जो उनके लिए कल्याणकारी था। अक्सर हमें जो चीज तुरंत नहीं मिलती, उसके लिए हम दुखी हो जाते हैं, लेकिन समय आने पर हम समझ पाते हैं कि भगवान हमें वही देता है, जिससे हमारा कल्याण होता है।

जगन्नाथ पुरी: जहां रखा है भगवान श्रीकृष्ण का दिल, जो आज भी धड़कता है!

महाभारत के युद्ध के काफी समय बाद भगवान श्रीकृष्ण एक पेड़ के नीचे लेटे हुए थे। तभी वहां एक बहेलिया आया, भगवान श्रीकृष्ण पैर आगे करके लेटे हुए थे। ब हेलिया ने भगवान श्रीकृष्ण के पैर को मछली समझ लिया और शिकार को मारने के लिए तीर चला दिया। वह तीर भगवान श्रीकृष्ण के पैर के तलवे में जाकर लगा, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। पांडवों ने उनका अंतिम संस्कार किया, अग्नि में पूरा शरीर जल गया लेकिन उनका हृदय नहीं जला। पांडवों ने उसे समुद्र में बहा दिया। वह समुद्र से होते हुए दक्षिण भारत पहुंच गया, वहां के एक प्रसिद्ध मंदिर में आज भी भगवान श्रीकृष्ण का दिल रखा गया है, जो धड़कता है। आइए जानते हैं भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी इस रोचक कथा के बारे में।

भगवान श्रीकृष्ण का शरीर जला, लेकिन जीवित रहा हृदय

जब भगवान श्रीकृष्ण की मृत्यु हुई तो इसकी खबर पांडवों को पता चली। वे लोग वन में आए और विधि विधान से भगवान श्रीकृष्ण का अंतिम संस्कार किया। पंचतत्वों से बना शरीर जल गया, लेकिन उनका हृदय इतना पवित्र था कि वह जल नहीं पाया। तभी वह धड़क रहा था। तब पांडवों ने भगवान श्रीकृष्ण के हृदय को समुद्र के जल में प्रवाहित कर दिया। वह हृदय बहते हुए ओडिशा के पुरी तट पर पहुंच गया।

पवित्र हृदय ने ले लिया लट्ठ का स्वरूप

पुरी के तट पर पहुंचा भगवान श्रीकृष्ण का हृदय एक लट्ठ के रुप में परिवर्तित हो गया। पुरी के राजा इंद्रद्युम्न ने रात में सपना देखा कि भगवान श्रीकृष्ण ने उनको दर्शन दिए और लट्ठ स्वरूप हृदय के बारे में जानकारी दी। यह स्वप्न देखने के अगली सुबह राजा इंद्रद्युम्न समुद्र तट पर पहुंचे। वहां पर उनको भगवान श्रीकृष्ण का हृदय एक लट्ठ के स्वरूप में प्राप्त हुआ।

विश्वकर्मा ने लट्ठ से बनाई भगवान जगन्नाथ की मूर्ति

भगवत आदेश पाकर देवताओं के शिल्पी विश्वकर्मा जी ने उस लट्ठ से भगवान जगन्नाथ की मूर्ति बनाई। साथ ही उनके भाई बलभद्र और सुभद्रा जी की भी मूर्तियां बनाईं। इन तीनों ही मूर्तियों को पुरी के जगन्नाथ मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित कर दिया गया। मान्यताओं के अनुसार, पुरी मंदिर के गर्भ गृह में जहां पर ये मूर्तियां रखी गई हैं, वहां पर भगवान श्रीकृष्ण का दिल आज भी धड़कता है।

हर 20 साल पर बदलती हैं मूर्तियां

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की मूर्तियों को प्रत्येक 15 या 20 साल में बदल देते हैं। हर 15 या 20 साल में एक बार नीम की लकड़ी से नई मूर्तियां बनाई जाती हैं। उस समय नव कलेवर रस्म होती है, जिसमें मंदिर के पुजारी पुरानी मूर्तियों को हटाकर नई मूर्तियों को स्थापित करते हैं और उसमें प्राण-प्रतिष्ठा की जाती है।

हर साल नगर भ्रमण करते हैं भगवान जगन्नाथ

हर साल आषाढ़ माह में भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण पर निकलते हैं। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि से पुरी की विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ होता है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा तीन अलग अलग रथों पर सवार होकर नगर भ्रमण करते हैं।

ये तीनों अपनी मौसी के घर गुंडीचा मंदिर जाते हैं। इस रथ यात्रा में शामिल होने के लिए दुनिया के कोने-कोने से लोग आते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो लोग इस जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होते हैं, उनको मोक्ष की प्राप्ति होती है, वो मृत्यु के बाद जीवन और मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा का प्रारंभ 26 जून दिन गुरुवार से होगा।

ये 6 राशिवाले होते हैं जिद्दी

राशि चक्र की 12 राशियों में मेष से मीन तक का स्वभाव एक दूसरे से बिल्कुल अलग होता है। कोई स्वभाव से बहुत ही सरल होता है, तो किसी के बात काफी मधुर होते हैं, तो कोई चालाक किस्मत का होता है तो कोई अड़ियल स्वभाव का होता है। आज हम बात कर रहे हैं जिद्दी राशियों के बारे में। आपको बताएं कि 12 राशियों में से ऐसी 6 राशियां हैं, जो बेहद ही जिद्दी किस्म की होती है। इन राशियों के जातक जब किसी बात की जिद पकड़ लेते हैं, तो वे टस से मस तक नहीं होते हैं। वे अपनी बात मनवाकर ही रहते हैं। आइए जानते हैं कि सबसे जिद्दी राशियां कौन सी हैं?

सबसे जिद्दी राशियां कौन सी हैं?

1. वृषभ राशि: वृषभ राशि के लोगों को सबसे जिद्दी माना जाता है। इनका राशि तत्व पृथ्वी है और स्वामी ग्रह शुक्र है। ये लोग अपनी बात पर अड़े रहते हैं, चाहे सामने वाला कोई भी हो। जब एक बार ये कोई एक बात मन में ठान लेते हैं तो फिर उससे पीछे नहीं हटते हैं, चाहें कुछ भी हो जाए।

2. सिंह राशि: सिंह राशि का स्वामी सूर्य है और इनका तत्व अग्नि है। सूर्य ग्रहों का राजा है। राजा में अहंकार होता है। सिंह राशि वालों में नेतृत्व का गुण होता है, इन वजहों से ये दूसरों की बातों को नहीं सुनते हैं। ये स्वयं को सही मानते हैं।

3. वृश्चिक राशि: वृश्चिक का राशि तत्व जल है और मंगल राशि का स्वामी ग्रह है। मंगल के कारण इनमें एनर्जी और पराक्रम उच्च स्तर का होता है। ये दृढ़ इच्छाशक्ति वाले लोग होते हैं। वृश्चिक वाले भावनात्मक और मानसिक स्तर पर काफी मजबूत होते हैं। ये लोग जो निर्णय लेते हैं, उसको बदलना आसान नहीं होता है।

4. मकर राशि: मकर राशि के लोगों को भी जिद्दी माना जाता है। उनका स्वामी ग्रह शनि हैं और राशि तत्व पृथ्वी है। ये लोग अनुशासन और नियम के पक्के होते हैं। यदि आप चाहें कि नियम विरुद्ध कोई काम इनसे करा लें, तो टेढ़ी खीर है। ये लोग एक बार जो बात कह देते हैं, उससे अडिग नहीं होते हैं। चाहें सामने वाला कोई भी क्यों न हो।

5. कुंभ राशि: कुंभ का भी स्वामी ग्रह शनि है, लेकिन राशि तत्व वायु है। ये लोग भी जिद्दी स्वभाव के होते हैं। इन पर किसी का दबाव काम नहीं करता है। ये लोग स्वयं के विचारों का श्रेष्ठ मानकर जीते हैं। ये कोई भी परिवर्तन अपने हिसाब से करना पसंद करते हैं।

6. कन्या राशि: कन्या राशि वाले जातक कई बार काम को लेकर जिद्दी हो सकते हैं। इनका स्वामी ग्रह बुध है और राशि तत्व पृथ्वी है। ये अपने काम में परफेक्शन चाहते हैं, इस वजह से कई बार जिद्दी स्वभाव दिखाते हैं। अपने नजरिए से सही और गलत को लेकर रुख अपनाते हैं।

जिन लोगों के विचार सकारात्मक और सार्थक हैं, उनका हर जगह स्वागत होता है

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए दुनिया कब अच्छी लगने लगती है?

आज के समय में अवैज्ञानिक, तथ्यहीन, अर्थहीन विचारों के लिए कोई जगह नहीं है। अगर विचारों में सकारात्मकता और प्रामाणिकता है तो हमारा हर जगह स्वागत होता है। इसलिए हमें ऐसे विचारों के साथ रहना चाहिए सार्थक और अर्थपूर्ण हैं। विचारों के मामले में कोई संधि न करें, सस्ते और अर्थहीन विचारों से बचें।

आपकी तिजोरी सही दिशा में है?

हर इंसान चाहता है कि उसके पास धन की कमी न हो, जीवन में तरक्की मिले और उसका पैसा सुरक्षित भी रहे। घर में जहां आप अपना कैश, ज्वैलरी या ज़रूरी कागज़ात रखते हैं, वह जगह सिर्फ एक अलमारी नहीं होती बल्कि आपकी मेहनत और भविष्य की जमा पूंजी का केंद्र होती है। इसलिए वास्तु के अनुसार तिजोरी रखने की दिशा का बहुत महत्व है।

वेस्ट दिशा को क्यों माना गया है सबसे बेहतर?

वास्तु शास्त्र में वेस्ट यानी पश्चिम की दिशा को लाभ और प्रगति की दिशा माना गया है। यह दिशा लक्ष्मी और कुबेर जैसे धन के देवताओं से जुड़ी मानी जाती है। माना जाता है कि इस दिशा में रखी गई चीज़ों में बढ़त होती है, वह घटती नहीं। इसलिए अगर घर में रखी तिजोरी या सेफ को वेस्ट दिशा में रखा जाए, तो उसमें रखा पैसा धीरे-धीरे बढ़ता है, संपत्ति में इज़ाफा होता है और आर्थिक रूप से व्यक्ति मजबूत बनता है।

तिजोरी का मुंह पूर्व या उत्तर की ओर होना चाहिए: जब आप तिजोरी खोलें, तो उसका दरवाज़ा पूर्व या उत्तर की तरफ खुले। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

आसपास गंदगी न हो: तिजोरी के पास फालतू सामान, झाड़ू या टूटे-फूटे सामान न रखें। इससे धन की ऊर्जा रुक जाती है।

रोज़ाना दीपक जलाएं: जहां तिजोरी रखी है वहां रोज़ शाम को एक छोटा सा दीपक जलाएं। इससे धन की बरकत बनी रहती है।

तिजोरी में लक्ष्मीजी की तस्वीर रखें: मां लक्ष्मी की बैठी हुई मुद्रा में एक सुंदर सी तस्वीर या छोटा सा स्टिकर तिजोरी में रखने से भी शुभ फल मिलते हैं।

किन चीज़ों को तिजोरी में रखें और किन्हें नहीं

-तिजोरी में सिर्फ ज़रूरी चीज़ें रखें जैसे कैश, ज्वैलरी, चैकबुक, एफडी की कॉपी, ज़मीन-जायदाद के कागज़।

-उसमें दवाइयां, तांबे-पीतल के पुराने बर्तन या खराब मोबाइल जैसे अनुपयोगी सामान न रखें।

ध्यान देने वाली बातें

अगर किसी कारणवश वेस्ट दिशा में तिजोरी रखना मुमकिन नहीं है, तो दूसरी सबसे अच्छी दिशा उत्तर मानी जाती है। लेकिन उस स्थिति में भी वास्तु के अन्य नियमों का पालन ज़रूरी है।

मांगलिक दोष के 3 प्रकार जिनके लिए लाल किताब में लिखे गए हैं ये विशेष उपाय

मांगलिक या फिर कुंडली में मंगल दोष होने की बात सुनते ही ज्यादातर लोग डर जाते हैं। असल में जब कुंडली में पहले, चौथे, सातवें, आठवें और बारहवें भाव में मंगल हो तो मंगल दोष बनता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मंगल दोष विवाह में बाधा उत्पन्न कर सकता है। इससे वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ सकती हैं और संतान प्राप्ति में भी विलंब हो सकता है। इसके अलावा व्यक्ति क्रोधी और अहंकारी हो सकता है, जिससे पारिवारिक रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है। लाल किताब में मंगल दोष दूर करने के कई उपाय बताए गए हैं। आइए, जानते हैं मंगल दोष दूर करने के विशेष उपाय।

मंगल दोष तीन प्रकार के होते हैं

ज्योतिष के अनुसार, मंगल तीन तरह का होता है: सौम्य, मध्यम और कड़क। सौम्य मंगल का कोई दोष नहीं होता। मध्यम मंगल का दोष 28 साल की उम्र के बाद समाप्त हो जाता है। लेकिन, कड़क मंगल के दोष को शांत करना जरूरी होता है।

तीन तरह के मंगल दोष का महत्व

-कुंडली में मंगल ग्रह किसी शुभ ग्रह के साथ या उस पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टि पड़ रही है तो वह सौम्य मंगल कहलाता है।

-मध्यम मंगल तब होता है, जब मंगल शुभ ग्रहों के साथ बैठा हो और उस पर अशुभ ग्रहों की दृष्टि हो या इसका उल्टा हो।

-मंगल ग्रह के साथ कोई पापी ग्रह विराजमान हो या उस पर उन ग्रहों की दृष्टि हो तो वह कड़क मंगल या उच्च मांगलिक दोष भी कहा जाता है इसलिए, मंगल की स्थिति के अनुसार ही उपाय करने चाहिए।

लाल किताब के अनुसार मंगल दोष दूर करने के लिए करें ये उपाय

हनुमान जी की आराधना करने से मंगल दोष शांत हो जाता है। विशेषकर हर मंगलवार को हनुमान जी की उपासना करनी चाहिए और अगर संभव हो, तो हर मंगलवार को व्रत भी रखना चाहिए।

मंगलवार के दिन मसूर की दाल, गुड़ और मिश्री का दान किसी गरीब या जरुरतमंद इंसान को जरूर देना चाहिए।

मंगल दोष को शांत करने के लिए सफेद रंग का सुरमा आंखों में डालना चाहिए।

घर आए मेहमान को मीठा शरबत जरूर पिलाएं।

मंगल की शांति के लिए ये उपाय भी कारगर

-मंगल की शांति के लिए हर मंगलवार को वटवृक्ष की जड़ में मीठा दूध चढ़ाना चाहिए।

-चिड़ियों को चावल के दाने, बंदरों को गुड़-चना और कुत्ते को भोजन खिलाएं।

-मंगलवार के दिन एक किलो बताशे मंदिर में जाकर बांटे।

-गरीबों को अनाज, पानी और वस्त्र दान करें।

अगर कुंडली में है 10वीं राशि, तो ऊंची मंजिल पर रहना बदल सकता है किस्मत

ज्योतिष में हर राशि का एक खास असर होता है। कुछ राशियां जीवन के भावनात्मक पहलुओं से जुड़ी होती हैं, तो कुछ कर्म और ऊंचाई से। 10वीं राशि, यानी मकर राशि, एक ऐसी राशि है जो महत्वाकांक्षा, ऊंचाई और उपलब्धियों से जुड़ी मानी जाती है। अगर आपकी कुंडली में यह राशि खास जगह पर बैठी हो, तो यह आपके जीवन की दिशा तय करने में बड़ी भूमिका निभा सकती है।

यह खास तौर पर तब महत्वपूर्ण हो जाती है जब 10वीं राशि आपकी कुंडली के दूसरे या 11वें भाव में स्थित हो। ऐसा होना एक संकेत है कि आपका भाग्य ऊंचाइयों से जुड़ा है – न सिर्फ सोच में, बल्कि असल जीवन की स्थिति में भी। यही वजह है कि ऐसे लोगों को सलाह दी जाती है कि वे जमीन से ऊपर यानी ऊपरी मंजिलों पर अपने घर या ऑफिस बनवाएं।

ऊंची मंजिल पर रहना क्यों फायदेमंद है?

अगर आप किसी ऐसी बिल्डिंग में रहते हैं या काम करते हैं जो 20 या उससे ज़्यादा मंजिल की हो, तो आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि कौन सी मंजिल आपके लिए बेहतर हो सकती है। अगर आपकी कुंडली में 10वीं राशि दूसरे या ग्यारहवें घर में बैठी है, और आपने ग्राउंड फ्लोर या पहले फ्लोर पर घर या ऑफिस लिया हुआ है, तो आपको अपने प्रयासों का उतना फल नहीं मिलेगा जितना मिल सकता है।

लेकिन अगर इसी कुंडली में वही राशि है और आप टॉप फ्लोर या उससे एक-दो मंजिल नीचे यानी सेकंड टॉप फ्लोर पर रहते हैं या काम करते हैं, तो इसका असर बहुत सकारात्मक हो सकता है। ऐसा करने से आपको सामाजिक पहचान, आर्थिक स्थिति और मानसिक संतुलन में भी फायदा होता है।

यह असर क्यों पड़ता है?

ज्योतिष के अनुसार 10वीं राशि का गहरा संबंध 'ऊंचाई' और 'कर्म' से होता है। जब यह राशि आपकी कुंडली के ऐसे भावों में हो जो लाभ, धन और विस्तार से जुड़े होते हैं, तब इसका पूरा असर तभी मिलता है जब आप खुद को ऊंचे स्तर पर स्थित करते हैं – मानसिक, सामाजिक और भौतिक, तीनों रूप में।

जमीन से ऊपर की मंजिलों पर रहना या काम करना केवल वास्तु का हिस्सा नहीं है, यह आपके ग्रहों को भी बल देता है। यह आपके आत्मविश्वास, सोच और निर्णय लेने की क्षमता को भी बढ़ाता है।

किन्हें ध्यान रखना चाहिए?

-अगर आप नए घर या ऑफिस की तलाश में हैं, तो अपनी कुंडली की जांच ज़रूर करवाएं।

-अगर कुंडली में 10वीं राशि दूसरे या ग्यारहवें भाव में हो, तो ऊपरी मंजिलों को प्राथमिकता दें।

-बिल्डिंग के टॉप फ्लोर या उससे एक-दो मंजिल नीचे का चुनाव करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

पोछा में ना करें पति और बच्चों के कपड़ों का इस्तेमाल, इन दिनों साफ सफाई करने से बचें

इस समय भूलकर भी ना लगाएं पोछा

घर में पोछा कभी भी दोपहर 12 बजे के बाद या सूर्यास्त के समय भूलकर भी नहीं लगाना चाहिए। 12 बजे के बाद या सूर्यास्त के समय घर में पोछा लगाना अशुभ माना जाता है और इसका नकारात्मक प्रभाव घर के सभी सदस्यों पर भी पड़ता है। दोपहर के समय सूर्य अपने चरम पर होता है और इस समय पोछा लगाने से सौर ऊर्जा का पूरी तरह लाभ नहीं मिल पाता। सूर्यास्त के समय पोछा लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आने का भय बना रहता है।

इस शुभ तिथि पर ना लगाएं पोछा

सालभर में कुल 24 एकादशी आती हैं और मलमास लगने पर 26 एकादशी हो जाती हैं। एकादशी को उपासना और उपवास का दिन माना गया है। इस दिन शरीर और मन की पवित्रता को महत्व दिया जाता है। घर में बार-बार पोछा लगाने से मनोमय शरीर की ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। साथ ही इस दिन पोछा लगाने से धन की हानि का सामना करना पड़ता है और हर कार्य में अड़चन आना शुरू हो जाता है।

इस समय पोछा लगाना शुभ

घर में पोछा कभी भी सुबह सुबह ना लगाएं, ज्यादातर लोग ब्रह्म मुहूर्त में पोछा लगा देते हैं। घर में पोछा लगाने का सबसे सही समय सूर्योदय के बाद होता है। इस समय पोछा लगाने से रात भर में जो नकारात्मक ऊर्जा जमा होती है, वह बाहर निकल जाती है, जिससे घर साफ और शुद्ध हो जाता है। साथ ही घर में सुख-शांति और सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है।

ऐसे कपड़ों से ना लगाएं पोछा

ज्यादातर देखा होगा कि महिलाएं घर के सदस्यों के पुराने और फटे हुए कपड़ों को पोछा लगाने में प्रयोग करती हैं, जो कि अशुभ माना गया है। जो महिला अपने पति या बच्चों के पहने हुए कपड़े से पोछा लगता है, उनको धन और रोग समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही घर में दरिद्रता बनी रहती है इसलिए पोछा के लिए हमेशा अलग कपड़े का चयन करना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 18 जून - 2025

सूखने लगा पाक का हलक

पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों ने जब पहलगाम में हमले कर 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी उसने सपने में भी नहीं सोचा था कि इसका खामियाजा पाकिस्तान को प्यासा रह कर भुगतना पडेगा। भारत ने पाक के खिलाफ कडी कार्रवाई करते पाकिस्तान की ओर जाने वाले सिंधु नदी के पानी के बहाव को काफी हद तक कम कर दिया है। इससे पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में फसलों की बुआई पर तो असर पड़ ही रहा है, लोगों को प्यासे मरने की नौबत आ चुकी है। पानी की कमी से वहां के किसान परेशान हो गए हैं। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भी इस वक्त किसानों को मिलने वाले सिंधु के जल में पिछले साल के मुकाबले काफी कमी देखी जा रही है। इस समय खरीफ की बुआई का समय है और अगर समय पर यह पानी नहीं मिला तो फिर खेती पूरी तरह से चौपट होने की आशंका है। पाकिस्तान सरकार के इंडस रिवर सिस्टम अथॉरिटी की रिपोर्ट के अनुसार इस साल 16 जून को सिंधु नदी से सिंध प्रांत को 1.33 लाख क्यूसेक पानी मिला। पिछले साल इसी दिन 1.6 लाख क्यूसेक पानी मिला था। यानी इस साल लगभग 17% की कटौती की गई है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत को भी इस साल पिछली बार से थोड़ा कम पानी मिला है। इस साल उसे 1.26 लाख क्यूसेक पानी मिला है, जबकि पिछले साल 1.29 लाख क्यूसेक पानी मिला था। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में सिंधु नदी से जुड़ी नदियों और जलाशयों में कम पानी बचा है। खरीफ की फसलों की बुआई के समय में पानी की कमी किसानों के लिए मुसीबत बन गई है। मानसून आने में अभी कम से कम दो हफ्ते बाकी हैं, इसलिए स्थिति और खराब हो सकती है। सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद भारत ने पाकिस्तान को नदियों के जल स्तर की जानकारी देना भी बंद कर दिया है। जाहिर है इससे पाकिस्तान को बाढ़ की तैयारी करने में मुश्किल हो सकती है। अगर भारत में नदियों का जल स्तर बढ़ता है तो पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही निश्चित है। बता दें कि सिंधु जल संधि 1960 में हुई थी। कई तरह के तनावों के बाद भी दोनों देशों के बीच यह संधि बनी रही। लेकिन, 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए इसे निलंबित कर दिया। उक्त हमले में 26 लोग मारे गए थे। 1960 में विश्व बैंक ने इस संधि को कराने में मदद की थी। संधि के अनुसार, भारत को सिंधु नदी की तीन पूर्वी सहायक नदियों - रावी, ब्यास और सतलुज के जल पर पूरा अधिकार है। वहीं, पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों,सिंधु, झेलम और चिनाब से लगभग 135 मिलियन एकड़ फीट पानी मिलता रहा है। ये सभी नदियां भारत से पाकिस्तान की ओर बहती हैं। हालांकि पाकिस्तान ने भारत द्वारा संधि के निलंबन पर आपत्ति जताई है, लेकिन भारत का कहना है कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।' मतलब, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं करता, तब तक सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान के साथ साझा नहीं किया जा सकता। भारत के इस कठोर कदम से पाकिस्तान का हलक सूखने लगा है। वह किसी भी तरह पानी के लिए गुहार लगाने को तैयार है।

वाद-विवाद नहीं संवाद की ज़रूरत

हरीश शिवनानी

एक पखवाड़ा बीत चुका है जब हिंदी साहित्य जगत अपनी भाषा के महान लेखक की अंतिम यात्रा को लेकर अब भी वाद-विवाद के दायरे से बाहर नहीं निकल पाया है। हिंदी में प्रेमचंद की अंतिम यात्रा को लेकर जो परिदृश्य उपजा है, वो निराश करने वाला है। दुर्भाग्यपूर्ण तो यह भी है कि विवाद प्रेमचंद को लेकर एक नए तथ्य के संधान को लेकर हुआ है। शुरुआत हुई 30 मई को काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कवि-रंगकर्मी व्योमेश शुक्ल के साहित्यिक वेबपोर्टल 'हिंदवी' पर लिखे एक आलेख पर। 'मास्टर की अर्थी नहीं, आशिक का जनाज़ा था' शीर्षक के आलेख में शुक्ल ने हिंदी के महान उपन्यासकार-कथाकार प्रेमचंद की अंतिम यात्रा के संदर्भ में वाराणसी के शताधिक पुराने प्रतिष्ठित समाचार-पत्र 'आज' के नौ अक्टूबर 1936 में प्रकाशित एक समाचार 'स्वर्गीय प्रेमचंद जी-श्मशान पर साहित्यिकों की भीड़' के आधार पर यह तथ्य उद्घाटित किया कि प्रेमचंद की अंतिम यात्रा में 'बीस-पचीस आदमी' नहीं, 'साहित्यिकों की भीड़' थी। प्रेमचंद की अंतिम यात्रा को लेकर हिंदी जगत में गत नौ दशकों से यह बात स्थापित है कि उनकी शवयात्रा एक प्रतिष्ठित महान लेखक की तरह नहीं, बल्कि एक 'गुमनाम आदमी' की तरह निकली थी, जिसे देखकर राह चलते एक अनजान व्यक्ति ने किसी दूसरे से पूछा था- 'के रहल?' दूसरे ने ज़वाब दिया - 'कोई मास्टर था।' यह बात प्रेमचंद के बेटे अमृत राय ने अपने पिता की जीवनी 'क़लम का सिपाही' में लिखी है। इस बात को शुक्ल ने कुछ क्षुब्ध भाव से लिखा है- "..यह पता लगाना असंभव है कि अमृत राय ने ऐसा क्यों लिखा, लेकिन दैनिक 'आज' में 9 अक्टूबर 1936 को प्रकाशित ख़बर के आलोक में इतना बिल्कुल साफ़ है कि उन्होंने जो कुछ भी लिखा है वह अशिव, अशोभन और मिथ्या है। प्रेमचंद का पार्थिव शरीर 'गुमनाम आदमी' की लाश नहीं था।" इसे पढ़कर प्रेमचंद के वामपंथी धारा के अनेक आलोचकों-प्रशंसकों में उबाल आ गया। वे इस बात को स्वीकार करने को तैयार ही नहीं कि अमृत राय अपने पिता की अंतिम यात्रा के बारे ने कुछ गलत लिख सकते हैं। वे यह बात भी भूल जाते हैं कि अमृय राय ने यह बात नन्ददुलारे बाजपेयी की पुस्तक ' जयशंकर प्रसाद ' के एक अध्याय ' व्यक्ति की एक झलक' के आधार पर लिखी है। प्रेमचंद की मृत्यु के समय अमृत राय पंद्रह वर्ष के थे लेकिन जब उन्होंने 'क़लम का सिपाही' लिखी तब तक वे पूरी तरह से वामपंथी धारा में रंग कर वामपंथी लेखक-संपादक के रूप स्थापित हो चुके थे। हिंदी वामपंथी साहित्यिक समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो दुख का कारोबार करता है। वह बार-बार 'दुःख के दागों को तमगों सा पहना ' दोहराता रहता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अमृत राय ने अपने पिता प्रेमचंद की जीवनी लिखते हुए उनकी ऐसी छवि जानबूझकर गढ़ी थी? वे तो वहाँ मौजूद थे। फिर उन्होंने ऐसा क्यों लिखा? जब उनके सामने नंददुलारे वाजपेयी की किताब थी तो परिपूर्णानन्द की किताब 'बीती यादें' कैसे याद नहीं आई, जिसमें वे कहते हैं कि उनकी अंतिम यात्रा में वे स्वयं व कई अन्य लेखकों सहित शहर के सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित थे; पर सन 1962 तक परिपक्व वामपंथी हो चुके अमृत राय ने अपनी विचारधारा के अनुरूप जीवनीकार के रूप में इन बातों का भरसक ध्यान रखा है कि प्रेमचन्द की छवियों को अपने मुताबिक स्थापित करना है।

छात्रों को आखिर विदेश जाने की जरूरत ही क्यों पड़ती है

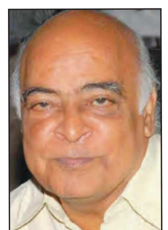
अशोक भाटिया

ईरान व यूक्रेन की जंग शुरू होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो लगातार तेजी से बढ़ते जा रहे हैं जिसमें ईरान में में फंसे भारतीय छात्र नरेंद्र मोदी सरकार से उन्हें रूसी बमों और यहां-वहां दागे जा रहे रॉकेटों के हमले से बचाने की गुहार लगा रहे हैं। जम्मू कश्मीर स्टूडेंट असोसिएशन के अनुसार तेहरान यूनिवर्सिटी के होस्टल में रविवार रात हमला हुआ व दो छात्र घायल हो गए । इस बीच ईरान में फंसे भारतीय छात्रों को वहां निकालने की कवायद भी शुरू हो गई है। भारत सरकार ने कहा है कि वह इन छात्रों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। ईरान में फिलहाल करीब 10 हजार भारतीय हैं, जिनमें 6000 छात्र हैं। इसमें से करीब 600 छात्रों को तेहरान से कौम की तरफ रीलोकेट किया जा चुका है। इसके अलावा 110 छात्र उर्मिया से आर्मेनिया सीमा की तरफ जा चुके हैं। इन लोगों को जल्द से जल्द वहां से निकाल लिया जाएगा। इधर, भारत में एक बार फिर इस पर बहस तेज हो गई है कि छात्रों के सामने किस तरह की समस्याएं पेश आती है—भारतीय शिक्षा प्रणाली को लेकर और यह भी कि छात्रों को आखिर विदेश जाने की जरूरत क्यों पड़ती है, खासकर चिकित्सा शिक्षा के लिए। बजट घोषणाओं पर एक वेबिनार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टिप्पणी की थी कि कैसे 'हमारे बच्चों को आज पढ़ने के लिए छोटे-छोटे देशों में जाना पड़ रहा है।' साथ ही उन्होंने निजी क्षेत्र से यह आग्रह भी किया कि छात्रों का बाहर जाना रोकने के लिए वो इस क्षेत्र में आगे आए। तो सवाल उठता है कि आखिर छात्र विदेश जाते क्यों हैं?इस बारे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति दिनेश सिंह कहते हैं, 'भारत में एक तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने वाली यूनिवर्सिटी की संख्या काफी कम है और जो हैं भी वहां प्रवेश मिलना काफी कठिन है।'एक विदेशी राष्ट्र में जीवन और मौत के संकट में फंसे और घरेलू मोर्चे पर शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाने वाले भारतीय छात्र, जिनमें तमाम की राय है कि इसका खर्च वहन कर पाना आसान नहीं है। कंसल्टेंसी फर्म रेडसीर ने 'विदेशों में उच्च शिक्षा' पर अपनी ताजा रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि 2024 तक विदेशों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों का आंकड़ा करीब 20 लाख के पार पहुंच गया है । रिपोर्ट में पाया गया कि यह संख्या लगातार बढ़ रही है।रिपोर्ट ने बताया गया है, 'हमारे शोध से पता चलता है कि मौजूदा समय में 7,70,000 भारतीय छात्र विदेशों में पढ़ रहे हैं और यह संख्या 2016 में 4,40,000 की तुलना में 20 प्रतिशत बढ़ी है। दूसरी ओर, विदेशों में शिक्षा की मांग की तुलना में घरेलू स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत रही है।'अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) से भी यही ट्रेंड सामने आता है। 2016-17 में उच्च शिक्षा के लिए नामांकित छात्रों की संख्या 35।7 मिलियन थी, जो 2019-20 में बढ़कर केवल 38।5 मिलियन हुई। भारतीय छात्रों का पढ़ाई के लिए विदेशों का रुख करना कोई नई बात नहीं है। कई दशकों से भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थानों के अभाव और मांग-आपूर्ति में अंतर की वजह से तमाम परिवार अपने बच्चों को विदेश भेजने के लिए बाध्य रहे हैं। हालांकि, हाल के दो घटनाक्रमों— कोविड-19 महामारी और यूक्रेन और रूस के बीच जंग— ने इससे जुड़े एक अलग ही पहलू को उजागर किया है।दोनों घटनाक्रम के बीच जब फंसे छात्रों ने मदद के लिए गुहार लगाई तो पहला सवाल तो यही उठाया गया कि उन्हें उन जगहों पर जाने की जरूरत ही क्या थी। 'वे भारत में क्यों नहीं पढ़ सकते?' 1990 के दशक में, और उससे पहले भी भारत के अधिकांश छात्र अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे अंग्रेजी-भाषी देशों में जाते थे। ऑस्ट्रेलिया एक बिल्कुल नया गंतव्य स्थल है, जो पिछले 15 वर्षों में खासा लोकप्रिय हुआ है। उस समय, धनी परिवार अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजते थे क्योंकि इसे एक स्टेटस सिंबल माना जाता था। आईवी लीग यूनिवर्सिटीज को लेकर खासा उत्साह रहता था और इन यूनिवर्सिटी से हासिल की गई डिग्री कहीं भी नौकरी मांगने जाते समय आपके सीवी को और भी ज्यादा प्रभावशाली बना देती थी। मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्र तभी विदेश जा पाते थे जब वे स्कॉलरशिप हासिल करने में सक्षम हो पाएं। हालांकि, अब दो कारणों से परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है— एक तो लोन आदि की सुविधाओं के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा पाना ज्यादा सुलभ हो गया है, दूसरे गंतव्य स्थलों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। यूरोप और मध्य पूर्व के तमाम गैर-अंग्रेजी भाषी देश भी संभावित छात्रों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी के पूर्व महासचिव फुरकान कमर— जो राजस्थान यूनिवर्सिटी और हिमाचल प्रदेश की सेंट्रल यूनिवर्सिटी में कुलपति भी रह चुके हैं— कहते हैं, 'छात्रों के रूस, यूक्रेन, ईरान और चीन जाने के कारण एकदम स्पष्ट है— वे मेडिकल सीटों की मांग और आपूर्ति में अंतर के कारण वहां का रुख करते हैं। वे एक विदेशी यूनिवर्सिटी से बेहतर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं और फिर वहां पर कमाई करके अपनी पढ़ाई पर हुए खर्च की भरपाई भी करना चाहते हैं।'भारत में निजी और सार्वजनिक संस्थानों में महज 80,000 के करीब मेडिकल सीटें हैं और हर साल लगभग सात लाख छात्र राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पास करते हैं।

पढ़ाई पर होने वाला खर्च भी छात्रों के छोटे देशों की तरफ रुख करने का एक बड़ा कारण है। अमेरिका में मेडिसिन की पढ़ाई के लिए किसी छात्र को सालाना 18 लाख से 30 लाख रुपये के बीच खर्च करना पड़ता है। ब्रिटेन में, लीसेस्टर यूनिवर्सिटी जैसे एक अच्छे मेडिकल संस्थान में पढ़ाई के लिए विदेशी छात्रों को पहले दो वर्षों के लिए करीब 23 लाख रुपये से अधिक का शुल्क चुकाना होता है।दूसरी तरफ, यूक्रेन, चीन, रूस, जॉर्जिया जैसे देशों में मेडिकल डिग्री के लिए समान सुविधाओं के साथ पूरे कोर्स पर 17 लाख रुपये से 45 लाख रुपये के बीच खर्च पड़ता है, यही वजह है कि ये देश भारतीय छात्रों के लिए एक पसंदीदा जगह बने हुए हैं। यद्यपि, भारत में इंजीनियरिंग की शिक्षा की गुणवत्ता पिछले कुछ सालों में जबरदस्त तरीके से सुधरी है लेकिन चिकित्सा शिक्षा के मामले में स्थिति जस की तस बनी हुई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) को छोड़कर, देश में इस समय इंजीनियरिंग कॉलेजों में 23 लाख से अधिक सीटें हैं। लेकिन मेडिकल एजुकेशन और प्रबंधन, फार्मेसी, आर्किटेक्चर जैसे अन्य विशिष्ट क्षेत्रों के मामले में स्थित ऐसी नहीं है। पिछले पांच सालों में प्रबंधन से जुड़ी सीटों की संख्या 3 से 4 लाख के बीच रही है। दरअसल, भारत में अधिकांश यूनिवर्सिटी में बीकॉम, बीएससी और बीए जैसे सामान्य प्रोग्राम ही उपलब्ध होते हैं। एआईएसएचई के 2019-20 के आंकड़े बताते हैं, भारत में 1,043 यूनिवर्सिटी हैं। इनमें से 522 सामान्य, 177 तकनीकी, 63 कृषि और इससे संबद्ध, 66 मेडिकल, 23 विधि, 12 संस्कृत और 11 लैंग्वेज यूनिवर्सिटी हैं। अन्य 145 यूनिवर्सिटी 'अन्य की श्रेणी' में आती हैं जबकि शेष 24 के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।ऑस्ट्रेलिया की एक यूनिवर्सिटी से खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे मानस गंगवानी बताते है, 'मुझे हमेशा से खेल प्रबंधन में रूचि थी, लेकिन भारत में कोई भी यूनिवर्सिटी इस विषय में उपयुक्त डिग्री प्रदान नहीं करती है इसलिए मुझे विदेश में विकल्प तलाशना पड़ा।'दिनेश सिंह ने कहा, 'हम मैथ्स ऑनर्स और संस्कृत ऑनर्स जैसे पाठ्यक्रम चलाते हैं, जिसमें हम संबंधित विषय से जुड़ी बेसिक जानकारी ही देते हैं। इससे छात्रों की रोजगार क्षमता घट जाती है क्योंकि उनके पास कोई विशिष्ट कौशल नहीं होता है। ऐसे में जो लोग खर्च वहन कर सकते हैं, वे या तो मास्टर डिग्री के लिए आवेदन करते हैं या फिर विदेश से स्नातक की डिग्री हासिल करते हैं।'कनाडा में एमबीए कर रहे सिद्धांत शुक्ला को भी लगता है कि किसी भारतीय यूनिवर्सिटी से उन्हें वह सब नहीं मिल सकता था जो कनाडाई यूनिवर्सिटी में मिला है। उन्होंने कहा, 'मैं एमबीए के बाद कनाडा में बसना चाहता हूं। मैं एक बेहतर जीवन चाहता हूं और जो कड़ी मेहनत कर रहा हूं उसके बदले में बेहतर भुगतान की अपेक्षा रखता हूं।

खतरे में 'लोकतंत्र' की 'लोकध्वनि'

सुरेश गांधी

छोटे समाचारपत्रों को सरकारी विज्ञापनों में लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। डीएवीपी और राज्य सरकारों की विज्ञापन नीति इतनी कठोर होती जा रही है कि छोटे अखबारों को उसमें जगह मिलना लगभग असंभव है। इससे न सिर्फ उनकी आर्थिक रीढ़ टूट रही है, बल्कि स्थानीय पत्रकारों के लिए रोज़गार के अवसर भी खत्म होते जा रहे हैं। जबकि बड़े मीडिया संस्थान बाज़ार और ब्रांड की प्रतिस्पर्धा में सच्चाई से समझौता कर रहे हैं, तब छोटे समाचारपत्रों की स्वतंत्रता और निर्भीकता लोकतंत्र के लिए उम्मीद की किरण थी। अब जब वही बुझ रही है, तो यह न सिर्फ पत्रकारिता का संकट है, बल्कि लोकतंत्र का भी। देखा जाएं तो छोटे अखबार न डिजिटल परिवर्तन के साथ कदम मिला पा रहे हैं, न पाठकों को नई तकनीक के साथ जोड़ पा रहे हैं। न उनके पास वेबसाइट्स हैं, न सोशल मीडिया की प्रभावी पहुंच। ऊपर से कागज, प्रिंटिंग, और वितरण लागत में बेतहाशा वृद्धि। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है आखिर वे टिकें तो कैसे? क्या अब भी बचाया जा सकता है यह स्वर? बिलकुल! अगर सरकार छोटे समाचारपत्रों के लिए विशेष विज्ञापन नीति बनाए, डिजिटल बदलाव के लिए प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग दे, और पत्रकार सुरक्षा अधिनियम जैसी योजनाएं लागू करे तो यह परंपरा फिर से फल-फूल सकती है। अब भी उस मिट्टी की स्याही में गांव-गिरांव की सच्चाई बया कर सकते हैं. वैसे भी जब लोकतंत्र की बात होती है तो संसद, न्यायालय और मंत्रालय के साथ एक चौथा स्तंभ भी याद आता है, पत्रकारिता। लेकिन आज इस स्तंभ की सबसे नींव की ईंटें, यानी छोटे समाचारपत्र और आंचलिक पत्रकार, गुमनामी और संकट के गर्त में समा रहे हैं। गांव, कस्बे और तहसील स्तर पर वर्षों से समाज की धड़कन बने ये अखबार अब इतिहास की किताबों में दर्ज होने के कगार पर हैं। उत्तर प्रदेश में ही सरकार द्वारा जारी विज्ञापनों का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा बड़े मीडिया घरानों को मिल रहा है। वहीं छोटे अखबार, जो गांवों में सच की रिपोर्टिंग कर रहे हैं, वे या तो प्रशासन के दरवाजे खटखटाते हैं या प्रिंटिंग ही बंद कर देते हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2023-24 में सरकारी विज्ञापनों का मात्र 3.8 फीसदी ही छोटे समाचारपत्रों को मिला। जबकि 2019 से लेकर अब तक अखबारी कागज़ की कीमत में 45 फीसदी तक बढ़ोतरी हो चुकी है। ऐसे में एक ओर लागत आसमान छू रही है, दूसरी ओर विज्ञापन और सब्सक्रिप्शन दोनों दम तोड़ रहे हैं। वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, बलिया, भदोही और सोनभद्र जैसे ज़िलों में सैंकड़ों छोटे अखबार या तो बंद हो चुके हैं या अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद में हैं। खास यह है कि सरकार और विज्ञापनदाता अब डिजिटल उपस्थिति मांगते हैं, वेबसाइट, ऐप, रील्स, यूजर एनालिटिक्स! लेकिन एक गांव का छोटा रिपोर्टर, जिसकी आय महीने में 3000 भी नहीं है, वो यह सब कैसे जुटाए? स्थानीय पत्रकारों के लिए डिजिटल युग अवसर नहीं, एक नई चुनौती बन गया है। अनेक जिलों में छोटे पत्रकारों पर हमले होते हैं, उन्हें धमकियां मिलती हैं, लेकिन कोई मान्यता नहीं, न बीमा, न कानूनी सहारा. परिणाम यह है कि भदोही, गाजीपुर, चंदौली और प्रतापगढ़ सहित पूरे पूर्वांचल व यूपी में हुए पत्रकार हमलों की आज तक न्यायिक सुनवाई तक नहीं हो पाई। यह संकट केवल एक उद्योग का नहीं, बल्कि सूचना और लोकतंत्र की बुनियाद का है। ऐसे में छोटे अखबारों को डिजिटल और आर्थिक सहायता, विज्ञापन नीति में संशोधन, पत्रकार सुरक्षा अधिनियम, हर जिले में मीडिया सहयोग केंद्र के लिए सरकार को पहल करनी होगी। अगर समय रहते सरकार और समाज नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियां सिर्फ बड़े शहरों की आवाज़ ही पढ़ेंगी, गांव की नहीं। क्योंकि छोटे अखबारों का संघर्ष, महज एक आर्थिक कहानी नहीं है, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक आत्मा का सवाल है जो न किसी चैनल की हेडलाइन बनती है, न सरकार की प्राथमिकता। मतलब साफ है जब गांव की खबर नहीं बचेगी, तब गांव भी इतिहास बन जाएगा।"काशी पत्रिका", "जनधारा", "पूर्वांचल प्रहरी", "कुशीनगर केसरी", "मऊ संदेश", "सुलतानपुर दर्शन" जैसे नाम कभी लोगों की ज़ुबान पर होते थे। ये वो अख़बार थे जिनमें न कलम बिकती थी, न खबरें। लेकिन आज यही छोटे अख़बार जीविका, मान्यता, और सम्मान क् तीनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन पत्रों के पास न बड़े प्रेस थे, न स्टूडियो, न टीवी चैनलों जैसी टीम। लेकिन इनकी रिपोर्टिंग में वो "धरती की गंध" थी जो लोगों को जोड़ती थी। वाराणसी में 1970 दशक के, जो कभी गांडीव अखबार के चीफ रिपोर्टर, 2007 से 2010 तक उत्तर प्रदेश जनर्लिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष व 2002 से 2004 तक मान्यता समिति के सदस्य व आज के पूर्वांचल आजकल अखबार के संपादक डॉ. राधारमण चित्रांसी उस दौर को याद करते हैं, "हमने साइकिल से गांवों में जाकर खबरें इकट्ठा कीं, पन्ने अपने हाथ से सेट किए, और छपवाकर अख़बार बांटे। लेकिन आज उसी मेहनत को मान्यता नहीं मिलती।" जहां तक छोटे अखबारों का सवाल है तो धर्म एवं आस्था की नगरी काशी में कभी बनारस, काशीवाणी व संसार जैसे समाचार पत्रो की तूजी बोलती थी, लेकिन आज वो गुमनामी के शिकार हो गए है। उत्तर प्रदेश सूचना विभाग की डीजीआई लिस्ट में अधिकांश छोटे पत्र अब शामिल नहीं हैं। मान्यता के लिए जरूरी शर्तें (5 हज़ार प्रतियों की प्रसार संख्या, रजिस्ट्रेशन, प्रेस में मुद्रण) ऐसे पत्रों को बाहर कर देती हैं जो गाँवों में 2-3 हज़ार की सीमा में सीमित हैं।वर्ष 2023 में राज्य सरकार के कुल विज्ञापन बजट 325 करोड़ में से मात्र 3 फीसदी ही आंचलिक पत्रों को मिले, जबकि यही पत्र ग्रामीण जनता तक सीधा संवाद स्थापित करते हैं। माना कि डिजिटल मीडिया के जमाने में लोग तेज़ खबरें चाहते हैं, लेकिन "तेज़" हमेशा "सटीक" नहीं होती। बड़े मीडिया हाउस राजनीति और मेट्रो केंद्रित हो गए हैं। जबकि छोटे अख़बार आज भी यह बताने की ताकत रखते हैं कि किस ब्लॉक में कितनी राशन की चोरी हुई, किस पटवारी ने रिश्वत ली, और किस गाँव में बच्चियों को स्कूल नहीं जाने दिया जा रहा। खास यह है कि इन पत्रों के पत्रकारों को न पीएफ मिलता है, न पहचान पत्र से सुरक्षा।

खतरनाक कौन मच्छर या नेता

डॉ टी महादेव राव

"भैया ! मच्छर या मशक मनुष्य के खून को किस तरह पीते हैं, आप को मालूम है?" "चमड़े पर बैठते हैं फिर अपने सुई सी सूंड काटते हैं और खून पी जाते हैं।" "वह तो ठीक है। लेकिन वे काटने के लिए मनुष्य को किस तरह से पहचानते हैं मालूम?" "अरे क्या यार! सुबह-सुबह मच्छरों के नाम पर आक्रमण करना शुरू कर दिया! शायद गंध के कारण पहचानते होंगे।" "न भैया न ! केवल गंध से पहचान कर खून पी रहे हैं, अगर ऐसा सोचते हैं, तो गलत है। वे अपने लिए भोजन देते मनुष्य के अस्तित्व को पहचानने का तरीका अद्भुत है, अद्वितीय है. हम जो उसाँस छोड़ते हैं - कार्बन डाइऑक्साइड, उसके आधार पर उनको पता लगता है कि हां यहां मनुष्य है। इसका कुछ खून पिया जाना चाहिए।" "ऐसा सोचते हैं, तो फिर क्या?" "अरे भैया इतनी आसानी से मत निकाल दो इन सबको। अगर हम जैसे बुद्धिमान व्यक्ति चालाक बनकर मच्छरों से बचना चाहें और अगर सांस रोकें भी तो, उनकी मार से नहीं बच सकते। क्योंकि हमारे पसीने में जो गंध है उसके आधार हम पर हमला कर देते हैं।" "अगर हम अपने पसीने की गंध से बचने इत्र लगा लें तो?" "फिर भी कोई फायदा नहीं। यह हमारे शरीर के तापमान के आधार पर भी हमें पहचान लेते हैं। मच्छर कुछ रंगों को पहचानते हैं और कुछ रंगों को शायद नहीं पहचानते।" "सबसे पहले तुम अपने दिमाग से उन मच्छरों को हटाओ और कोई नई बात अगर हो तो बताओ।" "वहीं आ रहा हूं भैया! मच्छरों के स्वभाव को, उनके सहज गुणों को अगर हम पता लगाएं तो उन्हें किस तरह से धोखा दिया जा सकता है मालूम तो होगा। वही कि जिन रंगों को पहचानते हैं, उनके अलावा जिन रंगों को वो नहीं पहचानते हैं - वैसे कपड़े पहनें तो, मच्छरों से बच सकते हैं।" "हाँ! तुम्हारी बातों में दम अब लग रहा है।" "वह सब तो ठीक है। लेकिन हमारे राजनीति के धुरंधर नेताओं के लक्षण क्या हैं, यह हमें कई दशकों से पता चला है। फिर भी हम उनके हाथों से बच नहीं पा रहे हैं, क्यों? हमारे वोट से जीत कर हमारी पीठ पर छुरा भोंकने वाले को हम पूरी तरह क्यों नहीं पहचान पा रहे हैं? वह कितना भी दुष्ट क्यों न हो, एक मौका दे दो भैया कहते ही हम अपना सब कुछ वोट के जरिये उसके हाथ में सौंप रहे हैं। उसके बाद देखो मेरे भैया! पाँच साल तक वह हमें मच्छर की तरह काटता है, खून की आखिरी बूंद तक स्ट्रॉ डाले चूसते ही रहता है। ऐसा क्यों हो रहा है?" "क्योंकि उन्हें हमारी कमजोरियों का अच्छी तरह से पता है, इसलिए।" "भैया! आप भी न! अगर नेताओं को सबक सिखाना है तो अपने वोट से उनके सिर के बाल हम झिंझोड़ सकते हैं कि नहीं?" "उसके लिए पाँच साल रुकना पड़ेगा न। इस बीच तुझे गुड दिखा कर ढेला मारने वाले नेताओं की इस देश में कोई कमी नहीं है।" "जिस तरह मच्छर खून पीते हैं, उसी तरह हमारे भविष्य को निगलने वाले इस तरह के नेताओं को वोट न देने का, हम सबको शपथ लेना होगा भैया!" "अभी तो तू ऐसा ही कहेगा। नेताओं से मिलने वाले हरे-हरे नोट, दारू, बिरयानी तुम्हारी बुद्धि भ्रष्ट कर रहे हैं कि नहीं।

स्वतंत्रता की पहली शहीद - रानी लक्ष्मीबाई

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

18 जून 1858 — वह तारीख जब भारत की धरती ने न केवल एक रानी को खोया, बल्कि एक ऐसी क्रांति की ज्वाला को वीरगति प्राप्त करते देखा, जिसने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव को हिलाकर रख दिया। ग्वालियर के रणक्षेत्र में, अपने पुत्र को पीठ पर बांधे, तलवार से दुश्मनों को चीरती हुई रानी लक्ष्मीबाई ने न केवल युद्ध लड़ा, बल्कि स्वतंत्रता की उस अग्नि को प्रज्वलित किया, जो आज भी हर भारतीय के हृदय में धधकती है। वह पल केवल एक योद्धा का अंत नहीं था, वह इतिहास के स्वर्णिम पन्नों पर अमर होने वाली एक अनुपम गाथा का प्रारंभ था। रानी लक्ष्मीबाई की गाथा — साहस, बलिदान और स्वाभिमान की गाथा। रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 1828 को वाराणसी में हुआ। बचपन में 'मनु' कहलाने वाली यह बालिका साधारण नहीं थी। घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्धकला में निपुण मनु ने बचपन से ही यह सिद्ध कर दिया था कि वह नारीत्व की पारंपरिक परिभाषाओं को तोड़ने के लिए जन्मी है। उनके पिता मोरोपंत तांबे और माता भागीरथी बाई ने उन्हें न केवल संस्कार दिए, बल्कि स्वतंत्र चेतना और साहस का वह बीज बोया, जो आगे चलकर झांसी की रानी के रूप में अंकुरित हुआ। विवाह के पश्चात झांसी के राजा गंगर राव की रानी बनने के बाद, लक्ष्मीबाई ने अपने प्रशासनिक कौशल और प्रजा-प्रेम से झांसी को समृद्ध किया। किंतु, नियति ने उनके लिए एक कठिन मार्ग चुना। 1853 में राजा गंगाधर राव के निधन और उनके दत्तक पुत्र दामोदर राव को उत्तराधिकारी मानने से अंग्रेजों के इंकार ने झांसी के लिए संकट ला खड़ा किया। ब्रिटिश सरकार ने 'डॉक्टिन ऑफ लैप्स' के तहत झांसी को अपने साम्राज्य में मिलाने की साजिश रची। उस समय रानी लक्ष्मीबाई का वह ऐतिहासिक कथन -मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी- केवल एक प्रतिज्ञा नहीं थी, यह अन्याय के विरुद्ध उठा एक ऐसा स्वर था, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी बना। यह वाक्य न केवल झांसी की रक्षा का संकल्प था, बल्कि समूचे भारत के स्वाभिमान की हुंकार था। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भारत के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ था, और रानी लक्ष्मीबाई इस क्रांति की प्रखर नायिका के रूप में उभरीं। उन्होंने न केवल झांसी की रक्षा के लिए सेना को संगठित किया, बल्कि महिलाओं को युद्धकला में प्रशिक्षित कर एक नया इतिहास रचा। झलकारी बाई, सुंदर-मुंदर जैसी वीरांगनाएं उनकी प्रेरणा से रणभूमि में उतरीं और अंग्रेजों के दांत खट्टे किए। रानी का युद्ध-कौशल और रणनीति इतनी प्रभावशाली थी कि ब्रिटिश सेनानायक ह्यू रोज़ ने स्वयं उनकी प्रशंसा की। झांसी के किले की रक्षा में रानी ने जिस अदम्य साहस का परिचय दिया, वह किसी भी सैन्य इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। जब झांसी का किला अंग्रेजों के हाथों में चला गया, तब भी रानी ने हार नहीं मानी। अपने पुत्र को पीठ पर बांध, घोड़े पर सवार होकर वह काल्पी पहुंचीं। वहां से तात्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने ग्वालियर पर कब्जा कर लिया। ग्वालियर में रानी ने न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया, बल्कि अपनी कूटनीतिक सूझबूझ से क्रांति को नई दिशा दी। किंतु अंग्रेजों ने कोटा की सराय में उन्हें घेर लिया। 18 जून 1858 को, मात्र 29 वर्ष की आयु में, रानी लक्ष्मी ने अपने अंतिम युद्ध में बलिदान दे दिया। कहा जाता है कि वह अंत तक लड़ीं, और अपनी तलवार की धार से दुश्मनों को पीछे धकेलती रहीं। उनकी मृत्यु एक देह का अंत नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा का जन्म था, जो आज भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नींव में बस्ती है। रानी लक्ष्मीबाई का जीवन केवल युद्ध की कहानी नहीं, यह नेतृत्व, आत्मबल और रणनीति का एक जीवंत पाठ है। एक युवा रानी, जिसने राजनीतिक कूटनीति, प्रशासनिक कौशल और सैन्य संगठन को अपने साहसिक निर्णयों से जोड़ा, वह केवल रणभूमि की नायिका नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जागरण की अग्रदूत थीं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता किसी जाति, वर्ग या लिंग की बपौती नहीं, बल्कि हर उस आत्मा का अधिकार है, जो अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस रखती है। उनकी ज्वाला ने न केवल 1857 की क्रांति को प्रेरित किया, बल्कि महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के हृदय में स्वतंत्रता की चिंगारी जलाई। रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि पर उन्हें स्मरण करना केवल एक रस्म नहीं, बल्कि एक आत्ममंथन है। क्या हम उस स्वतंत्रता के सच्चे उत्तराधिकारी हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी? उनका जीवन हमें सिखाता है कि स्वाधीनता कोई उपहार नहीं, बल्कि तप, त्याग और संघर्ष से अर्जित किया जाने वाला अधिकार है। उन्होंने भारतीय नारी की उस शक्ति को प्रदर्शित किया, जो जब जागती है, तो साम्राज्यों को भस्म कर सकती है। उनकी तलवार की चमक आज भी इतिहास के पन्नों से झांकती है, उनकी आवाज आज भी हर उस आत्मा को पुकारती है, जो स्वाभिमान के लिए जीती है। रानी लक्ष्मीबाई चली गईं, पर वे अमर हो गईं।

नए कोरोना-वैरिएंट से पहली मौत

लंग्स से जुड़ी 2 बीमारी थी, कोविड ने कॉमप्लिकेशन बढ़ाए, रोज 5 नए मरीज मिल रहे

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सोमवार को कोविड के नए वैरिएंट जेएन.1 से पहली मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक मृतक व्यक्ति राजनांदगांव का रहने वाला था। पिछले कई समय से वो मेडिकल प्रॉब्लम फेस कर रहा था। रूटीन डायलिसिस के लिए रायपुर के एक निजी हॉस्पिटल में आया हुआ था। डॉक्टरों को कोविड के सिम्टम्स दिखे तो जांच हुई।

जांच रिपोर्ट में पेशेंट कोविड पॉजिटिव आया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ओवरऑल अब तक प्रदेश में कोविड के 118 मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 42 पिछले पांच दिनों में मिले हैं। सोमवार को दस नए मरीज मिले हैं। इनमें रायपुर के 3, बिलासपुर के 3, दुर्ग के 2 और सरगुजा-महासमुंद से एक-एक मरीज शामिल हैं।

हालांकि एक्टिव मरीजों की संख्या 51 है, वहीं 66 रिकवर हो चुके हैं। इनमें 41 होम आइसोलेशन में हैं। 9 ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, वहीं 1 मरीज आईसीयू में है। प्रदेश में 24 मई को प्रदेश में पहला कोविड पेशेंट रायपुर में मिला था। 23 दिन में आंकड़ा सैकड़ा का अंक पार गया है। इस लिहाज से प्रदेश में रोज 5 मरीज मिल रहे हैं।

अच्छी बात ये है कि 3 मरीज रोज ठीक भी हो रहे हैं। कुछ और डेथ कैलकुलेशन करें तो जो डिजिट सामने आते हैं उसके मुताबिक कोविड की डेली ग्रोथ रेट 23.1% है, वहीं रिकवरी रेट 56.41% है। यानी रिकवरी रेट +33% हैं। इस लिहाज से अगले 10 दिनों का प्रोजेक्शन सेट करें तो प्रदेश में कोविड मरीजों की संख्या 167 हो जाएगी। लेकिन इनमें 96 रिकवर भी हो चुके होंगे।

हालांकि पहली मौत के बाद प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। शासकीय जिला अस्पतालों और दूसरे हेल्थ सेंटर्स में टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल सभी तरह के स्टाफ की ट्रेनिंग भी शुरू कर दी गई है। इस महीने कोविड के सबसे ज्यादा मरीज बीते शुक्रवार यानी 6 मई को मिले थे। एक ही दिन में रायपुर में 11, बिलासपुर में 5 और बालोद में 1 मरीज के साथ कुल 17 मरीज मिले थे। नया वैरिएंट आने के बाद से ये एक दिन में सबसे बड़ा आंकड़ा था।

सैंपल कलेक्शन से लेकर कोविड मरीज के इलाज तक की ट्रेनिंग स्टाफ को दी जा रही है। साथ ही इमरजेंसी सिचुएशन से निपटने के लिए मॉकड्रिल भी कराई गई है। ओवर ऑल बात करें तो प्रदेश में अब तक रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बालोद, बस्तर, सरगुजा महासमंद और बेमेतरा समेत कुल 9 जिलों में कोविड के पेशेंट मिल चुके हैं।

मेकाहारा के डॉ. आर के पांडा के मुताबिक, ज्यादातर मरीज होम क्वारंटाइन में ही ठीक हो जा रहे हैं, लेकिन उन मरीजों को ज्यादा खतरा है, जिन्हें पहले से दूसरी या एक से ज्यादा बीमारियां हैं।

डीजीपी अनुराग गुप्ता पर सीएम हेमंत कार्रवाई क्यों नहीं करते

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल ने सरकार पर लगाए आरोप, बोले- सिपाहियों तक की ट्रांसफर-पोस्टिंग में हो रही लेन-देन

रांची, 17 जून (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, हेमंत सोरेन सरकार की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल खड़े करते रहे हैं। ताजा मामला गृह विभाग द्वारा डीजीपी कार्यालय से स्पष्टीकरण मांगे जाने से जुड़ा हुआ है। दरअसल पुलिस मुख्यालय द्वारा हाल ही में आठ आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। जिस पर गृह विभाग ने कड़ी आपत्ति जताई है।

गृह विभाग ने इस आदेश को नियमविरुद्ध करार देते हुए रद्द कर दिया है। विभाग ने डीजीपी कार्यालय से इस पर स्पष्टीकरण मांगा है।

इसी मुद्दे को लेकर भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि डीजीपी अनुराग गुप्ता अब न अखिल भारतीय सेवा में हैं, ना सस्पेंड हो सकते हैं, ना उनपर कोई विभागीय कार्रवाई लागू होती है। ना तो उन्हें वेतन मिल रहा है कि मुख्यमंत्री उनका वेतन रोक सकते हैं। लेकिन पुलिस विभाग के

सारे तुगलकी आदेश वही दे रहे हैं। सिपाहियों तक की ट्रांसफ़र-पोस्टिंग कैसे ले-देकर हो रही है? पता कर लीजिये। कोई नहीं बताये तो हमें कॉल करिएगा, विस्तार से सब बता देंगे। उन्होंने कहा स्पष्टीकरण किससे मांग रहे हैं? बाबूलाल मरांडी ने अपने X अकाउंट पर लिखा यह बात आपको कैसे समझ में नहीं आ रही मुख्यमंत्री जी? आपकी की चुप्पी और बेबसी क्या दर्शाती है? या तो आपको पता नहीं, या आप पूरी तरह अयोग्य हैं। या फिर आपको सब पता है कि इस हालात के लिये आप स्वयं दोषी हैं। यह कौन नहीं जानता है कि झारखंड के कुछ बेलगाम अफसर अब संविधान से नहीं, सत्ता के साथ 'नेटवर्क' से चलते हैं।

गृह विभाग ने डीजीपी को भेजे गए पत्र में कहा है कि यह स्पष्ट किया जाए कि किन परिस्थितियों में इन अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। साथ ही, इसमें कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2010 में जारी संकल्प का भी हवाला दिया गया है। संकल्प के अनुसार, अखिल भारतीय सेवा के पदाधिकारियों की अल्प अवधि के लिए मुख्यालय से अनुपस्थिति की स्थिति में ऑप्शनल व्यवस्था के तहत अधिकतम एक माह के लिए अतिरिक्त प्रभार देने का निर्णय मुख्य सचिव स्तर से लिया जा सकता है। वहीं, एक माह से अधिक की अवधि के लिए प्रभार सौंपने के लिए मुख्यमंत्री की स्वीकृति अनिवार्य है। लेकिन, 10 जून को पुलिस मुख्यालय, रांची से जारी आदेश में बिना सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के आठ आईपीएस को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। गृह विभाग ने इसे प्रक्रियात्मक त्रुटि मानते हुए निर्देश दिया है कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो। इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस आदेश के बाद अतिरिक्त प्रभार दिए गए आठ आईपीएस अफसरों को पहले की ही स्थिति में काम करना होगा। जबतक उचित प्रक्रिया के तहत नए आदेश जारी नहीं हो जाते हैं।

बाबूलाल मरांडी के आरोपों पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने तीखा पलटवार किया है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यदि बाबूलाल के पास ट्रांसफर-पोस्टिंग में लेन-देन की इतनी जानकारी है, तो वे यह भी बता दें कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने क्या किया था?

देवघर में श्रावणी मेला की तैयारियां हुई तेज

देवघर, 17 जून (एजेंसियां)। देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में इस वर्ष श्रावणी मेला 11 जुलाई से शुरू होगा। श्रावण महीने के दौरान देशभर से लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालु बिहार के सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेकर 100 किलोमीटर पैदल चलकर देवघर पहुंचते हैं। कांवरियों की इस आस्था यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए झारखंड-बिहार सीमा पर स्थित दुम्मा बॉर्डर पर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। यहां विशाल टेंट लगाए जा रहे हैं, जहां विश्राम स्थल, शौचालय और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालु धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल का अनुभव कर सकें।

दुम्मा बॉर्डर से लेकर बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक कई स्थानों पर ऐसे ही टेंट लगाए जाएंगे। दुम्मा से खजुरिया तक की सड़क पर मखमली बालू बिछाई जाएगी, जिससे कांवरियों को नंगे पांव चलने में कठिनाई न हो। तेज गर्मी को देखते हुए जगह-जगह 'इंद्र वर्षा' यानी कृत्रिम फव्वारों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि कांवरियों को ठंडक मिल सके और वे आरामदायक ढंग से यात्रा पूरी कर सकें।

झारखंड सरकार के पर्यटन मंत्री सुदिव्य सोनू ने श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर अब तक देवघर में दो बार बैठक की है। प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। राज्य सरकार का निर्देश है कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो और उनकी आस्था की इस यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित और सुगम बनाया जाए।

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन गडकरी 19 जून को नहीं करेंगे

अब 3 जुलाई को पीएम मोदी के हाथों होगा लोकार्पण

रांची, 17 जून (एजेंसियां)। रांची के रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन अब 3 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पहले यह उद्घाटन 19 जून को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी करने वाले थे। इस फ्लाईओवर के खुलने से लगभग एक लाख लोगों को ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलेगा। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने यह जानकारी दी।

संजय सेठ ने बताया कि केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की व्यस्तता के कारण इसके लोकार्पण की तिथि में परिवर्तन किया गया है। अब सभी लोग 3 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इस ऐतिहासिक सौगात के साक्षी बनेंगे।

इस 3.57 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के नाम को लेकर भी चर्चा हो रही है। कांग्रेस और जेएमएम ने अपनी इच्छा जाहिर की है। कांग्रेस विधायक राजेश

कच्छप ने मांग की है कि फ्लाईओवर का नाम पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर रखा जाए। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी इसका समर्थन किया है। दोनों पार्टियों का कहना है कि शिबू सोरेन राज्य की पहचान हैं। इसलिए फ्लाईओवर का नाम उनके नाम पर होना चाहिए।

इससे पहले सिरमटोली से मेकॉन तक जाने वाले फ्लाईओवर का उद्घाटन हुआ था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उसका नाम कार्तिक उरांव के नाम पर रखा था। अब रांची के इस नए फ्लाईओवर का नाम शिबू सोरेन के नाम पर रखने की मांग हो रही है।

संजय सेठ ने सोमवार को रातू रोड फ्लाईओवर का निरीक्षण किया था. उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पिलरों पर तिरंगे के रंग की लाइटिंग की जाए। लाइटें लगाने का काम शुरू हो चुका है।

सीआई के घर डकैती: 20 नकाबपोश बदमाशों ने 30 मिनट मचाया उत्पात

रिश्तेदार को किया घायल, जेवर व रुपए ले भागे

पाकुड़, 17 जून (एजेंसियां)। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के लडडू बाबू आम बगान के पास स्थित प्रभारी अंचल निरीक्षक शिवाशीष वात्सयान के घर नकाबपोश अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है।

अपराधी जब लूटपाट मचा रहे थे तब अंचल निरीक्षक घर पर नहीं थे। जानकारी के मुताबिक करीब 20 नकाबपोश बदमाशों ने घर में लगभग 30 मिनट तक जम कर हंगामा मचाया। इसके बाद वे लगभग 5 से 7 लाख रुपए के जेवर और घर में रखे नगदी लूट ले गए।

पीड़ित परिवार की ओर से बताया कि अपराधी आम बगीचे की तरफ से घर पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले घर के बाहर खड़े शिवाशीष के रिश्तेदार आदित्य कुमार को बुलाया। बदमाशों ने धारदार हथियार से आदित्य के सिर पर वार किया, जिससे वह घायल हो गए।

इसके बाद बदमाश घर में घुस गए। उन्होंने शिवाशीष की पत्नी और अन्य रिश्तेदारों को एक कमरे में बंद कर दिया। बदमाशों ने घर में रखे नगद रुपए और सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए। साथ ही घर में रखा कई सामान भी तोड़ दिया।

घटना को लेकर अंचल निरीक्षक शिवाशीष ने बताया कि बदमाशों ने घर में घुसकर मेरी पत्नी से 5 से 7 लाख रुपए के जेवर और घर में रखे नगदी लूट ली है।वहीं सभी का मोबाइल भी लुटेरे के द्वारा ले लिया गया था। भागते समय घर के बाहर मोबाइल को फेंक दिया गया था। उन्होंने बताया कि सभी लुटेरों के चेहरे ढके हुए थे।

वहीं घटना में घायल आदित्य कुमार के द्वारा बताया गया कि मैं घर के बाहर खड़ा था तभी लगभग 20 लोग अचानक वहां आए और मुझे बुलाया। वहां पहुंचा तो वे लोग मेरे सर पर वार कर दिया जिससे मैं घायल हो गया।

लुटेरों के जाने के बाद मची अफरा-तफरी की आवाज सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। मामले की सूचना नगर थाने को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। वहीं घटना के बाद लोगों में दहशत देखी गई।

आज सुबह घटना की सूचना मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी अंचल अधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू भी पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पाकुड़ एसपी निधि द्विवेदी, पाकुड़ एसडीपीओ दयानंद आजाद, नगर थाना प्रभारी प्रयागराज अंचल निरीक्षक के घर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। एसपी निधि द्विवेदी के द्वारा मौके पर थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं निधि द्विवेदी के द्वारा बताया गया कि डकैती की घटना हुई है और कुछ इनपुट प्राप्त हुए हैं।

झारखंड में मानसून ने दी दस्तक, कई जिलों में बारिश

17 से 20 जून तक भारी से भारी बारिश का अलर्ट, आंधी-पानी और आकाशीय बिजली की चेतावनी

रांची, 17 जून (एजेंसियां)। झारखंड में तपती गर्मी और उमस से परेशान लोगों को मानसून बड़ी राहत देने जा रहा है। मौसम विभाग ने 17 जून से 20 जून तक राज्य के विभिन्न जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। इस दौरान मेघ गर्जन, वज्रपात और 40-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी दी गई है। इधर सुबह से ही राज्य के अधिकांश हिस्से में बादल छाए हुए हैं। जमशेदपुर, जामताड़ा, हजारीबाग जैसे जिलों में बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने 18 और 19 जून को ऑरेंज अलर्ट, जबकि 17 और 20 जून को यलो अलर्ट जारी किया है। 21 जून को भी गरज-चमक और बारिश की संभावना जताई गई है।

इधर सोमवार को संथाल

परगना के जामताड़ा सहित गुमला, सिमडेगा जैसे जिलों में बारिश हुई। बारिश की फुहार ने यहां लोगों को गर्मी से राहत दी। रांची में भी देर शाम बादल छाए और हल्की बारिश हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक, 17 जून यानी आज प्रदेश के लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, रामगढ़, रांची, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों में वज्रपात और तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। हवाओं की रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। इन इलाकों में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। 18 जून को कोडरमा, हजारीबाग, गिरिडीह और बोकारो जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

चंद्राकर बोले- घुसपैठिए कांग्रेस के लिए वोट बैंक

कहा- ये देश को बेच सकते हैं, भूपेश बोले- छत्तीसगढ़ में कितने बांग्लादेशी-पाकिस्तानी, बताए सरकार

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। शनिवार को रायपुर से बांग्लादेशी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। घुसपैठ के मुद्दे को लेकर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भारतीय जनता पार्टी के सीनियर विधायक अजय चंद्राकर आमने-सामने हैं।

अजय चंद्राकर ने भारत और छत्तीसगढ़ में इस तरह की घुसपैठ को लेकर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने घुसपैठ के मामलों में भाजपा सरकार के कामकाज पर सवाल खड़े किए हैं। अजय चंद्राकर ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस के शासनकाल में और तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में जनसंख्या का संतुलन बिगड़ गया। इसमें असम, पश्चिम बंगाल यह प्रमुख राज्य है, जहां से घुसपैठ हुई।

अब यह देशभर में फैल रहे हैं। लोग कागजात बनाकर रह रहे हैं। प्रशासन को जनता को यह बताना चाहिए कि यह कागजात किसके कार्यकाल में किस अधिकारी ने बनाए।

घुसपैठ करके जनसंख्या का असंतुलन पैदा करना कांग्रेस के लिए वोट बैंक जैसा है, उनके लिए ये राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं है। अभी जिस तरह की सरकार बांग्लादेश-पाकिस्तान में है, घुसपैठ एक बड़ी समस्या है। लेकिन कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के लिए वोट बैंक के समान है। इसलिए उनके बयानों पर कोई भरोसा नहीं किया जा सकता, यह देश बेच सकते हैं।

बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अभी तक घुसपैठ का खूब आरोप लगाया। अब सवाल यह है कि कितने बांग्लादेशी, कितने रोहिंग्या रह रहे हैं, कितने पाकिस्तानी रह रहे हैं, छत्तीसगढ़ में सरकार अब तक इसका जवाब नहीं दे पाई है। मैंने विधानसभा में इसे लेकर प्रश्न भी किया था, लेकिन अब तक सरकार ने इसका जवाब नहीं दिया है।

बता दें कि रायपुर में जिस बांग्लादेशी दंपती को पुलिस ने पकड़ा वे फर्जी डॉक्यूमेंट की मदद से 16 साल से यहां रहे रहे थे। उन्होंने पड़ोसियों तक को शक नहीं होने दिया, हर बार वे खुद को पश्चिम बंगाल का बताते रहे।

इंजेक्शन लगाने के आधे घंटे बाद नवजात की मौत

कवर्धा, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिला अस्पताल में टीकाकरण के कुछ ही घंटों बाद तीन दिन के नवजात की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। प्रशासन और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार, पंडरिया का रहने वाला आशीष निर्मलकर अपनी पत्नी को बच्चे की डिलीवरी के लिए शुक्रवार को कवर्धा जिला अस्पताल लाया था। बताया जा रहा है कि, महिला की शादी के सात साल हो चुके थे। इसके बाद ये उनकी पहली संतान थी।

डॉक्टरों ने महिला को अस्पताल में भर्ती किया। अगले दिन शुक्रवार को दिनभर बीतने के बाद दोपहर में डॉक्टरों ने आशीष से कहा, उसकी पत्नी को बच्चा नॉर्मल नहीं होगा। ऑपरेशन करना होगा।

डॉक्टरों के कहने पर आशीष और उसके घरवाले ऑपरेशन से बच्चे की डिलीवरी के लिए तैयार हो गए। शनिवार दोपहर 3 बजकर 9 मिनट पर आशीष की पत्नी ने ऑपरेशन से एक बच्चे को जन्म दिया। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ थे।

रविवार बीतने के बाद सोमवार की सुबह अस्पताल परिसर में ही बच्चे का नियमित टीकाकरण किया गया। वैक्सीन लगते ही नवजात बच्चा बेहोश हो गया और उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। बच्चे का शरीर नीले पड़ गया था। परिजनों ने तुरंत इसकी जानकारी डॉक्टरों को दी, जिसके बाद नवजात को आईसीयू में भर्ती किया गया, लेकिन आधे घंटे बाद डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टर की अनुपस्थिति में नर्स ने कराया प्रसव, मां-बच्चे की मौत

कोरबा, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में प्रसव के दौरान मां और बच्चे दोनों की मौत हो गई। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर स्थित भटगांव में रहने वाले पहाड़ी कोरवा समुदाय के एक परिवार को 11 साल बाद संतान की प्राप्ति होने वाली थी। लेकिन डॉक्टर की अनुपस्थिति में हुए प्रसव के दौरान मां और बच्चे दोनों की मौत हो गई। मामला बालको थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है अजगर बहार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर मौजूद नहीं थे। मृतका के पति ने बताया कि वहां केवल एक महिला कर्मचारी थी, जो संभवतः स्टाफ नर्स रही होगी, उसने प्रसव कराया था, बच्चा होते समय ठीक था। प्रसव के दौरान मंघई बाई (गर्भवती) बार-बार बेहोश हो रही थीं। उन्होंने मृत बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद मंघई बाई की हालत और बिगड़ने लगी। महिला कर्मचारी ने उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया। संजीवनी एक्सप्रेस के आने से पहले ही मंघई बाई ने भी दम तोड़ दिया।

मंघई बाई अमर सिंह की पत्नी है। 16 जून को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर महतारी एक्सप्रेस के जरिए उन्हें स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था। वहां एक नर्स थी। बच्चा होते समय ठीक था लेकिन बाद में मृत बता दिए। घटना के बाद अमर सिंह अपनी पत्नी और नवजात शिशु के शव को घर लेकर पहुंचे। परिवार में मातम छा गया। विशेष जनजाति श्रेणी में आने वाले इस पहाड़ी कोरवा परिवार को 11 साल बाद मिलने वाली खुशी मातम में बदल गई।

सांड ने महिला को पटककर मार-डाला

गरियाबंद में 2 सांडों को लड़ते देख भागी, उसी तरफ दौड़ पड़े, पेट-सीने में गंभीर चोटें आईं

गरियाबंद, 17 जून (एजेंसियां)। गरियाबंद जिले में सांड के हमले से एक महिला की मौत हो गई। मैनपुर ब्लॉक के ग्राम सारनाबहाल में रविवार (15 जून) को बीच रास्ते में 2 सांड लड़ रहे थे। तभी महिला वहीं से गुजर रही थी। उसी वक्त एक सांड महिला की तरफ दौड़ गया और उसे पटककर मार डाला। घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि हमले के बाद पीलाबुडू (35) सड़क पर फेंका गई। पेट और सीने में गहरी चोट आने के कारण मौके पर ही महिला ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है, घटना महिला के घर के पास की ही है, वह सामान लेने दुकान गई थी और लौट रही थी। सड़क पर मवेशियों को लड़ते देखा तो तेजी से भागने की कोशिश की तभी एक सांड ने हमला कर दिया। वहां और भी लोग बच्चे मौजूद थे, वे स्थिति को देखते हुए सेफ जगह चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सांड के अटैक से महिला के पेट और सीने में गंभीर चोटें आई हैं, जिससे वहीं पर वह बेसुध होकर गिर पड़ी थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने उसे तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमलीपदर पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, पीलाबुडू की शादी 7 साल पहले हुई थी।

बोलेरो-बाइक की भिड़ंत, एक की मौत

रामगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के पतरातू में बावनधारा खटाल के पास बोलेरो और बाइक की सीधी भिड़ंत हुई। हादसे में होंडा सीबी होर्नेट बाइक पर सवार रोहन करमाली (19) की मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथी आदर्श उरांव (15) को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू ले जाया गया। दोनों युवक रंका चोरधारा भदानी नगर ओपी के रहने वाले थे। वे कटिया मंडा पूजा से अपने घर लौट रहे थे। बोलेरो और बाइक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पतरातू पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया।

सोनम रघुवंशी से आगे निकली गढ़वा की सुनीता

पति नापसंद था तो खाने में जहर मिलाकर मार डाला, नवविवाहिता हिरासत में

गढ़वा, 17 जून (एजेंसियां)। सोनम रघुवंशी इन दिनों मीडिया की सुर्खियों में है। सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल होने का आरोप है। वहीं अब झारखंड के गढ़वा जिले में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। युवक के परिजनों ने उसकी नवविवाहिता पर खाने में जहर मिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है।

दरअसल, गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र के बाहों कुंदर गांव में 22 वर्षीय बुद्धनाथ सिंह की 11 मई को शादी हुई थी। बुद्धनाथ की शादी छत्तीसगढ़ के रामचंद्रपुर थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव निवासी रघुनाथ सिंह की बेटी सुनीता से हुई थी। बताया जाता है कि सुनीता को बुद्धनाथ पहली नजर में पसंद नहीं आया। शादी के अगले ही दिन सुनीता मायके चली गई। युवक के परिजनों और ससुराल के लोगों ने इस शादी को बनाए रखने का पूरा प्रयास किया। दोनों पक्षों के बीच पंचायती भी हुई। इसके बाद सुनीता को मायके से बुद्धनाथ विदाई करवाकर अपने घर ले आया। शनिवार को दोनों पति-पत्नी बाजार गए। सुनीता के कहने पर बुद्धनाथ ने कीटनाशक दवा खरीदा। सुनीता ने कहा कि फसलों में लग रहे कीड़े को मारने के लिए दवा की जरूरत है। उस वक्त बुद्धनाथ को कहां पता था कि जो कीटनाशक वह खरीद रहा है,उसी से उसकी हत्या कर दी जाएगी।

युवक के परिजनों का आरोप है कि सुनीता ने रविवार को अपने पति के खाने में नजर मिला दिया। रात में वो खाना खाकर सो गया। सुबह नहीं उठने पर मां ने पुत्र को घर में मृत पाया। तब उसने इसकी जानकारी गांववालों को दी।

वहीं ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तृतक की पत्नी सुनीता देवी को हिरासत में ले लिया। बुद्धनाथ की मां राजमती का कहना है कि उसके बेटे की हत्या उसकी बहू ने की है। बहू कभी भी उसके बेटे के साथ रहना नहीं चाहती थी। समाज और परिवार के दबाव से वो ससुराल आ गई थी।

सिंधु समझौता- पाकिस्तान में चिनाब का पानी 92% घटा

डेड लेवल से नीचे जाने की कगार पर नदी का स्तर, 40% फसल बर्बाद होने का खतरा

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। भारत ने पहलगाम हमले के दूसरे दिन 24 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोक दिया था। अब पाकिस्तान में इसका असर दिखने लगा है।

पाकिस्तान में चिनाब नदी का फ्लो 92% तक घट चुका है। नदी में 29 मई को वाटर फ्लो 98 हजार 200 क्यूसेक था। अब यह घटकर सिर्फ 7200 क्यूसेक रह गया है।

पानी का स्तर 3000 क्यूसेक यानी 'डेड लेवल' से भी नीचे जा सकता है। पंजाब और सिंध प्रांत के 6.5 करोड़ किसान सिंचाई के लिए चिनाब पर निर्भर हैं।

पानी की कमी के चलते यहां की 40% से ज्यादा फसल बर्बाद होने की कगार पर हैं। सिंधु पर बने तारबेला बांध और झेलम पर बने मंगला बांध में भी पानी की बहुत कमी है।

इस वजह से पाकिस्तान का कृषि मंत्रालय मान चुका है कि इस बार खरीफ सीजन हाल के इतिहास का सबसे खराब हो सकता है।

पानी की कमी के चलते पाकिस्तान सरकार और सेना के

खिलाफ किसान संगठनों में गुस्सा है। पाकिस्तान किसान इत्तिहाद (पीकेआई) ने चेतावनी दी है कि हालात नहीं सुधरे तो किसान इस्लामाबाद कूच करेंगे।

पीकेआई का दावा है कि पानी की कमी से सिर्फ गेहूं की फसल में 2200 अरब रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। यह कुल कृषि जीडीपी का 23.15% है। पानी की परेशानी दूर नहीं हुई, तो यह नुकसान साल के आखिर तक 4500 अरब रुपए तक पहुंच सकता है।

पाकिस्तान के अहम बांधों की हालत बेहद खराब है। तारबेला और मंगला बांध करीब आधे खाली हो चुके हैं। दुनिया के सातवें सबसे बड़े बांध मंगला में अब 27 लाख एकड़-फुट पानी बचा है। इसकी कुल क्षमता 59 लाख एकड़-फुट है।

वहीं, तारबेला में सिर्फ 60 लाख एकड़-फुट (कुल क्षमता 116 लाख एकड़-फुट) पानी बचा है। अगर पानी की सप्लाई इसी तरह कम होती रही, तो अब तक जमा पानी का 50% हिस्सा भी खत्म हो जाएगा।

ग्रीन पाकिस्तान प्रोजेक्ट के तहत बहावलपुर जैसे रेगिस्तानी इलाकों को नहरों से जोड़ा जाना है, लेकिन किसान नेता कहते हैं कि इससे देश के दक्षिणी हिस्सों में पानी घटेगा।

सिंध के किसान नेता मूसा अली का कहना है कि 'ग्रीन पाकिस्तान' सरकारी षड्यंत्र है। कई किसान संगठन मार्च में इसके खिलाफ धरना दे चुके हैं।

पीकेआई अध्यक्ष खालिद महमूद खोकहर का कहना है कि बर्बाद फसलें कर्ज बढ़ा रही हैं। इसके चलते लाखों किसान भूखे मरने की कगार पर हैं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के किसान नेता अहमद शरीफ ने कहा कि अब पानी की समस्या नेशनल इमरजेंसी बन गई है। इसके चलते राशन की कीमतें अभी से आसमान छू रही हैं। सिंधु जल समझौता बहाल करने को लेकर पाकिस्तान भारत को अब तक चार चिट्ठियां भेज चुका है।

चारों चिट्ठियां पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा ने भारत के जल शक्ति मंत्रालय को भेजी थीं। इसके बाद मंत्रालय ने उन्हें विदेश मंत्रालय (एमईए) को भेज दिया।

415 करोड़ का मुआवजा घोटाला

एसडीएम सस्पेंड, 7 कर्मचारियों पर एफआईआर के आदेश, आरटीआई के तहत हुआ था खुलासा

रायगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के बजरमुड़ा गांव में 415 करोड़ का मुआवजा घोटाला सामने आया है। इस घोटाले के मुख्य आरोपी तत्कालीन एसडीएम अशोक मार्बल को राज्य सरकार ने सस्पेंड कर दिया है। साथ ही मुआवजा घोटाले में शामिल तहसीलदार, आरआई, पटवारी समेत अलग-अलग विभागों के 7 कर्मचारियों पर एफआईआर करने के आदेश दिए गए हैं। सीएसपीजीसीएल को आबंटित कोल ब्लॉक गारे पेलमा सेक्टर-3 के बजरमुड़ा गांव में भू-अर्जन में यह घोटला किया गया। बताया जा रहा है कि 5 गांव जिसमें मिलूपारा, करवाही, खम्हरिया, ढोलनारा और बजरमुड़ा में 449.166 हेक्टेयर भूमि लीज में स्वीकृत की गई।

इसके बाद प्रभावित लोगों को मुआवजे के लिए राशि का आकलन प्रकरण एसडीएम घरघोड़ा अशोक मार्बल को प्रकरण दिया गया। प्रकरण में आगे की प्रक्रिया शुरू की गई।

इजराइल ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की

न्यूज चैनल की बिल्डिंग पर बम गिराए, लाइव शो कर रही एंकर बाल-बाल बची

तेहरान/तेल अवीव, 17 जून (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में नेशनल टीवी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) की बिल्डिंग पर बम गिराए। घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई।

घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें एंकर को स्टूडियो से भागते हुए देखा गया। उसके पीछे की स्क्रीन काली हो गई। स्टूडियो मलबे और धुएं से भर गया। एक शख्स अल्लाहु अकबर कहते सुनाई दिया।

इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने X पर ईरान पर हमले का एक और वीडियो जारी किया। कैप्शन में बताया कि आज सुबह से इजराइली एयरफोर्स ने मिसाइल लान्चर्स से लदे कई ट्रकों को निशाना बनाया, जो तेहरान की तरफ जा रहे थे। इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया था। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। 14 जून को इजराइली सेना ने रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। पिछले चार दिनों के दौरान ईरान में 224 लोग इजराइली हमलों से मारे गए हैं। 1,277 से ज्यादा घायल हैं। अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों की मौत का दावा किया है।

ईरान के हमले में आज 8 इजराइलियों की मौत

ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। सोमवार सुबह ईरानी सेना ने सेंट्रल इजराइल में कई जगहों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं।

पिछले 4 दिनों के दौरान इजराइल में ईरान का यह सबसे बड़ा हमला है। ईरानी हमलों से इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

इस्लामाबाद के कातिल, अमेरिका में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भारी बेइज्जती

पाकिस्तानी ही कर रहे पानी-पानी

वॉशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर को अमेरिका में भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर को अमेरिका दौरे के दौरान उस समय भारी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब दर्जनों पाकिस्तानी प्रवासियों ने वॉशिंगटन की सड़कों पर उनके खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनकारियों ने उन्हें खुलेआम इस्लामाबाद के कातिल और पाकिस्तानियों के कातिल कहकर नारेबाजी की है। असीम मुनीर जहां भी जा रहे हैं, उनके खिलाफ नारेबाजी हो रही है। आपको बता दें कि जनरल असीम मुनीर का अमेरिका दौरा क्यों हो रहा है, इसकी जानकारी पाकिस्तान ने नहीं दी है। लेकिन जैसे ही उनका काफिला राजधानी वॉशिंगटन में एक होटल के के बाहर पहुंचा, वहां पहले से जुटे प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी शुरू कर दी।

वॉशिंगटन में नाराज पाकिस्तानियों ने असीम मुनीर को 'इस्लामाबाद और पाकिस्तान का कातिल' कहना शुरू कर दिया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने 'हमें तानाशाही नहीं लोकतंत्र' चाहिए जैसे नारे भी लगाए हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि जनरल असीम मुनीर की निगरानी में पाकिस्तान एक सैन्य राज्य बन चुका है और जनता की आवाज को सेना दबा रही है। प्रदर्शनकारियों की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह इमरान खान हैं, जिन्हें असीम मुनीर और नवाज शरीफ की सरकार ने कई महीनों से जेल में बंद कर रखा है।

अमेरिका में पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर

आपको बता दें कि पिछले कई दिनों से ये रिपोर्ट आ रही थी कि अमेरिका ने अपनी सेना दिवस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ को भी न्योता भेजा है। लेकिन हाइट हाउस ने उन रिपोर्टों का खंडन कर दिया, जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख जनरल असीम मुनीर को वाशिंगटन डी.सी. में सैन्य परेड में आमंत्रित किया गया था।

वाइट हाउस के एक अधिकारी ने इस दावे से जुड़े विवाद पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह झूठ है। किसी भी विदेशी सैन्य नेता को आमंत्रित नहीं किया गया था। लेकिन अब पता चल रहा है कि असीम मुनीर, ट्रंप प्रशासन के न्योते पर नहीं, बल्कि प्रवासी पाकिस्तानियों से मिलने के लिए अमेरिका गये हैं। इसके अलावा एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें साजिद तरार दिखाई दे रहे हैं, जो पहले मोदी सरकार की बहुत तारीफें करते थे।

ट्रम्प से डील के पन्ने गिरे, ब्रिटिश पीएम ने उठाए

अमेरिकी राष्ट्रपति कनाडा का फ्लैग कोट पर लगाकर पहुंचे, मेलोनी हुईं शॉक्ड

अल्बर्टा, 17 जून (एजेंसियां)। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कननास्किस में जी7 समिट की शुरुआत हो गई है। पहले दिन वन-टु-वन वार्ता, राउंड टेबल मीटिंग और फैमिली फोटो सेशन हुआ। एक मीटिंग में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की बात पर इटली पीएम मेलोनी का शॉकिंग रिएक्शन देखने को मिला।

डोनाल्ड ट्रम्प से ब्रिटेन के साथ हुई बिजनेस डील की फाइल के पन्ने जमीन पर गिर गए, जिन्हें ब्रिटिश पीएम ने उठाया।

'माउंट डूम' को तबाह करने के लिए इजरायल उतारेगा कमांडो?

चट्टान के 90 मीटर नीचे है 'किला', खत्म होगा ईरानी न्यूक्लियर ड्रीम

तेल अवीव/तेहरान, 17 जून (एजेंसियां)। ईरान की परमाणु शक्ति को अगर पूरी तरह से खत्म करना है तो इजरायल ऐसा सिर्फ बमबारी करके नहीं कर सकता है। ईरान की परमाणु बम बनाने की तमाम संभावनाओं को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए इजरायल को दुनिया का सबसे दुस्साहसिक मिशन चलाना होगा, वो भी एक पहाड़ के नीचे बने एक गुप्त परमाणु संयंत्र में। हालांकि इजरायल के बंकर बस्टर बमों ने नतांज और इस्फहान में प्रमुख यूरेनियम संवर्धन और रूपांतरण स्थलों को नुकसान पहुंचाया है, जिसकी परमाणु ऊर्जा निगरानीकर्ताओं ने पुष्टि की है। लेकिन इतने भर से ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता पूरी तरह से खत्म नहीं होगी। ईरान का सबसे गुप्त और संरक्षित न्यूक्लियर प्लांट फोर्डो फ्यूल इनरिचमेंट प्लांट राजधानी तेहरान से 125 मील दूर एक पहाड़ के नीचे करीब 300 फीट गहराई में बना हुआ है, जिसे ध्वस्त करना इजरायल का सबसे बड़ा मकसद

है। इस बीच इजरायली सेना का कहना है कि उसने तेहरान पर हमला करके खतम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रमुख अली शादमानी की हत्या कर दी है।

इजरायल ने शादमानी को ईरान का सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर और ईरानी सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का सबसे करीबी व्यक्ति बताया। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम की संभावनाओं से इनकार कर दिया है और कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन से पहले निकलते हुए उन्होंने कहा है कि 'कुछ बड़ा होने वाला है।' माना जा रहा है कि फोर्डो न्यूक्लियर प्लांट पर अमेरिका अपने बी-52 बॉम्बर्स से जीबीयू-57ए/बी एमओपी (मासिव आरडेनेंस पेनेट्राटर) बम गिरा सकता है, जो एक विनाशक बंकर बस्टर है, जो 60 फीट के करीब पहाड़ को ध्वस्त कर सकता है। लेकिन इसके बाद भी पूरी तरह से इस प्लांट को तबाह करने के लिए कमांडो ऑपरेशन चलाने की जरूरत होगा।

पिछले हफ्ते ही रिपोर्ट आई थी कि इजरायल के कम से कम 10 हजार कमांडो ईरान में उतर सकते हैं और फोर्डो प्लांट को न्यूट्रल करने का अभियान चला सकते हैं। कमांडो ऑपरेशन आसानी से चल सके, इसीलिए इजरायल फिलहाल ईरानी एयरफोर्स समेत ईरानी सेना के खतरे को खत्म करने में लगा है। फोर्डो न्यूक्लियर प्लांट को आमतौर पर ईरान क माउंट धूम के रूप में जाना जा रहा है, क्योंकि यह इतना सुरक्षित है कि इसे नष्ट करना किसी भी आधुनिक वायुसेना या कमांडो बल के लिए लगभग असंभव माना जाता है। यह ठिकाना कम-से-कम 90 मीटर मोटी चट्टानों के नीचे बना हुआ है और इसे रूसी एस-300 एयर डिफेंस सिस्टम और भारी सैन्य उपस्थिति से ईरान ने सुरक्षित किया हुआ है। दावा किया जाता है कि इस संयंत्र में अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम (यू-235) का उत्पादन होता है, जो परमाणु बम निर्माण के लिए बेहद अहम है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने भी पुष्टि की है कि फोर्डो अब तक इजरायली हमलों से सुरक्षित है।

चीन हर साल 100 नए परमाणु हथियार बना रहा

न्यूक्लियर वॉरहेड की संख्या 600 पहुंची

बीजिंग, 17 जून (एजेंसियां)। दुनिया के 9 परमाणु हथियार संपन्न देश अपनी न्यूक्लियर ताकत लगातार बढ़ा रहे हैं। सबसे तेज रफ्तार से यह काम चीन कर रहा है, जिसने हर साल औसतन 100 नए वॉरहेड अपने जखीरे में जोड़े हैं।

अब उसके पास कम से कम 600 परमाणु वॉरहेड हो चुके हैं। ये जानकारी स्वीडन स्थित थिंक टैंक एसआईपीआरआई (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की ताजा रिपोर्ट में दी गई है।

एसआईपीआरआई की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के अलावा अमेरिका, रूस, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देश भी अपने न्यूक्लियर हथियारों को आधुनिक बना रहे हैं।

भारत के पास फिलहाल 180 परमाणु वॉरहेड हैं। 2023 में यह संख्या 172 थी। यानी भारत ने भी अपनी क्षमता में मामूली इजाफा किया है। एसआईपीआरआई का मानना है कि भारत अब कैनिस्टराइज्ड मिसाइल टेक्नोलॉजी विकसित कर रहा है। इससे मिसाइलें युद्ध की स्थिति से पहले भी तैनात की जा सकती हैं।

ब्रिटेन की अदालत में बोला भगोड़ा मेहुल चोकसी- भारत सरकार ने 2021 में रची थी मेरे अपहरण की साजिश

लंदन, 17 जून (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी कारोबारी मेहुल चोकसी ने भारत सरकार और पांच अन्य व्यक्तियों के खिलाफ लंदन की हाईकोर्ट में मुकदमा दायर किया है। चोकसी ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार ने मई 2021 में उनके अपहरण, शारीरिक उत्पीड़न और जबरन भारत ले जाने की साजिश रची थी।

भारत सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया और राज्य प्रतिरक्षा (स्टेट इम्युनिटी) के आधार पर ब्रिटेन के क्षेत्राधिकार पर आपत्ति जताई है। भारत ने कोर्ट से यह भी आग्रह किया है कि भारतीय कानून और संविधान विशेषज्ञों की राय भी इस मामले में सुनी जाए। जस्टिस फ्रीडमैन के समक्ष सोमवार को सुनवाई के दौरान चोकसी ने दावा किया कि मई 3021 में उसे प्रताड़ित किया गया और यह सभ भारत सरकार की सुनियोजित अपहरण करने की योजना का हिस्सा था। वहीं, भारत सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे पेश हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि चोकसी के ये आरोप एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हैं और इनका असली मकसद भारत की छवि को नुकसान पहुंचाना और चोकसी को प्रत्यर्पण से बचाना है।

चोकसी के वकील एडवर्ड फिट्जगेराल्ड ने दावा किया कि एंटीगुआ में पांच लोगों ने मिलकर उन पर हमला किया और उन्हें जबरन डोमिनिका ले जाया गया, ताकि उन्हें भारत भेजा जा सके। चोकसी के अनुसार, यह एक साजिश थी, जिसमें उनके साथ मारपीट की गई और उनकी आजादी का उल्लंघन किया गया।

फिलहाल चोकसी बेल्जियम में हिरासत में है और भारत प्रत्यर्पण से बचने की कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। वहीं, उसके भतीजे नीरव मोदी भी भारत में कई गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है। वह अभी भी लंदन की जेल में है, जहां उसकी कई जमानत याचिकाओं को अदालत ने खारिज किया है। भारत में नीरव मोदी के खिलाफ तीन आपराधिक मामले चल रहे हैं – एक भारतीय स्टेट बैंक (सीबीआई) में धोखाधड़ी का मामला, दूसरा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का धनशोधन मामला और तीसरा गवाहों और सबूतों को प्रभावित करने से जुड़ा मामला।

जलवायु परिवर्तन पर बड़ा खुलासा

अध्ययन में दावा- ग्रहीय तरंगों से पड़ रही भीषण गर्मी, आ रही बाढ़

वॉशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन को लेकर एक अध्ययन में बड़ा खुलासा हुआ है। अध्ययन में कहा गया है कि ग्रहीय तरंगें बीते 75 वर्षों में बढ़कर तीन गुना हो गई हैं। ये ग्रहीय तरंगे भीषण गर्मी से जुड़ी होती हैं। इन तरंगों की वजह से ही मौसम विशेषज्ञों के अनुमान अक्सर फेल हो जाते हैं और हीट वेव, सूखा और बाढ़ की घटनाओं में तेजी आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 1950 में धरती पर गर्मी के मौसम में औसतन एक बार ग्रहीय तरंगे चलतीं थी, लेकिन अब ये बढ़कर तीन हो गई हैं।

रिपोर्ट में पिछली आपदाओं का किया गया जिक्र

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2021 में उत्तर पश्चिम प्रशांत महासागर इलाके में जो हीटवेव चली थी, रूस में साल 2010 में जो हीटवेव और पाकिस्तान में बाढ़ आई थी और साल 2003 में यूरोप में जो हीटवेव आई थी, उसकी वजह ये ग्रहीय तरंगे ही थीं।

ग्रहीय तरंगे पृथ्वी पर हमेशा बहती रहती हैं, लेकिन कई बार वे बहुत ताकतवर और मजबूत हो जाती हैं। खासकर पहाड़ी इलाकों और घाटियों में ये ज्यादा ताकतवर और लहरदार हो जाती हैं। इस अवस्था में जब ये तरंगे किसी जगह फंस जाती हैं और वहां एक हफ्ते या ज्यादा समय तक रहती हैं तो इनके असर से वहां या तो बहुत तेज गर्मी या हीटवेव चलेगी या फिर वहां कई दिनों तक बहुत बारिश होगी, जिससे बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाएंगे। अध्ययन में पता चला है कि अब जलवायु परिवर्तन के चलते यह अक्सर होने लगा है। इसमें जीवाश्म ईंधन के जलने, आर्कटिक के गर्म होने से तेजी आई है।

जलवायु वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि दुनिया का तापमान बढ़ने पर इन ग्रहीय तरंगों में और तेजी आएगी। जिससे गर्मी, सूखा और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ेंगी। इन ग्रहीय तरंगों को रोकने का उपाय ग्रीन हाउस गैसों का कम उत्सर्जन है।

ससुर ने प्रेग्नेंट बहू को मारकर बाड़ी में दफनाया

सरगुजा, 17 जून (एजेंसियां)। सरगुजा जिले के चलगली में ससुर ने कुल्हाड़ी मारकर बहू की हत्या कर दी। उसके शव को घर से 50 मीटर दूर बाड़ी में गाड़ दिया। आरोपी ससुर ने बेटे से कहा कि बहू ने समय पर खाना नहीं दिया इसलिए मार दिया।

हालांकि, आरोपी के बेटे और गांव वालों का दावा है कि ससुर बहू से छेड़छाड़ करता था, जिसका वह विरोध कर रही थी। इस कारण ससुर ने बहू को मार डाला। मृतिका 3 महीने की गर्भवती थी।घटना लुण्ड्रा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम किरकिमा, चलगली निवासी सरस्वती कोरवा (23 वर्ष) सोमवार को घर में थी। उसका पति ईश्वर कोरवा मछली मारने के लिए गया था। शाम करीब 5.30 बजे ईश्वर कोरवा वापस घर पहुंचा तो घर के कमरे में खून फैला हुआ था।

उसने अपने पिता परमेश्वर से पत्नी सरस्वती के बारे में पूछा तो परमेश्वर कोरवा ने बताया कि उसने सरस्वती की हत्या कर दी है, क्योंकि उसने समय पर खाना नहीं दिया था। उसने सरस्वती कोरवा को बाड़ी में दफना दिया है। घटना की सूचना ईश्वर कोरवा ने ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों ने लुण्ड्रा पुलिस को घटना की जानकारी दी। लुण्ड्रा थानेदार आरएन पटेल के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने हत्यारे ससुर परमेश्वर कोरवा को हिरासत में ले लिया।

जंगली हाथी का आतंक

लातेहार, 17 जून (एजेंसियां)। लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में एक जंगली हाथी ने दहशत फैला दी। माल्हन पंचायत के टोला केकराही में मंगलवार रात दो बजे हाथी ने दो घरों को नुकसान पहुंचाया।

हाथी ने रामकिशुन गंझू और उनके भाई रामचंद्र गंझू के घरों की बाउंड्री और दीवारें तोड़ दीं। घटना के समय दोनों परिवार घर में सो रहे थे। शोर सुनकर सभी ने पिछले दरवाजे से भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित परिवार के अनुसार, यह हाथी पहले भी तीन बार उनके घरों पर हमला कर चुका है।

ग्रामीणों ने स्थानीय तरीके से हाथी को जंगल की ओर भगा दिया। उनका कहना है कि गांव में अंधेरा रहने के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं।

स्ट्रीट लाइट की मांग कई बार की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बिजली की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। ग्रामीणों ने लातेहार के डीसी, चंदवा प्रखंड के बीडीओ चंदन कुमार और वन विभाग के प्रभारी से स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है।

साइप्रस की महिला नेता कौन हैं

जिन्होंने पीएम मोदी के छू लिए पैर, भारतीय परंपरा में स्वागत की हर तरफ तारीफ

निकोसिया, 17 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय साइप्रस दौरा खत्म हो चुका है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी का ऐतिहासिक स्वागत हुआ, लेकिन सबसे भावुक करने वाला क्षण उस समय आया जब वहां की एक महिला नेता ने उनके पैर छू लिए। निकोसिया शहर के दौरे पर नगर परिषद की सदस्य मिकाएला किथ्रियोटी म्लापा ने भारतीय प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए उनके पैर छूकर सम्मान प्रकट किया। यह पल सोमवार को उस समय देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस के साथ देश की ऐतिहासिक सीजफायर लाइन क्षेत्र का दौरा कर रहे थे।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, जो पूर्व में कई बार महिलाओं को उनके पैर छूने से विनम्रता से रोक चुके हैं, इस बार भी म्लापा को आशीर्वाद देते हुए हाथ जोड़ते नजर आए। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा, 'पहले पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने पीएम मोदी के चरण छूकर सम्मान व्यक्त किया था और अब साइप्रस की नगर परिषद की सदस्य मिकाएला द्वारा किया गया यह कार्य भारतीय संस्कृति, परंपरा और सभ्यता की वैश्विक प्रशंसा का प्रतीक है। पीएम मोदी ने भारत की शक्ति के साथ-साथ उसकी प्रतिष्ठा और गौरव को भी वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई दी है।'

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब पीएम मोदी को इस तरह से सम्मान दिया गया है। मई 2023 में जब पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी पहुंचे थे, तो वहां के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने भी उनका स्वागत करते हुए उनके पैर छुए थे और उन्हें महान नेता बताते हुए विशेष सम्मान दिया था। वहीं, सोमवार को राष्ट्रपति निकोस ने प्रधानमंत्री मोदी को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय सम्मान से नवाजा। यह साइप्रस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

शादी से पहले बेटे को समझाएं ये पांच बातें ताकि बहू को ससुराल में न हो दिक्कत

शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का बंधन होती है। अक्सर देखा गया है कि नए रिश्तों में तालमेल बैठने में वक्त लगता है। ऐसे में जब माता पिता अपनी बेटी को विदा करते हैं तो उसे ससुराल में कैसे रहना है, एक अच्छी पत्नी और बहू कैसे बनना है, उसके लिए कुछ सबक देते हैं। हालांकि लड़कों को शादी के बाद एक बेहतर पति, दामाद कैसे बनना है, ये आमतौर पर परिवारों में कम ही सिखाया जाता है।

लड़की तो शादी के बाद ससुराल में एडजस्ट करने के लिए मानसिक और व्यवहारिक रूप से तैयार रहती है लेकिन लड़के इस स्थिति के लिए तैयार नहीं हो पाते। शादी से पहले माता-पिता का यह कर्तव्य होता है कि वे अपने बेटे को कुछ जरूरी बातें समझाएं, ताकि नई बहू को ससुराल में अपनापन महसूस हो। बेटे को शादी के पहले मानसिक रूप से बदलावों के लिए तैयार करें ताकि वह न केवल एक अच्छा पति बन सके, बल्कि एक जिम्मेदार बेटा और दामाद भी। एक समझदार बेटा ही दो परिवारों को जोड़े रख सकता है और बहू को ससुराल को सचमुच 'घर' जैसा महसूस करवा सकता है।

पत्नी का बराबरी का दर्जा

बेटे को सिखाएं कि शादी के बाद पत्नी उसकी ज़िम्मेदारी ही नहीं, उसकी जीवन संगिनी भी है। उसे घर के हर फैसले में शामिल करें। पत्नी की भावनाओं और राय का सम्मान करें। बहू कोई मेहमान नहीं बल्कि घर का स्थायी हिस्सा है।

पुराने और नए रिश्तों के बीच संतुलन

शादी के बाद बेटा अक्सर मां-पत्नी के बीच उलझ जाता है। उसे समझाएं कि रिश्तों में तुलना नहीं, सामंजस्य जरूरी है। बेटा अगर संतुलन बनाए रखे तो घर में न बहू को दिक्कत होगी और ना मां को शिकायत होगी। उसे पहले से ही ऐसी स्थिति के लिए तैयार करें कि हो सकता है कि कभी उसकी पत्नी और मां के बीच कोई मतभेद हो जाए तो उसे ऐसा क्या करना चाहिए ताकि दोनों के मतभेद को कम किया जा सके, न कि किसी एक का साथ दिया जाए।

घरेलू कामों में सहयोग

बेटे को यह बात शादी से पहले ही समझा दें कि घरेलू काम सिर्फ महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है। कभी-कभी छोटी-छोटी चीज़ों में पत्नी का हाथ बंटाना, उसे भावनात्मक रूप से जोड़ता है और रिश्ते को मजबूत बनाता है। बेटी की तरह बेटे को भी घर के कामों में हाथ बंटाने को कहें ताकि वह पत्नी की मदद करने में झिझक महसूस न करें और घरेलू काम करने की समझ उसमें आ जाए।

बहू के परिवार को अपना बनाएं

बेटे को सिखाएं कि शादी के बाद जैसे बहू उन्हें अपना माता पिता समझकर इस परिवार में रहेगी। वैसे ही बेटा का फर्ज है कि वह अपनी पत्नी के माता-पिता का सम्मान भी उसी तरह करे। बहू के मायके व परिवार वालों को अपना समझे ताकि बहू को ससुराल के सदस्यों को अपनाने में दिक्कत न हो। दोनों परिवारों को एक करना सिर्फ बहू का नहीं, बल्कि बेटे का भी कर्तव्य है।

निजी बातें दूसरों से साझा न करें

पति-पत्नी के बीच की बातें निजी होती हैं। बेटे को सिखाएं कि छोटी-छोटी बातों को बाहर बताने या माता-पिता से हर बात शेयर करने से गलतफहमियां बढ़ सकती हैं। एक अच्छे पति की पहचान है कि वह अपने रिश्ते की गरिमा बनाए रखे।

हर मां को अपनी टीनएज बेटी को सिखानी चाहिए ये बातें

हर मां के लिए उनकी बेटी उनका गुरूर होती है। बिटिया को जन्म देने से लेकर उनकी हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान मां ही रखती हैं। जैसे-जैसे बच्चियां बड़ी होती हैं, उन्हें शारीरिक और मानसिक बदलावों से जूझना पड़ता है। ऐसे टीनेएज बेटियों से दोस्त की तरह बातचीत करना बेहद जरूरी हो जाता है।

अगर मां यह पहल करती है, तो बेटी ना सिर्फ जीवन में आत्मनिर्भर बनती है, बल्कि भविष्य में बेहतर फैसले भी ले पाती है। इसीलिए कहा जाता है कि एक मां और उसकी टीनेज बेटी के बीच संवाद बहुत जरूरी होता है, क्योंकि टीनएज की ये उम्र सबसे संवेदनशील होती है। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसी बातों के बारे में बताएंगे, जो आपको अपनी बेटी से अवश्य करनी चाहिए।

आत्मसम्मान की अहमियत

अक्सर घरों में लड़कियों को सिखाया जाता है कि कोई कुछ भी कहे, पर तुम्हें कभी जवाब नहीं देना है। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। अपनी बिटिया को सिखाएं आत्मसम्मान की अहमियत क्या है। आत्मसम्मान बेहद जरूरी है। अपनी बेटी को सिखाएं कि यदि कोई आपकी इज्जत नही करता है, तो ऐसे व्यक्ति को तुरंत जवाब देकर उन्हें उनका दायरा बताएं।

पीरियड्स के बारे में करें खुलकर बात

टीनएज बच्चों के शरीर में काफी बदलाव होते हैं। खासतौर पर अगर आपके घर में बेटी है तो उससे पर्सनल हाइजीन, पीरियड्स बॉडी चेंजेस और सेक्स एजुकेशन से जुड़ी जरूरी जानकारी दें ताकि वह किसी भ्रम या डर का शिकार न हो। उन्हें बताएं कि पीरियड्स कोई बीमारी नहीं है, बल्कि ये एक शारीरिक प्रक्रिया है, जो बेहद जरूरी है।

गुड टच बैड टच समझाएं

ये बात आपकी बच्ची को बहुत छोटे से बता देनी चाहिए। वैसे तो गुड टच और बैड टच की शिक्षा स्कूल में ही मिल जाती है, लेकिन फिर भी अपनी बेटी को सही और गलत तरीके से छूने की पहचान बताएं। उन्हें ये भी बताएं कि यदि कोई उनके साथ ऐसा करता है, तो इस बात की शिकायत तुरंत अपने माता-पिता से करें।

सीमाओं के बारे में समझाएं

यदि आपके घर में बेटी है तो उन्हें उनकी सीमाओं के बारे में भी बताएं। उन्हें बताएं कि दोस्ती, आकर्षण और प्यार में काफी फर्क होता है। इन तीनों चीजों में एक दायरा होता है, जिसके बारे में सही समझ होना जरूरी होते हैं।

'न का मलतब न' ये अवश्य सिखाएं

ये सबसे अहम बात है, जो आपकी बिटिया को पता होनी चाहिए। इसके लिए आपकी बेटी में 'ना' कहने का हक़ और हिम्मत दोनों होनी चाहिए। उन्हें बताएं कि यदि कोई चीज पसंद नहीं आ रही है, तो सामने वाले को क्लीयर न कहें। यदि आपकी न को कोई सीरियसली नहीं ले रहा है तो उन्हें बताएं कि वो घरवालों से बात कर सकती हैं।

उन्हें बताएं कि आप उनकी दोस्त हैं

सबसे आखिर में अपनी बिटिया को यकीन दिलाएं कि आप उनकी दोस्त हैं। ऐसे में वो जब चाहें किसी भी बारे में अपनी मां से बात कर सकती हैं। बिना किसी डर या शर्म के अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी वो आपके साथ खुलकर बात कर सकती हैं।

बच्चों को सिखाएं कुछ अहम बातें, बुद्धिमान के साथ ही बनेगा एक अच्छा इंसान

आज की प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में केवल अच्छी पढ़ाई या टॉप ग्रेड ही काफी नहीं है, सफलता के लिए जरूरी है कि बच्चों के अंदर सॉफ्ट स्किल्स यानी व्यावहारिक और सामाजिक कौशल भी विकसित किया जाए। इसलिए माता-पिता को अपने बच्चों को बचपन से ही न सिर्फ किताबों का ज्ञान देना चाहिए, बल्कि जिंदगी से जुड़ी कुछ अहम बातें भी सिखानी चाहिए, ताकि वे आगे आने वाली परेशानियों का सामना आसानी से कर सकें।

संवाद कौशल

कम्युनिकेशन स्किल यानी अपनी बात को प्रभावी ढंग से, स्पष्ट रूप से और समझदारी भरे लहजे में दूसरे तक पहुंचाना। यह न केवल शब्दों का प्रयोग है, बल्कि इसमें सुनना, समझना, बॉडी लैंग्वेज और भावनाओं को व्यक्त करना भी शामिल है। अच्छे संवाद कौशल से बच्चा अपने मन की बात खुलकर प्रभावी ढंग से कह पाता है और दूसरों को भी बेहतर तरीके से समझ पाता है, जो उसके भविष्य के लिए बेहद जरूरी है।

इमोशनल इंटेलिजेंस

यह बच्चों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता है, जो सोच और भावना को मिलाकर इच्छित निर्णय लेने की क्षमता बनाती है। सरल शब्दों में कहें तो यह भावनाओं के साथ अधिक चतुराई से पेश आना है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता बच्चों को खुद को समझने, बेहतर निर्णय लेने और दूसरों से जुड़ने में मदद करती है। साथ ही यह स्किल बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत भी बनाती है और वे कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित

रह पाते हैं।

टीमवर्क

ज्यादातर कामों में आपको एक टीम के तौर पर काम करना होता है। अच्छे टीमवर्क का मतलब है- सभी का एक साथ मिलकर काम करना। टीमवर्क बच्चों में दूसरों की राय का सम्मान करना, अपनी भूमिका निभाते हुए टीम के लक्ष्य पर ध्यान देना और मदद करने जैसी भावनाओं को विकसित करता है। यह गुण बच्चे को सहयोगी बनाता है और आगे चलकर प्रोफेशनल लाइफ में भी बेहद काम आता है।

प्रॉब्लम सॉल्विंग

यह एक अहम स्किल है, जो बच्चों को सोच-समझकर फैसले लेना और समस्याओं का समाधान करना सिखाती है। इस स्किल के माध्यम से बच्चा खुद पर भरोसा करता है और जिंदगी में आने वाली चुनौतियों से घबराता नहीं है।

समय प्रबंधन

हर कार्य को सही समय पर पूरा करना जीवन को सफल बनाने की कुंजी है। अगर बच्चे में यह कौशल विकसित हो जाए तो उसमें समय की अहमियत की समझ विकसित होती है और वह अनुशासित, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बनता है।

आत्मनिर्भरता

अपने कामों और फैसलों के लिए खुद पर भरोसा करना और दूसरों पर कम निर्भर रहना सरल जीवन जीने का सबसे आसान रास्ता है। जब बच्चा आत्मनिर्भर बनता है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह मुश्किल हालात में भी सोच-समझकर सही निर्णय ले पाता है।

किताबी ज्ञान तक सीमित न रखें

बाल मनोवैज्ञानिक गार्गी मालगुड़ी बताती हैं, बच्चों को किताबी ज्ञान, खेल-कूद के साथ-साथ जीवन के उन पहलुओं की भी शिक्षा देनी चाहिए, जिनसे उनके संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास हो और वे सामाजिक ढांचे में ठीक से रच-बस सकें।

स्कूली शिक्षा के साथ कुछ सॉफ्ट स्किल्स, जैसे खुद को समाज में भावनात्मक और विचारात्मक तौर पर व्यक्त करने का तरीका, प्रॉब्लम सॉल्विंग एबिलिटी, सटीक बॉडी लैंग्वेज, टोन ऑफ वॉयस, हेल्दी नेगोसिएशन, टीमवर्क, न बोलना, खुद की बात या राय को ठीक ढंग से प्रकट करना, खुद की सीमाएं निर्धारित करना और दूसरे की सीमाओं का सम्मान करना बच्चों को जरूर सिखाएं, ताकि उनका आत्मविश्वास बढ़े और उन्हें सामाजिक स्तर पर अपनी एक पहचान मिले।

रोज साइकिल चलाने से पेट की चर्बी हो जाएगी गायब, दिल भी बनेगा मजबूत

वर्तमान में हम सब बहुत ही अलसी हो गये है, जिसके कारण हमारा शरिर बहुत ही सुस्त हो गया है। अगर हम साइकिल चला ले तो हम कई बीमारियों से बच सते है। साइकिल चलाना स्वस्थ रहने का सबसे आसान तरीका है. यह एक एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को बहुत से लाभ मिलते हैं. आप साइकिल चलाकर अपनी हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं और जरूरी काम भी कर सकते हैं. साइकिल चलाने से आपका शरीर एक्टिव रहता है और कई बीमारियों से राहत मिलती है. साइकिल चलाना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बेहद फायदेमंद है. लोग अपनी उम्र और क्षमता के अनुसार प्रतिदिन साइकिल चला सकते हैं. अगर आप भी फिट रहना चाहते हैं और वजन कंट्रोल करना चाहते हैं, तो दिन में कुछ वक्त साइकिलिंग जरूर करें. आज आपको रोज साइकिल चलाने के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें जानकर आप हैरान रह जाएंगे.

वजन कम करने में कारगर

रोज साइकिल चलाने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है. जिन लोगों के पेट पर चर्बी जमा है, उन्हें भी साइकिल चलाने से पेट का मोटापा कम करने में आसानी हो सकती है. हेल्थलाइन की रिपोर्ट के अनुसार तेज साइकिल चलाने से आपके शरीर में फैट का स्तर कम होता है.

इससे वजन को कंट्रोल किया जा सकता है. कई स्टडी में पता चला है कि नियमित साइकिलिंग से आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिल सकता है. इससे मांसपेशियों का निर्माण हो सकता है और आराम करते समय भी अधिक कैलोरी बर्न कर सकते हैं.

पैरों को मिलती है मजबूती

रोज साइकिल चलाने से आपके पैरों को मजबूती मिलती है. साइकिल चलाने से आपके निचले शरीर में ओवरऑल सुधार होता है. इससे आपके जॉइंट्स पर दबाव नहीं पड़ता है और आपके पैर की मसल्स मजबूत हो जाती हैं. अपने पैरों को और भी मजबूत बनाने और अपने साइकिल चलाने के साथ वेटलिफ्टिंग जैसी कई अन्य एक्सरसाइज कर सकते हैं. यदि आप किसी चोट या बीमारी से उबर रहे हैं, तो आप कम तीव्रता से साइकिल चला सकते हैं. जैसे-जैसे आप अधिक फिट होते जाते हैं, आप तीव्रता बढ़ा सकते हैं.

कोलेस्ट्रॉल हो सकता है कम

साइकिल चलाने के स्वास्थ्य-वर्धक प्रभाव कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सुधारने में मदद कर सकते हैं. साइकिल चलाने से आपके स्ट्रोक और दिल के दौरे की आशंका कम हो सकती है. एक स्टडी में यह बात सामने आई थी कि इनडोर साइकिलिंग का टोटल कोलेस्ट्रॉल पर पॉजिटिव असर पड़ता है. साइकिल चलाने से एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल कम होता है. इससे एचडीएल यानी गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है.

बढ़ती है ब्रेन पावर

साइकिल चलाने से तनाव, एंजाइटी और डिप्रेशन जैसी फीलिंग्स को कम करने में मदद मिलती है. साइकिल चलाते समय सड़क पर ध्यान केंद्रित करने से आपको एकाग्रता और जागरुकता डेवलप करने में मदद मिल सकती है.

एक अध्ययन में पाया गया कि साइकिल चलाने से वृद्ध वयस्कों की मेंटल हेल्थ में काफी सुधार होता है. अगर आप सुस्त महसूस करते हैं, तो कम से कम 10 मिनट के लिए साइकिल जरूर चलाएं. यह आपके शरीर में एंडोर्फिन हॉर्मोन को बढ़ावा देता है, जिससे तनाव कम होता है और लोग बेहतर महसूस करने लगते हैं. एक बार साइकिल चलाने को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बना लेने के बाद आप अधिक आत्मविश्वास और संतुष्ट महसूस कर सकते हैं.

कई बीमारियों से होता है बचाव

साइकिल चलाने से बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है और कई बीमारियों से राहत मिलती है. रोज साइकिल चलाने से दिल से संबंधी समस्याओं जैसे स्ट्रोक, दिल का दौरा और हाई ब्लड प्रेशर को रोकने में मदद मिलती है. साइकिल चलाने से टाइप 2 डायबिटीज को रोकने और कंट्रोल करने में भी मदद मिल सकती है. एक शोध से पता चलता है कि नियमित रूप से साइकिल चलाने से शुगर वाले लोगों की मृत्यु दर 24% तक कम हो सकती है.

रिश्ते में नहीं बचा है पार्टनर का विश्वास तो फॉलो करें ये रिलेशनशिप टिप्स

स्ट्रॉन्ग रिलेशनशिप की नींव प्यार और विश्वास पर टिकी होती है. वहीं प्यार या विश्वास ना होने पर रिश्ते में खटास आने लगती है. ऐसे में कई कपल्स के बीच में बेशुमार प्यार देखने को मिलता है, मगर इसके बावजूद कुछ लोगों का पार्टनर पर से विश्वास उठ जाता है. हालांकि, अगर आप चाहें तो कुछ रिलेशनशिप टिप्स की मदद से ना सिर्फ टूटे हुए यकीन को फिर से कायम कर सकते हैं, बल्कि पार्टनर के साथ अपने रिश्ते को भी मजबूत बना सकते हैं.

गलती को एक्सेप्ट करें

रिश्ते में विश्वास कायम रखने के लिए सबसे पहले अपनी गलती एक्सेप्ट करना सीखें. ऐसे में अगर आपने पार्टनर को धोखा दिया है. तो सबसे पहले पार्टनर के सामने अपनी गलती मानें और पार्टनर को हर्ट करने के लिए माफी मांगे. साथ ही अपनी गलतियों का दोष दूसरों को देने की बजाए खुद उसकी जिम्मेदारी लें. इससे पार्टर के प्रति आपकी लॉयलटी साफ झलकेगी और आपका रिश्ता पहले से भी मजबूत हो जाएगा.

पार्टनर को मनाएं

आमतौर पर गलती होने के बाद लोगों को नुकसान की भरपाई करनी पड़ती है. यही धारणा रिश्तों में भी लागू होती है. ऐसे में अगर आपने पार्टनर को हर्ट किया है. तो उन्हें मनाने की जिम्मेदारी भी आपकी ही है. इसलिए पार्टनर की तरफ पहला कदम बढ़ाने की कोशिश करें और उनसे दूसरा मौका मांगे. जिससे आप अपने रिश्ते को नए आयाम पर ले जा सकेंगे.

रिश्ते में रखें ट्रांसपेरेंसी

कई बार पार्टनर को हर्ट करने के बाद भी लोग सच नहीं बोलते हैं. जिसके चलते पार्टनर चाहकर भी आप पर विश्वास नहीं कर पाता है. इसलिए रिश्ते में यकीन बरकरार रखने के लिए ट्रांसपेरेंसी का होना बेहद जरूरी है. ऐसे में पार्टनर से झूठ बिल्कुल ना बोलें और पार्टनर के हर सवाल का सच-सच जवाब दें. इससे पार्टनर को आप पर भरोसा होने लगेगा और आपका रिश्ता फिर से मजबूत बन जाएगा.

पार्टनर को समय दें

रिश्ते में टूटा हुआ विश्वास वापस पाने के लिए जल्दबाजी बिल्कुल ना करें. आमतौर पर विश्वास एक झटके में टूट जाता है. मगर इसे वापस पाने के लिए लोगों को लम्बा वक्त लग सकता है. इसलिए धैर्य से काम लें और पार्टनर को सोचने के लिए पूरा समय दें. इससे पार्टनर को खुद ब खुद आप पर यकीन होने लगेगा.

पार्टनर को यकीन दिलाएं

रिश्ते में विश्वास टूटने के बाद इसे जुड़ने में काफी समय लगता है. मगर इस दौरान आपका पश्चाताप करना और पार्टनर के प्रति सहानुभूति रखना जरूरी हो जाता है.

इसलिए पार्टनर से अपने किए का पश्चाताप करें और पार्टनर के सामने ज्यादा से ज्यादा ईमानदार रहें. जिससे आपके रिश्ते में विश्वास फिर से जगह बना लेगा।

घर-ऑफिस के बीच सेहत का भी रखें ध्यान, महिलाएं इन तरीकों से रहें फिट

कई महिलाएं घर और ऑफिस को मैनेज करने के चक्कर में अपनी सेहत के साथ लापरवाही बरतने लगती हैं। कामकाजी महिलाओं के साथ अक्सर ये समस्या होती है कि वे खुद का ख्याल रखने के लिए वक्त नहीं निकाल पाती. खासतौर पर अगर उनके घर में छोटे बच्चे हैं तो उनके लिए समय के अभाव की समस्या होती है और इसे मैनेज करने के चक्कर में वे खुद के खानपान और रुटीन के साथ लापरवाही कर जाती है. जिस वजह से उन्हें दिनभर थकान और कमजोरी की समस्या से जूझना पड़ता है**रेग्युलर खाएं खाना**

एनएचएस के मुताबिक अपने एनर्जी लेवल को बढ़ाए रखने के लिए जरूरी है कि आप खाने को लेकर लापरवाही ना बरतें. बेहतर होगा कि आप लार्ज मील के साथ साथ हर 4 से 5 घंटे के अंतराल पर हेल्दी स्नैक्स लेते रहें.

एक्टिव रहें

अगर आप रोज 15 मिनट वॉक भी करें तो यह आपके एनर्जी लेवल को बढ़ाने का काम करता है. इसलिए बेहतर होगा कि आप दिन की शुरुआत वॉकिंग, जॉगिंग या एक्सरसाइज के साथ करें.

वजन घटाएं

अगर आपका वजन बढ़ गया है तो इससे आप जल्दी थकान महसूस करती होंगी. इसलिए वजन कम करने का प्रयास करें. आप पाएंगी कि वजन कम करने पर आप अधिक एनर्जी से भरा महसूस करेंगी.

अच्छी नींद जरूरी

रात में अच्छी नींद लें और प्रयास करें कि रोज एक टाइम पर ही उठें. बेहतर होगा कि आप दिन में सोने से बचें. रात में सोने से पहले थोड़ा रिलैक्स करने का प्रयास करें.

तनाव के असर को करें कम

तनाव हमारे जीवन का हिस्सा है, इसे तो नहीं कम किया जा सकता लेकिन इसके असर को आप कम कर सकते हैं. इसलिए आप दोस्तों के साथ वक्त गुजारें, योगा आदि करें, संगीत सुनें और कुछ अच्छा पढ़ें.

कैफीन से बनाएं दूरी

अगर आप एक महीने से कैफीनयुक्त चीजों से दूरी बनाएं तो आप थकान कम महसूस करेंगे. इसके लिए बेहतर होगा कि आप चाय, कॉफी, कोक आदि का कम सेवन करें.

हाइड्रेटेड रहें

कम बार आप कम पानी पीने की वजह से थकान और चक्कर महसूस करते हैं. इसलिए बेहतर होगा कि आप हर वक्त खुद को हाइड्रेट रखें और अल्कोहल आदि से दूरी बनाएं.

नहीं थमा इजराइल-ईरान वॉर तो भारत पर भी पड सकता है इसका असर

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। इजराइल-ईरान के बीच जंग को शुरू हुए आज 5वां दिन हो गया। इजराइल के हमलों में ईरान के टॉप सैन्य कमांडर और 9 परमाणु वैज्ञानिक मारे गए हैं। इसके साथ ही ईरान के मिसाइल अटैक से इजराइल में भी जानमाल की हानि हुई है। इस बीच इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने जंग खत्म करने को लेकर कहा कि अयातुल्ला खामेनेई की हत्या से जंग बढ़ेगी नहीं, बल्कि खत्म होगी। इजराइल सहित पश्चिम के ज्यादातर देशों का मानना है कि वो ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे, जबकि ईरान चोरी छुपे परमाणु बम बनाने के लिए यूरेनियम 235 को 90 प्रतिशत तक शुद्ध कर चुका है। ऐसे में इजराइल और ईरान के बीच ये युद्ध कब तक चलेगा इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता, लेकिन इतना जरूर है कि अगर इजराइल और ईरान के बीच युद्ध ज्यादा दिनों तक चला तो दुनिया के साथ भारत पर भी इसका बुरा असर होगा। इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग से भारत को होने वाले नुकसान की जानकारी दे रहे हैं। ईरान दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल उत्पादक देश है। इसके साथ ही ईरान के समुद्र क्षेत्र से दुनियाभर का 20 प्रतिशत ऑयल का ट्रेड होता है। फिलहाल युद्ध के चलते कच्चे तेल के दामों में 10 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई है, लेकिन इजराइल और ईरान के बीच इसी तरीके से युद्ध चलता है तो आने वाले दिनों में कच्चे तेल के दाम 200 डॉलर बैरल तक पहुंच सकते हैं। आपको बता दें भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा ऑयल खरीदने वाला देश है, ऐसे में इंटरनेशनल मार्केट में तेल की कीमत बढ़ेगी तो इसका असर भारत में भी देखने को मिलेगा और पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ेगी।इजराइल-ईरान युद्ध के चलते दुनियाभर के शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दरअसल पूरी दुनिया में फिलहाल दो युद्ध चल रहे हैं, पहला यूक्रेन और रूस के बीच और दूसरा इजराइल और ईरान के बीच ऐसे में निवेशक शेयर बाजार में पैसा लगाने से कतरा रहे हैं और भारत सहित दुनियाभर के बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। अनिश्चितता के दौर में निवेशक सुरक्षित विकल्प जैसे गोल्ड में पैसा लगाते हैं। इससे भारत में सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक जा सकती हैं। साथ ही शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। महंगे तेल के कारण भारत का आयात बिल बढ़ेगा और डॉलर की मांग तेज होगी। इससे रुपया कमजोर हो सकता है और व्यापार घाटा बढ़ेगा। अगर इजराल और ईरान के बीच युद्ध लंबा खिचता है तो विदेश में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों का खर्च रुपए के कमजोर होने से बढ़ेगा। खाड़ी देशों में लगभग 80 लाख भारतीय काम करते हैं। अगर युद्ध की आंच वहां तक पहुंचती है, तो उनके रोजगार और सुरक्षा पर खतरा बन सकता है। भारत रक्षा उत्पादों के उत्पादन और निर्यात में तेजी ला रहा है। अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो हथियारों और सुरक्षा उपकरणों की मांग बढ़ सकती है, जिससे भारत को रक्षा निर्यात में अवसर मिल सकता है।

हरदीप पुरी बोले- इस्राइल-ईरान टकराव के बीच भारत ईंधन आपूर्ति जरूरतें पूरी करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि इस्राइल-ईरान टकराव के बीच भारत अपनी ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। पुरी ने कहा, वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी ईंधन की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम और अच्छी स्थिति में है। हम अपने बास्केट में पर्याप्त विविधता ला चुके हैं और ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए सहज स्थिति में हैं। भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है।

ईंधन कंपनियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा

अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी देते हुए हरदीप पुरी ने कहा, तेजी से अस्थिर होते भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों और हमारे पीएसयू ओमसी (सार्वजनिक क्षेत्र की ईंधन उत्पादन / विपणन कंपनियां) के साथ भाररत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की।

अंडमान में अन्वेषण बन सकता है भारत का 'गुयाना मोमेंट'

पुरी ने कहा, भारत अपने जीवाश्म-आधारित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नवीनतम प्रयास का प्रमाण अंडमान में हो रही गहरी खुदाई है। अन्वेषण और उत्पादन के लिए सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं। अंडमान में अन्वेषण अच्छी खबर है और यह भारत के लिए 'गुयाना मोमेंट' बन सकता है।

भारत ने कभी भी आठ प्रतिशत क्षेत्र से अधिक इलाके में खोज नहीं की

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत में एक अनुमान के मुताबिक 35 लाख वर्ग किलोमीटर की तलछटी बेसिन है। ये ऐसे इलाके होते हैं जहां झीलों, नदियों आदि के तल पर जमा रेत, पत्थर, कीचड़ के नीचे कच्चे तेल या गैस मिलने की संभावना होती है। पुरी के मुताबिक भारत ने कभी भी आठ प्रतिशत क्षेत्र से आगे अन्वेषण नहीं किया। इससे समुद्र तल का एक बड़ा हिस्सा ऐसा रह गया है जहां खोज नहीं की गई है।

सरकार ने 10 लाख वर्ग किलोमीटर तलछटी बेसिनों में अन्वेषण का रास्ता साफ किया

अब सरकार ने बेसिन के बड़े हिस्से में अन्वेषण का फैसला लिया है। पहले जिन इलाकों में प्रतिबंध थे, अब ऐसे 10 लाख वर्ग किलोमीटर तलछटी बेसिनों में अन्वेषण कराया जा सकता है। खुली एकड़ लाइसेंसिंग नीति के नौ दौर हो चुके हैं। इसमें 38 फीसदी बोलियां 10 लाख वर्ग किलोमीटर के लिए आई हैं। सरकार को उम्मीद है कि 75 फीसदी से अधिक बोलियां आएंगी। लगभग 2.5 वर्ग लाख किलोमीटर क्षेत्र के लिए बोली लगाई जा सकती है। बता दें कि पश्चिम एशिया में इस्राइल और ईरान के बीच लगातार बढ़ते संघर्ष के कारण भारत समेत पूरी दुनिया में ईंधन और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने की आशंका है। टकराव से न सिर्फ भारत के निर्यात समेत वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है, बल्कि हवाई और समुद्री माल ढुलाई दरों के साथ बीमा शुल्क में भी बढ़ोतरी का भी जोखिम है। निर्यातकों का कहना है कि इस युद्ध के कारण यूरोप और रूस जैसे देशों को भारत का निर्यात प्रभावित हो सकता है। अगर युद्ध लंबे समय तक चलता रहा, तो ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य एवं लाल सागर जैसे मार्गों के जरिये व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित होगी।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा, वैश्विक व्यापार की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही थी, जो ईरान-इस्राइल तनाव बढ़ने से फिर से प्रभावित होगी। वहीं, मुंबई स्थित निर्यातक एवं टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज के संस्थापक अध्यक्ष एसके सराफ ने कहा, मालवाहक जहाज धीरे-धीरे लाल सागर के मार्गों पर लौट आए हैं।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 212 अंक टूटा, निफ्टी 24900 से नीचे आया

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार मुनाफावसूली के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ। इस्राइल-ईरान संघर्ष के मद्देनजर निवेशकों ने सतर्कता दिखाई। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 212.85 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 81,583.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 369.14 अंक या 0.45 प्रतिशत गिरकर 81,427.01 अंक पर आ गया था। वहीं, एनएसई निफ्टी 93.10 अंक या 0.37 प्रतिशत गिरकर 24,853.40 अंक पर बंद हुआ।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सन फार्मा, इटरनल, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से पिछड़ गए। इसके विपरीत, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एशियन पेंट्स और मारुति लाभ में रहीं।

यूरोपीय बाजार में हुई गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। मध्य सत्र में यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

क्रूड तेल की कीमतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने डाला असर

विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को चिंतित किया। साथ ही, इस हफ्ते होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय के कारण निवेशक बाजार से दूर रहना पसंद कर रहे हैं।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 74.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.69 प्रतिशत बढ़कर 74.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,539.42 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,780.96 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 677.55 अंक या 0.84 प्रतिशत उछलकर 81,796.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 227.90 अंक या 0.92 प्रतिशत चढ़कर 24,946.50 अंक पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-41, सूर्यास्त 18-43
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	05-32 बजे
चंद्र-	कुंभ में	कर्क...	07-45 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	09-56 बजे
बुध-	मिथुन में	कन्या...	12-03 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	14-10 बजे
शुक्र-	मेष में	वृश्चिक...	16-18 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	18-32 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	20-42 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	22-29 बजे
		मीन...	00-07 बजे
		मेष...	01-43 बजे
		वृष...	04-12 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 13-35 तक उपरान्त अष्टमी
मास - आषाढ़ कृष्ण, बुधवार 18 June
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद 00-22 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - प्रीति 07-40 तक उप आयुष्मान
करण- बव 13-35 तक उप बालव
विशेष-
व्रत-त्यौहार - रानी झांसी पुण्य

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:17 से 13:56 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:41 - 07:22	शुभ	उत्पात	18:48 - 20:13	अशुभ
अमृत	07:22 - 09:00	शुभ	शुभ	20:13 - 21:34	शुभ
काल	09:00 - 10:39	अशुभ	अमृत	21:34 - 22:56	शुभ
शुभ	10:39 - 12:17	शुभ	चंचल।	22:56 - 24:17*	शुभ
रोग	12:17 - 13:56	अशुभ	रोग.	00:17 - 01:39	अशुभ
उत्पात	13:56 - 15:34	अशुभ	काल	01:39 - 03:01	अशुभ
चंचल	15:34 - 17:13	शुभ	लाभ	03:01 - 04:22	शुभ
लाभ	17:13 - 18:48	शुभ	उत्पात	04:22 - 05:41	अशुभ

100 और 200 रुपये के नोट पर बड़ा अपडेट, आरबीआई के आदेश का दिखा असर

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। आरबीआई के फैलले का असर अब मार्केट में दिखना शुरू हो गया है। देश के 73 प्रतिशत एटीएम के एक कैसेट से 100-200 रुपये के नोट निकलना शुरू हो गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने आम लोगों की समस्याओं को सुनते हुए एटीएम से 100 और 200 रुपये नोटों की संख्या को बढ़ाने के लिए 30 सितंबर 2025 की गाइडलाइट दी थी, जिसमें कहा गया था कि इससे पहले देश के 75 प्रतिशत एटीएम से 100 और 200 रुपये के नोट निकलने चाहिए। आरबीआई के इस फैसले का असर दिखाई दे रहा है। देश में 215,000 एटीएम में से 73,000 का संचालन करने वाली भारत की सबसे बड़ी नकदी प्रबंधन कंपनी सीएमएस इन्फो सिस्टम्स के अनुसार, यह दिसंबर 2024 में 65 प्रतिशत से बढ़ोतरी को दर्शाता है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सीएमएस इंफो सिस्टम्स के नकदी प्रबंधन के अध्यक्ष अनुश राघवन ने कहा कि उपभोक्ता व्यय का 60 प्रतिशत हिस्सा अभी भी नकदी में निहित है, ऐसे में गांव और कस्बों में खासतौर पर 100 और 200 रुपये के नोटों की उपलब्धता से दिन-प्रतिदिन की लेन-देन संबंधी जरूरतें सीधे तौर पर पूरी हो रही हैं।

आरबीआई ने एटीएम कैश डिस्पेंस के टार्गेट सेट किए

अप्रैल 2025 के लास्ट में इश्यू किए गया सर्कुलर में, आरबीआई ने ऑल बैंक्स को ऑर्डर दिया कि 30 सितंबर, 2025 तक कम से कम 75% एटीएमएस में कम से कम एक कैसेट से 100 या 200 रुपये के नोट्स डिस्पेंस होने चाहिए। इस डायरेक्शन का टारगेट है छोटी रकम के नोट्स तक पब्लिक की रीच बढ़ाना, जो डेली ट्रांजैक्शंस में यूज होते हैं। ये रिक्वायरमेंट 31 मार्च, 2026 तक और स्ट्रिक्ट होगी, जब 90% एटीएमएस को इस स्टैंडर्ड को फॉलो करना होगा।

आरबीआई ने एटीएम इंटरचेंज फीस बढ़ाई

आरबीआई ने एटीएम इंटरचेंज फीस बढ़ा दी है, जिससे 1 मई, 2025 से कैश निकालना ज्यादा कॉस्टली हो जाएगा। ये चेंज खासकर उन यूजर्स को हिट करेगा जो हर महीने फ्री ट्रांजैक्शंस की लिमिट क्रॉस करते हैं। इंटरचेंज फीस वो चार्ज है जो एक बैंक दूसरे बैंक को एटीएम ट्रांजैक्शंस प्रोसेस करने के लिए पे करता है, और ये चार्ज यूजली यूजर पर डाल दिया जाता है। जैसे, अगर एचडीएफसी बैंक का यूजर तीन फ्री मंथली ट्रांजैक्शंस के बाद एसबीआई के एटीएम से कैश निकालता है, तो एचडीएफसी एक्स्ट्रा विड्रॉल के लिए फीस चार्ज कर सकता है।

अब दवाओं पर टैरिफ लगाएंगे ट्रम्प

ग्रैन्यूल्स, लूपिन, लॉरस लैब्स के शेयर 4% तक गिरे; 86 हजार करोड़ के बिजनेस पर असर

वॉशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दवाओं पर टैरिफ लगाने वाले बयान के कारण आज यानी मंगलवार, 17 जून को भारत के फार्मा कंपनियों के शेयर्स 4% तक गिर गए। ट्रंप ने कहा है कि वे जल्द ही दवाओं के आयात पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने जा रहे हैं। इस बयान के बाद निफ्टी फार्मा इंडेक्स 2% टूटकर 21,600 के स्तर पर आ गया।ग्रैन्यूल्स इंडिया, लूपिन, नेटकोफार्म और औरोबिंदो फार्मा के शेयर सबसे ज्यादा 4% तक गिरे। लॉरस लैब्स और डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज के शेयर भी 3% से ज्यादा लुढ़के। सन फार्मा, सिप्ला, ग्लेनमार्क और नटको फार्मा जैसे बड़े नाम भी 2-2.6% तक नीचे आ गए। भारत से अमेरिका को हर साल 10 बिलियन डॉलर (करीब 86,200 करोड़) की दवाओं का निर्यात होता है, जो अमेरिका के कुल फार्मा आयात का 6% है। पहले भी अप्रैल में ट्रम्प ने फार्मा टैरिफ की बात कही थी, लेकिन बाद में 90 दिनों के लिए इसे टाल दिया था। अब दोबारा इस बयान ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर टैरिफ लगे तो भारतीय फार्मा कंपनियों की कमाई पर बड़ा असर पड़ सकता है, क्योंकि उनकी आय का बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है। ट्रम्प का कहना है कि विदेशी देशों, खासकर भारत और चीन से सस्ती दवाएं आने की वजह से अमेरिका की दवा इंडस्ट्री कमजोर हो रही है। उनका मकसद है कि विदेशी कंपनियां अमेरिका में अपनी फैक्ट्रियां लगाएं, ताकि नौकरियां बढ़ें और दवा उत्पादन आत्मनिर्भर हो।अभी तक सटीक आंकड़ा सामने नहीं आया है, लेकिन ट्रम्प ने पहले ऐसे बयान दिए हैं कि वो इतना टैरिफ लगाएंगे कि कंपनियों के लिए अमेरिका में यूनिट सेटअप करना सस्ता पड़े। कुछ खबरों में अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये टैरिफ 10% से 25% तक हो सकता है। हालांकि, आधिकारिक ऐलान का इंतजार है।भारत अमेरिका का बड़ा दवा सप्लायर है। यहां से सस्ती जेनरिक दवाएं अमेरिका जाती हैं, जो वहां के लोगों के लिए किफायती हैं। अगर टैरिफ लगता है, तो इन दवाओं की कीमत बढ़ जाएगी, जिससे इनकी सेल्स घट जाएंगी। साथ ही, भारतीय कंपनियों जैसे सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज़ और ऑरोबिंदो फार्मा पर भी असर पड़ेगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे इन कंपनियों के शेयरों में और गिरावट आ सकती है। भारत सरकार इस मुद्दे पर सतर्क है। भारत ने अमेरिका से ट्रेड डील से पहले भरोसा मांगा है कि कोई नया टैरिफ नहीं लगेगा। 9 जुलाई तक ट्रेड डील फाइनल करने की कोशिश हो रही है, ताकि भारत की दवा इंडस्ट्री को नुकसान से बचाया जा सके। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी ट्रम्प के अनिश्चित रवैये पर चिंता जताई है अगर टैरिफ लगता है, तो अमेरिका में दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं, जो वहां के मरीजों के लिए मुश्किलें खड़ी करेगा।

अन्न भंडारण में 20 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता हासिल

तीन साल तक के लिए किया जा सकता है भंडार

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। अन्न भंडारण सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत देशभर में कुल 19.5 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो यानी भंडारगृह बनाए हैं। इन आधुनिक भंडारगृह की मदद से भंडारण तीन साल तक के लिए किया जा सकता है। पूरी तरह से स्वचालित और आधुनिक सुविधाओं से लैस भंडारगृहों ने अन्नों की बर्बादी को भी कम किया है। केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 40 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि 25 लाख टन क्षमता के लिए निविदा की प्रक्रिया जारी है। इस पीपीपी मॉडल के तहत लीप एग्री लॉजिस्टिक्स (बड़ौदा) प्राइवेट लि. ने भी केंद्र सरकार की ओर से 50,000 टन गेहूं के भंडारण के लिए स्टील साइलो परियोजना स्थापित की है। केंद्र सरकार के प्रयासों के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) पीपीपी मॉडल में स्टील साइलो का निर्माण कर रहा है, ताकि खाद्यान्न को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके।

11 वर्षों में 38 स्थानों पर 19.50 लाख टन क्षमता वाले साइलो का निर्माण

अधिकारी ने कहा, पिछले 11 वर्षों से 38 स्थानों पर पीपीपी मोड के तहत 19.50 लाख टन क्षमता वाले साइलो का निर्माण किया गया है। इसके अलावा, 90 स्थानों पर 39,62,500 टन क्षमता वाले साइलो का निर्माण किया जा रहा है। ये साइलो परियोजनाएं डिजाइन, निर्माण, वित्त, स्वामित्व और संचालन (डीबीएफओओ) या डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) के आधार पर बनाई जा रही हैं। इन्हें निजी स्वामित्व वाली भूमि और एफसीआई भूखंड, दोनों पर स्थापित किया जा रहा है। एफसीआई इन स्टील साइलो को समझौते के तहत 30 साल के लिए किराये पर लेती है।

यूआरएल क्लोकिंग, नकली केवाईसी व शैल कंपनियों से कमाए 800 करोड़

खच्चर खातों की मदद से निवेशकों का फंड गोल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। निवेशकों को उच्च रिटर्न देने का झूठा वादा किया। वेबसाइट का यूआरएल छिपाया यानी 'यूआरएल क्लोकिंग' का सहारा लिया। उसके बाद नकली केवाईसी किया। धन को घुमाने के लिए शैल कंपनियां खोली और खच्चर खातों की मदद से निवेशकों का फंड गोल कर दिया। जब भी कोई निवेशक पूछता, उन्हें कहा जाता कि उनका फंड अच्छी जगह लगा है, बड़ा रिटर्न मिलेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई जोनल कार्यालय ने इस मामले का खुलासा किया है। पिछले सप्ताह जांच एजेंसी ने मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और गुड़गांव में सात स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत छापेमारी की थी। तलाशी की कार्रवाई के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस पाए गए। उन्हें जब्त कर लिया गया।

सोने में गिरावट, चांदी महंगी : सोना 563 गिरकर 98,810 पर आया

चांदी 1.07 लाख रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 17 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सोना 563 गिरकर 98,810 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना पर 99,373 था। ये इसका ऑलटाइम हाई भी है। वहीं चांदी की कीमत 252 बढ़कर 1,06,952 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,06,700 पर थी। 10 जून को चांदी ने 1,07,000 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

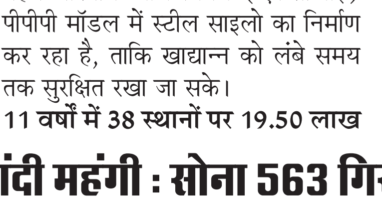

भोपाल सहित 4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,520 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,370 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,000

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,370 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,000

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,370 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,000

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,050

हैदराबाद : 24 कैरेट सोने की कीमत 105,617 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने की कीमत 97,301

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 22,648 रुपए बढ़कर 98,810 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 20,935 रुपए बढ़कर 1,06,952 रुपए पर पहुंच गया है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं । इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सभी मतदान केंद्रों पर कैमरे लगेंगे, लाइव मॉनीटरिंग होगी

अभी तक 50% सेंटर्स पर ही होती थी; बिहार चुनाव से लागू होगा नियम

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। वोटिंग प्रोसेस की निगरानी बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) अब सभी मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग करेगा। ईसी ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव से यह फैसला लागू किया जाएगा। वेबकास्टिंग डेटा आयोग के इंटरनल यूज के लिए होगा। मतलब इसे सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। अभी तक 50% पोलिंग स्टेशन की ही वेबकास्टिंग की जाती थी। इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले इलाकों में वेबकास्टिंग की जाएगी। जिन इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है वहां वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी जैसी ऑप्शनल व्यवस्था की जा सकती है। प्रदेश, जिला और विधानसभा सीट स्तर पर वेबकास्टिंग मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। इसकी देखरेख और निगरानी के लिए प्रत्येक स्तर पर नोडल ऑफिसर नियुक्त किए जाएंगे।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले की वजह से बदला नियम

अधिकारियों ने बताया था कि एआई के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नरेटिव फैलाया जा सकता है। इसी कारण इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पब्लिक करने पर रोक लगाई गई। हालांकि बदलाव के बाद भी ये रिकार्ड्स कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। दरअसल, पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक केस में हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े दस्तावेज याचिकाकर्ता से साझा करने का निर्देश दिया था। इसमें सीसीटीवी फुटेज को भी नियम 93(2) के तहत माना गया था। हालांकि चुनाव आयोग ने कहा था कि इस नियम में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल नहीं है। इस अस्पष्टता को दूर करने के लिए नियम में बदलाव किया गया।

ईसी ने हाईकोर्ट को बताया था कि नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, रिजल्ट और इलेक्शन अकाउंट स्टेटमेंट जैसे दस्तावेजों का उल्लेख कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल में है। आचार संहिता के दौरान उम्मीदवारों के सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते।

ईसी के एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि पोलिंग स्टेशन की सीसीटीवी कवरेज और वेबकास्टिंग कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल के तहत नहीं की जाती, बल्कि यह ट्रांसपेरेंसी के लिए होती है। वहीं, आयोग के एक अधिकारी ने कहा था कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां नियमों का हवाला देकर इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे गए।

सरकार ने पिछले साल नियम बदला था

केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर, 2024 को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए नियम बदले थे। ईसी की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल- 1961 के नियम 93(2)(A) में बदलाव किया था। नियम 93 कहता है- चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे। इसे बदलकर चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज 'नियमानुसार' पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे कर दिया गया था। नियम में बदलाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस की याचिका लंबित है।

शिलॉन्ग पुलिस ने किया राजा मर्डर केस का रीक्रिएशन

शिलॉन्ग, 17 जून (एजेंसियां)। शिलॉन्ग पुलिस मंगलवार सुबह राजा रघुवंशी मर्डर केस के आरोपियों को लेकर सोहरा पहुंची। सोहरा के वेई सावडोंग फॉल्स पर हत्याकांड का रीक्रिएशन किया। यहां फोरेंसिक डिपार्टमेंट और एसडीआरएफ की टीमें भी मौजूद रहीं। मेघालय की डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने कहा- जांच अधिकारी हत्या का कारण केवल लव ट्राएंगल ही नहीं मान रहे हैं। यह असामान्य है कि शादी के कुछ दिनों के भीतर ही सोनम अपने पति के प्रति इतनी दुश्मनी पैदा कर ले। हम इस हत्या के सभी संभावित एंगल की जांच कर रहे हैं। हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं। डीजीपी नोंग्रांग ने बताया कि सोनम ने पति की हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल कर ली है। एसआईटी ने असम और कुछ अन्य राज्यों की पुलिस से सहायता मांगी है, जहां आरोपी हत्या करने से पहले और बाद में रहे हैं।

एडीजीपी की गिरफ्तारी मामले में सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

> उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर हुई अपील

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के एडीजीपी की गिरफ्तारी के मद्रास उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस उज्जल भुइंया और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने कहा कि वे बुधवार को याचिका पर सुनवाई करेंगे। मद्रास उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में तमिलनाडु के एडीजीपी एचएम जयराम को अपहरण के एक मामले में गिरफ्तार करने का आदेश दिया था।

गौरतलब है कि सोमवार को तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने राज्य के एडीजीपी एचएम जयराम को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। यह गिरफ्तारी अपहरण से जुड़े मामले में हुई थी। उच्च न्यायालय के जस्टिस पी वेलमुरुगन की पीठ

ने विधायक एम जगन मूर्ति की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए एडीजीपी की गिरफ्तारी का निर्देश दिया।

क्या है मामला

लक्ष्मी नाम की एक महिला ने अदालत में अपील कर बताया कि उसके बड़े बेटे ने एक लड़की से परिवार की सहमति के बिना प्रेम विवाह किया। इसके बाद लड़की के घरवाले कुछ बदमाशों के साथ उसके बड़े बेटे की तलाश में उनके घर पहुंचे। बड़े बेटे और बहू के न मिलने पर आरोपी छोटे बेटे को अपने साथ ले गए और मारपीट के बाद बेटे को एक होटल के पास घायल अवस्था में छोड़ गए। आरोप है कि छोटे बेटे को जिस वाहन से छोड़ा गया, वह एडीजीपी का सरकारी वाहन था। आरोप है कि विधायक ने पूरी घटना की साजिश रची। इसके बाद कोर्ट ने एडीजीपी और विधायक दोनों को उच्च न्यायालय में पेश होने को कहा और सुनवाई के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। जज ने अपने विस्तृत आदेश में कहा कि दो आरोपियों ने अपने कबूलनामे में एडीजीपी का नाम लिया है, ऐसे में कानून के मुताबिक एडीजीपी के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। उच्च न्यायालय इस मामले पर 26 जून को सुनवाई करेगा।

मंत्री मोहोल बोले-केंद्रीय पैनल तीन माह में देगा रिपोर्ट, यह अन्य जांचों का विकल्प नहीं

पुणे/अहमदाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। एअर इंडिया विमान दुर्घटना के बाद अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मृतकों की डीएनए जांच कराई जा रही है। अस्पताल के अधीक्षक राकेश जोशी ने बताया कि बीते 12 जून को हुए हादसे के बाद अब तक 135 लोगों के डीएनए का मिलान हो चुका है। 135 में से 101 लोगों के पार्थिव अवशेष संबंधित परिवारों को सौंप दिए गए हैं। जोशी ने बताया कि अन्य मृतकों की पहचान के लिए जांच की प्रक्रिया जारी है।

केंद्रीय मंत्री बोले-अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर जांच समिति 3 महीने में रिपोर्ट सौंपेगी

अहमदाबाद में हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच के लिए केंद्र सरकार ने समिति गठित की है। यह उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने मंगलवार को पुणे में एक सवाल के जवाब में कहा, एअर इंडिया बोइंग 787 ड्रीमलाइनर श्रेणी के 34 विमान संचालित करती है। इन विमानों में से 12 की सुरक्षा जांच की जा चुकी है। अब तक कोई समस्या नहीं पाई गई है।

13 जून को उच्च स्तरीय पैनल का गठन हुआ केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री ने उम्मीद जताई कि विमान के ब्लैक बॉक्स डेटा के

विश्लेषण से दुर्घटना के कारणों के बारे में सुराग मिलेंगे। बता दें कि केंद्र सरकार ने हादसे के अगले ही दिन, यानी 13 जून को उच्च स्तरीय पैनल का गठन कर जांच के आदेश दिए थे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यह साफ किया था कि विमान हादसे के बाद संबंधित संगठनों की तरफ से भी जांच हो रही है। ऐसे में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता वाले पैनल की जांच अन्य जांचों का विकल्प नहीं होगा।

'ब्लैक बॉक्स' विश्लेषण के बाद कई चीजें सामने आएंगी

हादसे के पांच दिन बाद जांच की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री मोहोल ने कहा, जांच चल रही है। हर छोटी-छोटी सूचना की जांच की जाएगी। 'ब्लैक बॉक्स' विश्लेषण के बाद कई चीजें सामने आएंगी। रिपोर्ट तीन महीने के भीतर प्रस्तुत की जाएगी। बता दें कि दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स में फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर शामिल हैं।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में बनी है जांच समिति

मोहोल ने कहा कि अहमदाबाद में अस्पताल के अधिकारियों ने 270 डीएनए नमूने एकत्र किए हैं। जांच एजेंसियां दुर्घटना के सभी संभावित कारणों की जांच कर रही हैं। इसमें विमान के दोनों इंजनों में थ्रस्ट की कमी, कई पक्षियों का टकराना या विंग फ्लैप की समस्या से जुड़े पहलू शामिल हैं। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने दिल्ली में अपनी पहली बैठक की।

समिति ने हादसे के संभावित कारणों के बारे में कई हितधारकों की राय सुनी। इसके अलावा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करके भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों ने बताया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) अलग से पूरे हादसे की जांच कर रहा है।

हरियाणा कांग्रेस ने मृत महिला नेता को प्रदेश सचिव बनाया

> रोहतक में हुई थी हिमानी की हत्या, पूर्व मंत्री के बेटे यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष बने : भाजपा का तंज

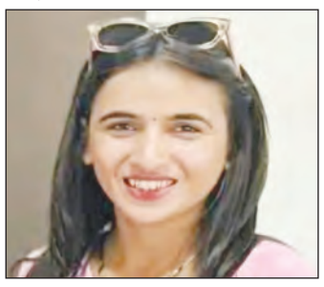

गुरुग्राम, 17 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में कांग्रेस ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति से पहले युवा कांग्रेस की नई प्रदेश और जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है। सोमवार देर रात को कांग्रेस ने इसकी सूची जारी की। सूची के अनुसार गुरुग्राम से पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया के बेटे निशित कटारिया को हरियाणा यूथ कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

इस लिस्ट में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें रोहतक निवासी हिमानी नरवाल को भी प्रदेश सचिव बनाया गया है। बता दें कि हिमानी नरवाल की इस साल मार्च महीने में हत्या कर दी गई थी।

उसका शव बंद सूटकेस में सांपला बस अड्डे के निकट पड़ा मिला था। नरवाल की मां सविता ने बरोदा से कांग्रेस विधायक इंदुराज नरवाल पर आरोपी को बचाने और हिमानी के 15 लाख ठगने का आरोप लगाया था। वे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग कर चुकी है।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि हरियाणा यूथ कांग्रेस के लिए 2024 में आवेदन मांगे गए थे। 20 दिसंबर 2024 तक आवेदन किए गए थे, जिसमें हिमानी नरवाल ने भी आवेदन किया था। 16 जनवरी तक मेंबरशिप पेमेंट की गई थी। कांग्रेस की तरफ से 19 मई को आवेदनों की छंटनी की गई, लेकिन हिमानी की मौत 28 फरवरी को हो चुकी थी और 1 मार्च को उसका शव मिला था। बावजूद इसके हिमानी के नाम को सचिव पद के लिए रखा गया। इसका परिणाम 16 जून को जारी किया गया। उधर, कांग्रेस की इस सूची पर भाजपा ने तंज कसा है। सोशल मीडिया पर भाजपा की तरफ से 'कांग्रेस शर्मनाक' का पोस्टर अपलोड किया गया।

युवक की पीट-पीटकर हत्या

गुरुग्राम, 17 जून (एजेंसियां)। गुरुग्राम के मारुति कुंज में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक का अपने दोस्त गिरधर के साथ बीती रात झगड़ा हुआ था, जिसके बाद वह मृत अवस्था में पाया गया। मृतक युवक की पहचान आदेश के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मारुति कुंज चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सोहना अस्पताल में भेज दिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है। पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही दोषियों को पकड़ लिया जाएगा।

मरीज के पेट में चम्मच : 30 मिनट में निकाली आठ सेमी लंबी स्पून

दुर्लभ मामले में डॉक्टरों ने किया कमाल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। शालीमार बाग स्थित निजी अस्पताल में एक 30-वर्षीय पुरुष की दुर्लभ और असामान्य मेडिकल इमरजेंसी की गई। डॉ. रमेश गर्ग, सीनियर डायरेक्टर एवं एचओडी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के डॉक्टरों की टीम ने गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी प्रक्रिया को 30 मिनट में किया गया और मरीज को अगले ही दिन स्थिर हालत में अस्पताल से छुट्टी दी गई। मरीज की शुरूआती जांच के बाद इमरजेंसी विभाग को रेफर किया गया था। जब मरीज यहां आए थे तो उनकी हालत स्थिर दिखायी दे रही थी। यहां उनके पेट के एक्स-रे समेत तत्काल डायग्नॉस्टिक इमेजिंग की गई, जिससे पता चला कि उनकी आंत के ऊपरी हिस्से में एक धातु का चम्मच फंसा हुआ था। मरीज की एनेस्थीसिया में तत्काल इमरजेंसी अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी की गई। सर्जिकल टीम ने फोरसेप की मदद से सावधानीपूर्वक मरीज के पेट से चम्मच निकाला। इस सर्जरी के बाद उन्हें 24 घंटे तक निगरानी में रखा गया। इस दौरान वह पूरी तरह स्थिर थे और उन्हें बिना किसी जटिलता के हेल्दी कंडीशन में डिस्चार्ज किया गया। डॉ. रमेश गर्ग ने बताया कि काफी दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण मामला था। चम्मच जैसी किसी धातु की वस्तु को निगलने से काफी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं, खासतौर पर यदि वह छोटी आंत के ऊपरी हिस्से में फंस जाए तो यह वाकई खतरनाक हो सकता है। ऐसे में समय पर डायग्नॉसिस और इंटरवेंशन काफी महत्वपूर्ण होता है। हमारी टीम ने एनेस्थीसिया के साथ इमरजेंसी अपर जीआई एंडोस्कोपी की और बेहद सटीकता के साथ 8 से.मी. लंबा चम्मच निकाला और इस प्रक्रिया में कोई आंतरिक चोट नहीं पहुंची।

हैदराबाद से जबलपुर लाए गए 11वें घोड़े की मौत

> गुर्दे की बीमारी थी; 57 में से अब 46 बचे, पशु चिकित्सा विभाग कर रहा निगरानी

जबलपुर, 17 जून (एजेंसियां)। हैदराबाद से जबलपुर लाए गए घोड़ों की मौत का सिलसिला जारी है। सोमवार को घोड़ा नंबर 052 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे मृत घोड़ों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। 57 घोड़ों में से अब केवल 46 ही जिंदा बचे हैं। इन्हें पशु चिकित्सा विभाग की निगरानी में रखा हुआ है।

इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर जल्द सुनवाई हो सकती है। जबलपुर निवासी सिमरन ईसर ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर कर घोड़ों को सुरक्षित स्थान पर रखने की मांग की है।

दरअसल, रायपुर निवासी सचिन तिवारी ने 29 अप्रैल से 3 मई के बीच हैदराबाद से 57 घोड़े ट्रकों से जबलपुर पहुंचाए थे। इन्हें पनागर

के रैपुरा गांव में रखा गया है, जहां 5 से 13 मई के बीच 8 घोड़ों की मौत हो गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन सक्रिय हुआ और जबलपुर कलेक्टर के निर्देश पर पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और इलाज शुरू किया गया। सभी घोड़ों के ग्लैंडर्स सैंपल लेकर हरियाणा स्थित हिसार के राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र भेजे गए, जहां सिर्फ एक घोड़े की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। अब तक जितने भी घोड़ों की मौत हुई है, उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रैपुरा गांव के बाहर दफनाया गया है। बताया गया है कि सोमवार को जिस घोड़े (नंबर 052) की मौत हुई है, वो लंबे समय से बीमार था। उसे पैरालिसिस और सीवियर कोलिक (गुर्दे की गंभीर बीमारी) हुआ था, जिससे वह भयंकर दर्द में था। उसकी ग्लैंडर्स रिपोर्ट नेगेटिव आई थी, इसके बावजूद उसकी मौत हो गई। इसके बाद डॉक्टरों की मौजूदगी में 10×10 फीट का गहरा गड्ढा खोदकर नमक, चूना और कीटनाशक छिड़काव के साथ उसे दफनाया गया।

इससे पहले,10वें घोड़े की मौत 4 दिन पहले हुई थी। पशु चिकित्सा विभाग के मुताबिक, मृत घोड़ा लेमिनाइटिस नामक बीमारी से पीड़ित था, जिसमें खुर के भीतर सूजन के चलते वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गया था। इसी घोड़े की ग्लैंडर रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई थी।

भाजपा सांसद ने कहा-हम दिल्ली को लंदन-पेरिस नहीं बना सकते

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने मंगलवार को कहा कि वे दिल्ली को लंदन और पेरिस नहीं बना सकते। दिल्लीवासियों को सबसे बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास अवश्य किया जाएगा। पिछली केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को लंदन-पेरिस बनाने का झूठा दावा किया था, लेकिन बाद भी दिल्ली जगह-जगह पर डूबती दिखाई पड़ी। दिल्ली में भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार बनने के साथ ही दिल्ली को बेहतर बनाने का काम शुरू किया जा चुका है और इसे लगातार आगे बढ़ाया जाएगा। सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की सरकार बनेगी और पूरे देश में सबको आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा।

जिस तरह केजरीवाल सरकार के पतन के बाद ही दिल्ली के लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिला, उसी तरह ममता बनर्जी की सरकार के जाने के बाद ही पश्चिम बंगाल की जनता को आयुष्मान योजना का लाभ मिल पाएगा। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि आज ही दिल्ली सरकार ने 33 आरोग्य मंदिरों की शुरुआत कर लोगों को उनके घर के नजदीक मुफ्त चिकित्सा सुविधा देने की शुरुआत कर दी है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता शुभेंदु शेखर अवस्थी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने अपने कार्यों के माध्यम से बड़ा परिवर्तन करने का कार्य किया है। यह बदलाव देश के हर हिस्से में, कश्मीर और दिल्ली से लेकर कन्याकुमारी तक दिखाई दे रहा है।

हरियाणवी मॉडल के कत्ल की पहले से थी प्लानिंग

होटेलियर बॉयफ्रेंड ने कार में चाकू रखा था, मौका मिलते ही 8 बार गोदा, लाश लिए घूमता रहा

पानीपत, 17 जून (एजेंसियां)। हरियाणवी मॉडल शीतल उर्फ सिम्मी चौधरी का होटेलियर बॉयफ्रेंड लंबे टाइम से उसकी हत्या की फिराक में था। इसीलिए उसने प्लानिंग कर कार में खास तौर पर चाकू रखा था। मगर, शीतल अकेले उसके साथ कार में आने को राजी नहीं थी। हालांकि 14 जून को उसे मौका मिला तो उसने 8 बार चाकू मारकर शीतल की हत्या कर दी। उसने पहले छाती और हाथ पर चाकू मारे और फिर सिम्मी का गला रेत दिया। सोनीपत में हुए पोस्टमॉर्टम के बाद आई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। पोस्टमॉर्टम करने वाले बोर्ड से जुड़े डॉक्टरों ने कहा कि हत्या गला काटकर की गई है। सिम्मी की छाती और कलाई पर भी चाकू के गहरे घाव मिले हैं। वहीं पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि सिम्मी की हत्या के बाद करीब एक घंटे तक बॉयफ्रेंड उसकी लाश को ठिकाने लगाने के लिए कार में लेकर घूमता रहा। आखिर में उसने इसे हादसा बनाने के लिए पहले सिम्मी की लाश नहर में फेंकी। इसके बाद कार पानीपत नहर में उतार दी। चूंकि वह अच्छा तैराक है, इसलिए खुद तैरकर बाहर आ गया और फिर पुलिस को फोन कर हादसा बता दिया। पुलिस ने कल आरोपी सुनील को अस्पताल से गिरफ्तार किया था। जिसके बाद आज मंगलवार को उसे कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेगी। पानीपत पुलिस की जांच में यह भी पता चला कि कार में सिम्मी को किसी लड़के का फोन आया था, जिस पर सुनील भड़क गया और बहस करने के बाद चाकू मारकर मॉडल की हत्या कर दी। वहीं परिवार की तरफ से सोमवार देर शाम ही मॉडल का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मुख्यमंत्री-रेल मंत्री ने गतिशक्ति मल्टीमाडल कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन किया

गुरुग्राम, 17 जून (एजेंसियां)। गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सैनी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के मारुति-पातली ट्रैक का शुभारंभ करने मारुति प्लांट में पहुंचे हैं। यहां उन्होंने यंग गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल का भी उद्घाटन किया। इस दौरान कारें लादने वाली एक विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि न केवल मानेसर बल्कि देश के 380 शहरों तक कार पहुंचाना सुलभ होगा। इसके अलावा निर्यात किए जाने वाले वाहनों को मुंद्रा पोर्ट तक सीधे पहुंचाया जा सकेगा। यह हरियाणा को वैश्विक सप्लाई चेन से सीधे तौर पर जोड़ने का काम करेगा।

हरियाणा के गवर्नर से मिले दिग्विजय चौटाला

एचएयू का मुद्दा उठाया, कहा-एफआईआर काफी नहीं, वीसी को हटाया जाए; छात्र प्रतिनिधि भी रहे मौजूद

चंडीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में छात्र और प्रशासन का विवाद अब राजभवन तक पहुंच गया है। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के युवा अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात की और उन्हें छात्रों पर चलाई गई लाठियों की घटना की जानकारी दी। दिग्विजय ने राज्यपाल से मांग की कि एचएयू के वाइस चांसलर को पद से हटाकर दोषियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि केवल एफआईआर दर्ज करना ही काफी नहीं है।

जेजेपी नेता ने बताया कि उन्होंने छात्र प्रतिनिधियों संग राज्यपाल से मुलाकात की थी और उन्हें विश्वास है कि राज्यपाल इस मामले की जांच करवाकर कार्रवाई करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों ने परीक्षाओं का बहिष्कार किया हुआ है, इसलिए उनके साथ न्याय किया जाना चाहिए। हरियाणा के हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार 10 जून देर रात को वाइस चांसलर (वीसी) आवास के बाहर सिक्योरिटी गार्ड्स ने स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज कर दिया था। इसमें 20 से ज्यादा स्टूडेंट घायल हो गए थे। 6 स्टूडेंट्स को गंभीर चोटें आई थीं, जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मंगलवार सुबह स्टूडेंट दोपहर को स्कॉलरशिप पॉलिसी के विरोध में वीसी से मिलने पहुंचे थे। यहां उनका सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ विवाद हो गया। स्टूडेंट्स ने आरोप लगाया कि उनके साथ मारपीट की गई। रात को वे इसके विरोध में वीसी आवास के बाहर पहुंचे तो सिक्योरिटी गार्ड्स ने उन्हें दोबारा खदेड़ दिया और लाठीचार्ज किया। इसके बाद स्टूडेंट्स की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने यूनिवर्सिटी के सिक्योरिटी इंचार्ज सुखबीर सिंह, प्रोफेसर राधेश्याम, रजिस्ट्रार पवन कुमार, सुमन, नरेंद्र, जगमेश पूनिया, अनूप और बिजेंद्र के खिलाफ धारा 110, 190, 191(2), 191(3) और 351(3) के तहत केस दर्ज कर लिया था।

नीतीश के इन मंत्रियों ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

विपक्ष के बारे में कहा-उनके पास मुद्दा ही नहीं

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। मुख्यमत्री नीतीश कुमार पार्टी के वरिष्ठ नेता-नेत्री और बिहार सरकार के तीन मंत्रियों ने प्रेस वार्ता की। तीनों से नीतीश सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। साथी ही विपक्ष पर भी जमकर हमला बोला। बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी, जमा खान और लेसी सिंह ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में केंद्र और राज्य की एनडीए सरकारों की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। इसलिए वह लगातार एनडीए सरकार पर सवाल उठा रहा है।

मंत्री विजय कुमार चैधरी ने कहा कि विश्व बैंक द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्तर पर गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। यह हमारे लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है कि बिहार उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है, जिन्होंने इस राष्ट्रीय उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की दूरदर्शी नीतियों के चलते गरीबों की आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है। बिहार के विकास की चर्चा आज देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंचों पर भी हो रही है, लेकिन विपक्ष को यह प्रगति दिखाई नहीं देती। यह उनकी संकीर्ण सोच का परिचायक है। राजद पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अगर राजद परिवारवाद जैसे विषयों पर बात करता है, तो इससे अधिक हास्यास्पद कुछ नहीं हो सकता है।

अनर्गल आरोपों का सहारा ले रहा विपक्ष

मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह अनर्गल आरोपों का सहारा ले रहा है। लेकिन बिहार की जागरूक जनता उसकी हर चाल को नाकाम करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ पुनः सरकार बनाएगी, समाज के सभी वर्गों का भरोसा नीतीश कुमार पर अटूट है।

आगामी चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे

मंत्री जनाब जमा खां ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के कल्याण और उत्थान के लिए हमारे नेता नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों का सकारात्मक असर आज धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वहीं, विपक्ष की भूमिका अब केवल झूठ और भ्रम फैलाने तक सीमित रह गई है, जिसे जनता भली-भांति समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि शाहाबाद क्षेत्र में एनडीए की स्थिति लगातार मजबूत हुई है और आगामी चुनाव में हम निश्चित रूप से ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे।

जदयू कार्यालय में जनसुनवाई हुई थी

दरअसल, जनता दल यूनाईटेड के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चैधरी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जनाब जमा खां ने विभिन्न जिलों से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं जद (यू0) अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी एवं जनाब मेजर हैदर इकबाल एवं जनाब इरशाद अली आजाद भी उपस्थित थे।

जाति जनगणना का कार्य देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए : मायावती

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर जातीय जनगणना को लेकर सरकार से कहा कि जनगणना का काम देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां वर्णित की हैं, वे जमीनी हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात जन और देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, सही समय आने पर जनता खुद उनका जवाब दे देगी, जिसकी पूरी उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि देश में राष्ट्रीय और जातीय जनगणना का भी कार्य कांग्रेस के समय से लटका पड़ा था, जिस पर काफी आवाज उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय से ईमानदारी पूर्वक पूरा होना चाहिए। केंद्र इस पर ध्यान दे। मायावती ने कहा कि इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने और उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से सम्बन्धित दिए गए कार्यों की समीक्षा उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी छोटी-छोटी बैठकों के जरिए विचार-विमर्श लगातार जारी है। पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान जरूरी है। यह अभियान मेरे द्वारा बैठकों से शुरू होकर अनवरत जारी है। ताजा बैठक पूर्वांचल में पार्टी संगठन की तैयारी और जनाधार को बढ़ाने के संबंध में हुई और सख्ती भी की गई। साथ ही, बिहार में होने वाले विधानसभा आम चुनाव से सम्बन्धित रणनीति पर भी तैयारी जारी है ताकि बेहतर रिजल्ट आ सके। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार ने जनगणना के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। अब जातीय जनगणना का रास्ता साफ हो गया है। अब पूरे देश में मार्च 2027 की रेफरेंस तिथि से जातीय जनगणना कराई जाएगी। हालांकि, इससे पांच महीने पहले अक्टूबर 2026 में पहाड़ी राज्यों में जातीय जनगणना का कार्यक्रम पूरा कर लिया जाएगा। यानी इन राज्यों में अक्टूबर 2026 में आबादी से जुड़े जो भी आंकड़े होंगे, वही रिकॉर्ड में दर्ज किए जाएंगे।

यूपी में जल्द ही खत्म होगा मानसून का इंतजार

19 और 20 जून को होगी मूसलाधार बारिश

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लोगों को झुलसा देने वाली लू और तपिश वाली गर्मी से अब राहत मिलने वाली है। मानसून का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 18 जून की देर शाम से लेकर 19 जून के बीच प्रदेश के पूर्वी हिस्से से होते हुए यूपी में मानसून दाखिल होगा। इसके साथ ही 19 व 20 जून को प्रदेश में पूरब और पश्चिम के विभिन्न इलाकों में मध्यम से भारी मानसूनी बारिश के संकेत हैं ।

मौसम विभाग की ओर से बुधवार के लिए दक्षिणी हिस्सों वाराणसी, सोनभद्र, मिर्जापुर समेत तराई के कुल 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। वहीं पूर्वी यूपी के 22 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की संभावना का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज आदि में तेज झोंकेदार हवाएं चलने के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 19 व 20 जून को यूपी के विभिन्न हिस्सों में माध्यम से भारी बारिश के संकेत हैं।

बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में बने लो प्रेशर सिस्टम अगले दो-तीन दिन में आपस में मर्ज हो जाएंगे। मानसूनी बारिश का यह दौर तराई और पूर्वी यूपी से शुरू होकर दक्षिणी और मध्य यूपी समेत बुंदेलखंड आदि को अपने असर में लेते हुए अगले चार-पांच दिनों तक जारी रहने वाला है।

डीएम के चालक की बेटी का कत्ल

हाथरस, 17 जून (एजेंसियां)। हाथरस में जिलाधिकारी के चालक राकेश शर्मा पुरानी बातों को याद कर खुद को कोस रहे हैं और कहते है कि पुत्रवधू ज्योति के प्रेमी गुलशन उपाध्याय ने दो बार बेटी कल्पिता शर्मा को जान से मारने की धमकी दी थी, आखिरकार उसे मार ही डाला। अगर उन्होंने उन धमकियों को गंभीरता से ले लिया होता तो शायद इस घटना को टाला जा सकता था। राकेश शर्मा ने बताया कि उनके बेटे विशाल की शादी करीब चार वर्ष पूर्व खौंडा हजारी निवासी ज्योति के साथ हुई थी।

अखिलेश बोले-2027 का चुनाव राहुल के साथ लड़ेंगे

जिसे गठबंधन के बाहर जाना है, चला जाए-सीएम हेलिकॉप्टर से खेत देखते हैं

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा। इमरान मसूद के बयान पर उन्होंने कहा कि हम इंडिया गठबंधन में हैं। जिसे बाहर जाना है, चला जाए। इमरान मसूद ने कहा था कि आजम खान की बर्बादी पर अखिलेश की जुबां क्यों नहीं खुलती। 2022 में मुसलमानों ने सपा को एकतरफा वोट दिया। फिर भी आप सरकार नहीं बना पाए।

सपा प्रमुख ने कहा-बीजेपी सरकार मंडी नहीं चलाएगी, आपको ऑर्गेनिक वाइन पिलाएगी। आम पर नहीं वाइन पर ध्यान देगी। इनका एजेंडा नौकरी, कारोबार नहीं लोगों को डराना है। बीजेपी के प्रोपेगंडा का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। ये लोग फर्जी न्यूज बनाकर बदनाम कर सकते हैं। गुजरात के अहमदाबाद में प्लेन क्रैश की इतना बड़ा हादसा हो गया। मगर किसी जिम्मेदार ने इस्तीफा नहीं दिया। बीजेपी, आरएसएस के वाट्सएप ग्रुप के जरिए लोगों को भ्रमित कर रही है। पीडीए इमोशनल गठबंधन है। पी फॉर पसमांदा समाज भी हमारे साथ है। सपा प्रमुख ने यह बातें लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं।

कौशांबी में 2 डिप्टी सीएम ने माहौल बिगाड़ा

अखिलेश ने कहा- कौशाम्बी में दो डिप्टी सीएम ने माहौल खराब कर दिया। जिसका जो काम है, वही नहीं कर रहा है। जिनके पास स्वास्थ्य विभाग का काम है, वह क्या कर रहे हैं। मेडिकल कालेज में इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। यह घटना पहली बार नहीं हो रही है कि ओवरडोज की वजह से जान गई हो। गलत दवाई देने से जान गई है। सरकार मुआवजा नहीं देगी। आप नाम भिजवा दो, सरकार पांच लाख रुपए भेजवा दे। बीजेपी हर जगह तिकड़म की कोशिश कर रही है।

बिजली महंगी होने जा रही, मोबाइल चार्ज नहीं कर पाएंगे

बीजेपी की सरकार में गेहूं खरीद नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री जी फसल को देखने हेलिकॉप्टर से निकले थे। उन्होंने जिस रुट पर हवाई यात्रा की, वहां कहीं भी खरीद नहीं हो रही। अखिलेश ने कहा कि बुनकर सौहार्द का तानाबाना भी बुनते रहे हैं। इसलिए हमारा मानना है कि आप अपनी समस्याएं और सुझाव दें, जिसे हम मेनिफेस्टो में शामिल करेंगे। बिजली महंगी होने जा रही है। मोबाइल चार्ज करने में भी आने वाले समय में दिक्कत होगी। पहले सुनते थे डीसीएम और ओसीएम के बीच टकराव था। मगर अब तो डिब्बे भी टकरा रहे हैं। बीजेपी वाले ग्राम सभा बढ़ाकर बूथ मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं। एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। आने वाले चुनाव में कार्यकर्ताओं को देखना चाहिए कि हमें किस बूथ पर वोट मिला है। उसे हम कैसे रोक सकते हैं।

नसबंदी करवाने वाली सरकार गिर गई थी

बदायूं में पटेल समाज के नौजवान के साथ अन्याय हुआ है, उसे न्याय मिलना चाहिए। सरकार के करीबी लोग कानून नहीं मानते। केजीएमयू में जबरन नसबंदी की घटना पर अखिलेश ने कहा- एक बार ऐसा एक सरकार ने किया था, वह सरकार चली गई थी। यूपी में प्राइमरी स्कूलों में बच्चों की संख्या लगातार कम हो रही है। उसका स्तर गिराया जा रह रहा है। प्राइम लैंड पर सारे स्कूल हैं, सरकार साजिश रच रही है कि इंटरमीडिएट स्कूलों की जमीनों पर भाजपा की नजर है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने आकाश आनंद को दी शुभकामनाएं

बताया राजनीति का नया खिलाड़ी; गठबंधन पर कही बडी बात

लखीमपुर खीरी, 17 जून (एजेंसियां)। अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं लोक मोर्चा संयोजक स्वामी प्रसाद मौर्य ने बसपा के मुख्य नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद को राजनीति का नया खिलाड़ी बताया है। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद राजनीति में अभी बहुत नए हैं। उनको शुभकामनाएं हैं। बहनजी (मायावती) बार-बार आकाश को पार्टी से बाहर कर देती हैं, जिससे उनकी प्रतिभा कुंठित होती है। आकाश को और महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन इस महत्व को काट-पीटकर बराबर न कर दें। बहनजी से ऐसी अपेक्षा है।

संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा कार्यक्रम के सिलसिले में पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य मंगलवार को लखीमपुर के कृष्णा मैरिज हाल पहुंचे। यहां उन्होंने प्रेसवार्ता की, जिसमें भाजपा की केंद्र व प्रदेश की सरकार उनके निशाने पर रही। इस दौरान उन्होंने समान विचारधारा वाले दलों से गठबंधन करने के संकेत भी दिए। कहा कि एक जैसी विचारधारा वालों से हाथ मिलाने की जरूरत पड़ी तो वह गुरेज नहीं करेंगे। उनके लोक मोर्चा को नौ क्षेत्रीय दलों ने समर्थन दिया है।

भाजपा सरकार पर साधा निशाना

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा की सरकारें केवल देश को बेचने का काम कर रही हैं। इन दिनों सरकारी नौकरियों बिल्कुल खत्म कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पूरा देश समस्याओं से जूझ रहा है। आज महंगाई शीर्ष पर है। आलम यह है कि 140 करोड़ में 80 करोड़ की आबादी 5 व 10 किलो चावल, गेहूं पर अटक गई है। करोड़ों नौजवान बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश के 27000 प्राथमिक विद्यालय बंद हो गए, जो योगी सरकार की असफलता का सबसे बड़ा सबूत है। यह लोग ग्रामीण शिक्षा को खत्म करने पर तुले हुए हैं। भाजपा सरकार की सोच है कि लोग न पढ़ने को आएंगे और न नौकरी मांगेंगे। योगी सरकार का जमीनी हकीकत से कोई वास्ता नहीं है।

'देश को बनाया जा रहा बेरोजगारी का अड्डा'

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को गुमराह करते हुए यह कह रहे हैं कि देश को विश्वगुरु बनाएंगे, दूसरी तरफ देश को बेरोजगारी का अड्डा बनाया जा रहा है। एक तरफ वह किसानों को अन्नदाता कहते हैं और दूसरी तरफ किसानों को लाभकारी मूल्य घोषित भी नहीं कर रहे हैं, जिससे देश के किसान मजबूर और परेशान हैं। पूर्व मंत्री ने कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में जंगलराज जैसी स्थिति है।

बिजली गिरने से छह लोगों की मौत

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। बिहार के बगहा (पश्चिम चंपारण) और बक्सर जिलों में सोमवार को बिजली गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा, आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बिजली गिरने की घटना के बाद प्रभावित गांवों में मातम का माहौल बना गया है, जहां परिवार अपने प्रियजनों की अप्रत्याशित मौत पर शोक मना रहे हैं।

अब बीए पास विद्यार्थी भी कर सकता है एमएससी

ढाई साल में मिल जाएगी तीन साल वाली डिग्री

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र से तीन साल वाली डिग्री, ढाई साल में ही हासिल की जा सकेगी। इसके लिए स्नातक के आर्डिनेंस में बदलाव किया जा रहा है। इसके लिए विद्यार्थी को जरूरी क्रेडिट पूरे करने होंगे। जरूरी क्रेडिट पूरे होते ही परीक्षा कराकर उसे डिग्री दे दी जाएगी। लविवि की डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा के मुताबिक नई शिक्षा नीति विद्यार्थी आधारित शिक्षा की बात करती है। इसमें स्ट्रीम की बाधा समाप्त कर दी गई है। इसके बाद अब बीए पास विद्यार्थी भी एमएससी की पढ़ाई कर सकता है। इस साल से लविवि नया बदलाव करने जा रहा है। अगर कोई विद्यार्थी मेधावी हैं और वह तीन साल वाले पाठ्यक्रम की पढ़ाई कम अवधि में ही करना चाहता है तो फिर उसे इसकी सहूलियत मिलेगी।

विद्यार्थी को सिर्फ कोर्स के लायक जरूरी क्रेडिट हासिल करने होंगे। क्रेडिट का आशय एक सप्ताह में उस विषय की पढ़ाई जाने वाली कक्षाओं से होता है। अगर विद्यार्थी इन कक्षाओं के साथ ही किसी प्रोजेक्ट, असाइनमेंट या सेमिनार आदि के माध्यम से क्रेडिट हासिल करता है तो उनको भी डिग्री की गणना में शामिल किया जाता है। इसी के आधार पर विद्यार्थी को तीन साल से कम अवधि में ही डिग्री हासिल करने की अनुमति मिल जाती है। इसे एब्रेबिवेटेड डिग्री प्रोग्राम कहा जाता है।

बरेली में कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारी शुरू

जत्थों का रहेगा रिकॉर्ड, एसएसपी ने दिए निर्देश

बरेली, 17 जून (एजेंसियां)। बरेली में पिछले साल की तरह इस बार भी कांवड़ सेल का गठन किया जाएगा। कांवड़ यात्रा के दौरान जिलेभर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। बता दें कि 11 जुलाई से सावन माह की शुरुआत हो रही है। इसी के साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाएगी। शहर के प्रमुख नाथ मंदिरों में कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ती है। बड़ी संख्या कांवड़ियों के जत्थे निकलते हैं। कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। ए स ए स पी अनुराग आर्य ने बताया कि कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिले के सभी थाना प्रभारियों को सुरक्षा की तैयारियों के लिए निर्देशित किया है। किस थाने से कितने जत्थे निकलते हैं, कांवड़िये किस वाहन का इस्तेलाम करते हैं। इन सभी का डाटा जुटाया जा रहा है। इस बार भी कांवड़ सेल का गठन किया जाएगा। डाटा बेस तैयार किया जाएगा, जिससे किसी को कोई असुविधा न हो। ट्रैफिक व्यवस्था भी ऐसी रहेगी, जिससे कांवड़ यात्रियों व स्थानीय लोगों को परेशानी न हो। शिव मंदिरों पर सुरक्षा को लेकर कमेटियों के साथ बैठक की जाएगी। इसकी तैयारी शुरू करा दी गई है। पिछले साल से बेहतर व्यवस्था रहेगी।

कांग्रेस पैदाइशी रूप से पिछड़ा विरोधी पार्टी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर पिछड़ा वर्ग विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये दल पिछड़ों के नाम पर राजनीतिक लाभ तो उठाते हैं, लेकिन वास्तव में इनका विकास नहीं करते।

केशव मौर्य ने कहा, "कांग्रेस पैदाइशी रूप से पिछड़ों की विरोधी पार्टी है। सपा और राजद के नेता अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव पिछड़ों की बात तो करते हैं, लेकिन उनके हितों को हड़प लेते हैं। इन दलों ने हमेशा पिछड़ा वर्ग के नाम पर वोट बटोरे, लेकिन उन्हें विकास की मुख्यधारा में नहीं लाया।" उन्होंने आगे कहा कि जातिगत जनगणना से उन समुदायों को लाभ मिलेगा, जो अब तक शिक्षा, सरकारी नौकरी और राजनीतिक हिस्सेदारी से वंचित रहे हैं। यह जनगणना उनके लिए नए रास्ते खोलेगी और उनका भविष्य उज्ज्वल होगा।

'एमएसपी पर दलहन तिलहन खरीद के लिए नई व्यवस्था होगी लागू'

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बड़ा ऐलान

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने किसानों को राहत देते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दलहन और तेलहन की खरीद के लिए नई प्रक्रिया लागू करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था भारत सरकार की मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत लागू की जाएगी। इसकी जानकारी राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दी।

किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

सम्राट चौधरी ने बताया कि इस नई प्रक्रिया से किसानों को बाजार मूल्य की अनिश्चितता से राहत मिलेगी और राज्य सरकार को कृषि उत्पादन व मूल्य नियंत्रण में अधिक पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी।

नई पीएसएस प्रणाली लागू

उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अब तक जो व्यवस्था रबी विपणन मौसम 2020 21, 2021 22 और 2024 में लागू थी, उसे पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा।अब पैक्स (पीएसीएस) और व्यापार मंडल के माध्यम से किसानों से एमएसपी पर फसलें खरीदी जाएंगी। इस पूरे कार्य का संचालन सहकारिता विभाग के अंतर्गत किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में कार्य करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह नई व्यवस्था बिहार के लाखों किसानों को आर्थिक मजबूती देने का मजबूत आधार बनेगी।

मुख्तार अंसारी की फरार पत्नी आफ्शा अंसारी का बैंक खाता फ्रीज, 8.91 लाख रुपये की राशि जब्त

गाजीपुर, 17 जून (एजेंसियां)। गाजीपुर पुलिस ने गैंगस्टर मुख्तार अंसारी की फरार पत्नी आफ्शा अंसारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसका बैंक खाता फ्रीज कर दिया है। लखनऊ स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की यूपी सिविल सचिवालय शाखा में संचालित खाते में जमा 8 लाख 91 हजार 268 रुपये की पूरी धनराशि पुलिस ने फ्रीज कर दी है। कोतवाली थाना प्रभारी को सूचना मिली थी कि आफ्शा अंसारी का खाता इस शाखा में है, जिसमें जमा रकम की सत्यता संदिग्ध प्रतीत हुई। इसके बाद बैंक अधिकारियों से संपर्क कर खाते की पूरी रकम फ्रीज कराई गई। बता दें कि आफ्शा अंसारी लंबे समय से फरार है और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है। उसके खिलाफ गाजीपुर कोतवाली में कई गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं, जिनमें धोखाधड़ी, जबरन वसूली और धमकी जैसी धाराएं शामिल हैं। उस पर दर्ज मुकदमों में केस संख्या 96/2023 (धारा 406, 420, 386, 506) और केस संख्या 667/2020 (धारा 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट) प्रमुख हैं।

बिजली चोरी मामला : कोर्ट के आदेश पर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने जमा किए 6 लाख रुपए

संभल, 17 जून (एजेंसियां)। यूपी के संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बिजली चोरी मामले में मंगलवार को छह लाख रुपए जमा कराए हैं। सांसद के अधिवक्ता ने न्यायालय के आदेश के बाद 6 लाख रुपए का ड्राफ्ट बिजली विभाग के दफ्तर में जमा कराया है। अधिशासी अभियंता नवीन गौतम ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि बिजली चोरी मामले में 3 जून को कोर्ट ने आदेश दिया था कि छह लाख रुपए जमा कराया जाए।

उसी के तहत सांसद के अधिवक्ता ने बिजली दफ्तर पहुंचकर 6 लाख रुपए जमा कराए जाएं। दरअसल, विभाग ने बिजली चोरी रोकने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया था। इसी अभियान के दौरान पिछले साल 19 दिसंबर को विभागीय अधिकारियों ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास पर बिजली चोरी का मामला पकड़ा था।

जातीय जनगणना मामले में कांग्रेस पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने साधा निशाना, बीजेपी को लेकर भी कही बड़ी बात

जोधपुर, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वो कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के दौरान जो फोन टैपिंग हुई थी, उसके खुलासे खुद मुख्यमंत्री के तत्कालीन ओएसडी ने किए थे, इसलिए कांग्रेस फोन टैपिंग मामले पर अपना नैतिक अधिकार खो चुकी है। मंगलवार को अपने निवास पर मीडिया से बात करते हुए गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत सरकार के मंत्री, विधायक और उप मुख्यमंत्री खुद उन पर टिप्पणी करते थे, इसलिए दूसरों पर आरोप लगाने से अच्छा है कि पहले कांग्रेस को स्वयं अपने भीतर झांकना चाहिए।

भाजपा सामूहिक निर्णय लेने वाली पार्टी

जातीय जनगणना पर कांग्रेस की दी गई प्रतिक्रिया पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जब कोई विषय समझ में न आए या जानबूझकर न समझा जाए तो उस नासमझी पर प्रतिक्रिया देने के बजाय कभी-कभी विनोद कर लेना ज्यादा बेहतर होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सामूहिक निर्णय लेने वाली पार्टी है, जो परिवार भाव से काम करती है।

पीएम मोदी का सम्मान, पूरे भारतवर्ष का सम्मान

केंद्रीय मंत्री ने साइप्रस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मान को लेकर प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह न केवल प्रधानमंत्री का, बल्कि पूरे भारतवर्ष का सम्मान है, जो हम सभी भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री ने विश्व के हर कोने में जाकर भारत की कूटनीतिक ताकत को बढ़ाया है, जो देश के 140 करोड़ जनता का सम्मान है।

भारत विरोधियों के हौसले पस्त

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग भारत का विरोध कर रहे हैं, उरी, पुलवामा और पहलगाम के बाद जिस तरह भारत ने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई है, उससे उनके हौसले पस्त हैं, इसलिए ऐसे लोग भारत का विरोध करने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं, लेकिन इससे भारत पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव आज सुबह जोधपुर प्रवास के दौरान केन्द्रीय संस्कृति एवम् पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के निज निवास पर। सूचना विभाग जोधपुर

मंत्री भूपेन्द्र यादव का गजेन्द्र सिंह शेखावत शेखावत ने किया स्वागत

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव आज सुबह जोधपुर प्रवास के दौरान केन्द्रीय संस्कृति एवम् पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के निज निवास स्थान पर शिष्टाचार करने पहुंचे। केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने निज निवास पर भूपेन्द्र यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र पालीवाल, जिला महामंत्री मनीष पुरोहित भी मौजूद रहे।

तांत्रिक ने खेला खूनी खेल, तीन की हत्या का आरोप

बेटे के घर से 40 लाख रुपए बरामद, तांत्रिक फरार

बीकानेर, 17 जून (एजेंसियां)। बीकानेर के खाजूवाला कस्बे से एक तांत्रिक द्वारा खूनी खेल खेलने का मामला सामने आया था। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी तांत्रिक के बेटे के घर से 40 लाख रुपए बरामद किए हैं। वहीं, आरोपी तांत्रिक अब तक फरार है।

बता दें कि आरोपी तांत्रिक ने सात लोगों को हलवे में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया था और 50 लाख रुपए लेकर फरार हो गया था। इसमें एक व्यक्ति की तो खाजूवाला में ही मौत हो गई और दो लोगों को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। जबकि, दो अन्य लोगों के शव बीकानेर से 15 किमी पहले शोभासर के पास खेत में मिले थे। घटना की शुरुआत खाजूवाला के वार्ड नंबर 16 से हुई थी।

गफार खां नामक व्यक्ति की अजमेर जिले के निवासी शैतान सिंह से पहचान थी। शैतान अपने चाचा के लड़के विक्रम सिंह, एक तांत्रिक और तीन अन्य लोगों के साथ खाजूवाला (बीकानेर) आया था। एक व्यक्ति ने खुद को तांत्रिक बताते हुए रुपए दोगुने करने का दावा किया। धीरे-धीरे गफार खां और उसके कुछ पहचान के लोग जाल में फंस गए।

शैतान सिंह गफार से तांत्रिक और दूसरे लोगों को मिलवाया था। गफार से 50 हजार रुपए लेकर एक लाख रुपए वापस लौटा दिए। फिर एक लाख लेकर दो लाख रुपये लौटाया। जब धीरे-धीरे विश्वास जमा लिया, तब गफार, सलमान और राजेंद्र पूनिया से 50 लाख रुपए मंगवाया। मौका पाते ही तंत्र विद्या के नाम पर हलवे में नशीली गोलियां खिलाया।

बता दें कि गफार ने तांत्रिक के कहने पर अपने परिवार को बाहर भेज दिया था। राजेंद्र ने 45 और गफार ने पांच लाख रुपये दिए थे। हलवा खाने के बाद एक का शव खाजूवाला और दो लोगों के शव शोभासर में मिले थे।

पुलिस ने बनाई नौ टीमें

एएसपी ग्रामीण कैलाश सिंह सांदू और सीओ अमरजीत चावला के नेतृत्व में नौ विशेष टीमें आरोपियों की तलाश के लिए गठित की गई हैं। मुख्य आरोपी तांत्रिक की गिरफ्तारी के लिए अजमेर सहित अन्य जिलों में भी दबिशें दी जा रही हैं।

वारदात के बाद से तांत्रिक एम. शिवा गायब है। तीन की मौत हुई है। जांच में तेजी के लिए नौ टीमें गठित की गई। सीसीटीवी कैमरे खंगालने के साथ-साथ तकनीकी रूप से पड़ताल कर रहे हैं। जल्द खुलासा होगा। तांत्रिक एम. शिवा की तलाश कर रहे हैं।

बालोतरा दिशा समिति बैठक: सांसद ने उठाए योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल

अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

जैसलमेर, 17 जून (एजेंसियां)। जिले के बालोतरा शहर स्थित पंचायत समिति सभागार में सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वयन एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिले के समग्र विकास, विभिन्न योजनाओं की समीक्षा और कार्यों की प्रगति पर गहन मंथन हुआ। बैठक में जिला प्रमुख महेन्द्र चौधरी,

सिवाना विधायक हमीरसिंह भायल, जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक अमित जैन, जिला परिषद के सीईओ रवि कुमार, सीएमएचओ बांकाराम पटेल सहित जिले के सभी प्रमुख विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पिछली बैठकों की समीक्षा और योजनाओं की प्रगति पर चर्चा

बैठक की शुरुआत में पिछली दिशा बैठकों में उठाए गए मुद्दों, प्रस्तावों और सुझावों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने इस दौरान दो टूक लहजे में

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जिले में संचालित योजनाओं का जमीन पर प्रभावी क्रियान्वयन होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक अधिकारी योजनाओं को गंभीरता से नहीं लेंगे और ईमानदारीपूर्वक क्रियान्वयन नहीं करेंगे, तब तक जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ नहीं मिल पाएगा।

बिना तैयारी पहुंचे अधिकारियों को मिली नसीहत

सांसद बेनीवाल ने बैठक में कुछ अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई अधिकारी बिना तैयारी के ही बैठक में पहुंच जाते हैं। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी अधिकारी अपना विभागीय 'होमवर्क' किए बिना बैठक में नहीं आए। उन्होंने यह भी कहा कि हर अधिकारी को अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की अद्यतन जानकारी रखनी चाहिए ताकि बैठक में तर्कसंगत और जिम्मेदार संवाद हो सके।

अनुपस्थित अधिकारियों पर फूटा गुस्सा

बैठक में कुछ विभागीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर सांसद बेनीवाल ने नाराजगी जताते हुए साफ निर्देश दिए कि बिना सूचना और ठोस कारण के गैरहाजिर रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र की गंभीरता इसी से परिलक्षित होती है कि अधिकारी उच्चस्तरीय बैठकों में उपस्थिति दर्ज कराएं और जिम्मेदारी से अपनी बात रखें।

चिकित्सा विभाग के निर्माण कार्यों पर उठे सवाल

बैठक के दौरान चिकित्सा विभाग से संबंधित मुद्दों पर तीखी बहस देखने को मिली। पायला पंचायत समिति के प्रधान चुन्नीलाल माचरा ने आरोप लगाया कि जिले में सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) और पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) भवनों के निर्माण कार्य राम भरोसे चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य स्वीकृत DPR (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) के अनुसार नहीं हो रहा है और कार्य की गुणवत्ता भी अत्यंत खराब है।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले चार वर्षों से जालोर अधीक्षण अभियंता कार्यालय के किसी भी अधिकारी को क्षेत्र में कार्य करते नहीं देखा गया है। इस पर जवाब देते हुए सीएमएचओ बांकाराम पटेल ने कहा कि इन निर्माण कार्यों का जिम्मा जालोर के अधीक्षण अभियंता के अधीन आता है, लेकिन जनप्रतिनिधियों ने इस जवाब को अस्वीकार्य बताते हुए निर्माण कार्यों की जांच की मांग की।

जल जीवन मिशन की गुणवत्ता पर भी उठे सवाल

बैठक में जल जीवन मिशन योजना के तहत जिले में चल रहे कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए गए। सदस्यों ने बताया कि कई स्थानों पर घटिया क्वालिटी की पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जो थोड़े समय में ही फूट रही है। इसके बावजूद ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया है, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई गांवों में पाइपलाइन होने के बावजूद घरों तक नलों में पानी नहीं पहुंच रहा है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सांसद बेनीवाल ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि कार्यों की गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए और जहां कहीं भी लापरवाही या भ्रष्टाचार सामने आए, वहां तुरंत प्रभाव से कार्रवाई की जाए।

बालोतरा में हुई दिशा समिति की यह बैठक केवल योजनाओं की औपचारिक समीक्षा भर नहीं रही, बल्कि इसमें योजनाओं की खामियों, लापरवाह अधिकारियों और जमीन पर न पहुंच रही सुविधाओं पर खुलकर चर्चा हुई। सांसद उम्मेद बेनीवाल की सख्ती और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता यह संकेत दे गई कि अब केवल कागजी

कार्यवाही से काम नहीं चलेगा। अब देखना होगा कि इन सख्त निर्देशों और आलोचनाओं के बाद प्रशासन और अधिकारी किस हद तक जवाबदेह साबित होते हैं और जिले के विकास की गाड़ी कितनी तेजी से पटरी पर लौटती है।

दो महीने से लापता है बाघिन-2401

आखिरी बार जहां देखी गई शिकार के लिए कुख्यात है एरिया

अलवर, 17 जून (एजेंसियां)। सरिस्का टाइगर रिजर्व (एसटीआर) से बाघिन-2401 करीब दो महीने से लापता है, जिससे चिंता बढ़ गई है। अकबरपुर रेंज में अक्सर रहने वाली यह कम उम्र की बाघिन आखिरी बार नालदेश्वर क्षेत्र में देखी गई थी, जो शिकार के लिए कुख्यात क्षेत्र है।

अहमदाबाद प्लेन हादसे में मार्बल व्यवसायी के बेटे-बेटी की मौत, उदयपुर और पाली में मचा कोहराम... 10 मिनट पहले हुई थी बात

वन अधिकारी ने बताया, नालदेश्वर क्षेत्र में उसकी तलाश के लिए पांच टीमें बनाई गई हैं। सरिस्का में बाघों की आबादी बढ़ने के साथ ही यह संभव है कि वह नए इलाके की तलाश में बाहर निकली हो।

हालांकि, एसटीआर में बाघों की आबादी अब बढ़कर 49 हो गई है। लेकिन अशांत और असुरक्षित आवास बड़ी बिल्लियों को दूर भगा रहे हैं।

शिकारी ने ये बात कबूल की

बता दें कि लगभग दो साल पहले एक प्रमुख नर बाघ, एसटी-13, जिसकी आवाजाही नालदेश्वर क्षेत्र में देखी गई थी। यह नर बाघ रहस्यमयी तरीके से अकबरपुर रेंज से गायब हो गया था। साल 2018 में बाघिन एसटी-5 भी उसी रेंज से गायब हो गई थी। बाद में एक शिकारी ने उसे मारने और उसकी खाल बेचने की बात कबूल की थी।

सरिस्का में फिर बढ़ा बाघों का कुनबा

सरिस्का टाइगर रिजर्व में लगातार बाघों का कुनबा बढ़ रहा है। बीते दिनों एसटी-19 ने चार शावकों को जन्म दिया था। यह कैमरे में ट्रैप हुए हैं। इसी के साथ सरिस्का में बाघों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है।

बता दें कि एसटी-19 की टेरेटरी अलवर बफर रेंज में है। इसी के बरेली-बाड़ी क्षेत्र में चार शावकों को जन्म दिया है। चारों शावक स्वस्थ हैं, निगरानी की जा रही है।

200 गुना ज्यादा संपत्ति बना बैठा यह सरकारी कर्मचारी

मिले कई लग्जरी फ्लैट, जमीनें और बैंक बैलेंस, अब चढ़ा एसीबी के हत्थे

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। आय से अधिक संपति के मामले में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई की है। कोटपूतली-बहरोड़ जिले की नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा के अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह मीणा के 8 ठिकानों पर तड़के छापेमार कार्रवाई की गई। एसीबी के डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी को ईओ फतेह सिंह मीणा के आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। एसीबी की ओर से गोपनीय सत्यापन में राजकीय सेवा में नियुक्त होने से अब तक 273 प्रतिशत आय से अधिक संपत्ति अर्जित करना सामने आया। फतेह सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया गया है।

जांच में संदिग्ध अधिकार फतेह सिंह की ओर से जगतपुरा जयपुर में दो लग्जरी फ्लैट करीब 1.30 करोड़ रुपए के खरीदे गए हैं।

नीमकाथाना के दीपावास में 1.05 हेक्टेयर भूमि खरीद की गई। अलवर के थानागाजी में अपने परिचित के नाम पर करीब 15 बीघा भूमि खरीद कर फॉर्म हाउस डेवलप कर करीब 80 लाख रुपए बेनामी निवेश किए गए हैं। आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर चल रही कार्रवाई में करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति में निवेश की जानकारी सामने आई है। एसीबी टीमों को कई अन्य अहम डॉक्यूमेंट भी मिले हैं। जल्द ही टीम सर्च पूरा कर काली कमाई का डिटेल में खुलासा करेगी।

एसीबी की एक दर्जन टीमों ने ईओ फतेह सिंह के आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। एसीबी टीमों की ओर से रेड की कार्रवाई ईओ फतेह सिंह के जयपुर शहर, पावटा, शाहपुरा, कोटपूतली, थानागाजी विराटनगर के विभिन्न ठिकानों व ऑफिसों में की गई। एसीबी टीमों को सर्च के दौरान कई अहम डॉक्यूमेंट भी मिले है।

इन ठिकानों पर रेड..

जयपुर के जगतपुरा में त्रिमूर्ति एरेना स्थित दो फ्लैट्स।

अलवर के थानागाजी में भर्तृहरि तिराहा स्थित ईओ फतेह सिंह के घर

अलवर के थानागाजी में गढ़ बसई स्थित फॉर्म हाउस

कोटपूतली के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले नजदीकी प्रमोद कुमार वर्मा के घर

शाहपुरा (जयपुर) के अजीतगढ़ रोड पर रहने वाले नजदीकी कैलाश गुर्जर के घर

प्रागपुरा पावटा (कोटपूतली-बहरोड़) में ईओ फतेह सिंह का किराए का मकान

प्रागपुरा पावटा में नगर पालिका का ईओ ऑफिस

नगर पालिका व विराट नगर (जयपुर ग्रामीण) स्थित संबंधित स्थान व ऑफिस पर

पंचायत समिति का एएओ 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा

श्रीगंगानगर, 17 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पंचायत समिति श्रीगंगानगर के सहायक लेखाधिकारी हेतराम ढालिया को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के निर्देश पर श्रीगंगानगर एसीबी चौकी द्वारा की गई।

एसीबी के उप अधीक्षक भूपेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि ग्राम पंचायत चूनावढ़ की सरपंच/प्रशासक निशा रानी के प्रतिनिधि राजेश कुमार की ओर से दो कार्य प्रस्तावित थे। इनमें पहला कार्य रामलीला ग्राउंड के जोहड़ से लेकर 30 जीजी खाले तक

पानी निकासी के लिए पाइपलाइन डालने का था। दूसरा कार्य वार्ड संख्या 12 के जोहड़ से लेकर 24 जीजी खाले तक पाइपलाइन बिछाने से संबंधित था।

राजेश कुमार ने शिकायत में बताया कि दोनों कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी करने के एवज में सहायक लेखाधिकारी हेतराम ढालिया ने 18 लाख की कुल राशि में से 1 प्रतिशत यानी 18 हजार रुपये 'खर्चे पानी' के रूप में रिश्वत की मांग की थी।

शिकायत का सत्यापन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन कुमार और उप अधीक्षक भूपेंद्र कुमार सोनी के नेतृत्व में कराया गया। शिकायत सही पाए जाने पर मंगलवार सुबह हेतराम ढालिया को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की चल-अचल संपत्तियों की जांच भी शुरू कर दी गई है। इस संबंध में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिक कार्रवाई जारी है।

मांढण थाना पुलिस की कार्रवाई

जानलेवा हमले व फायरिंग मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़. मांढण थाना पुलिस ने जानलेवा हमले और फायरिंग की वारदात में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार व देशी कट्टा बरामद किया। गौरतलब है कि 08 जून की रात चावण्डी गांव में बिजेन्द्र सिंह नामक व्यक्ति के मकान पर हथियारों से लैस करीब 15 से अधिक लोगों ने हमला किया। मारपीट कर बिजेन्द्र और उसके बेटे मोनू को घायल का दिया। हमलावरों ने देशी कट्टे से फायरिंग भी की और 1.20 लाख रुपए नकद लूट लिए। जाते-जाते जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थानाधिकारी रामकिशोर शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी व गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कसोला चौक, रेवाड़ी में नाकाबंदी कर दोनों आरोपियों आकाश कुमार पुत्र ईश्वर सिंह गुर्जर (23 वर्ष) निवासी बुरहेड़ा, थाना खुशखेड़ा, जिला भिवाड़ी व धर्मेन्द्र पुत्र दाताराम गुर्जर (26 वर्ष) निवासी बुरहेड़ा, थाना खुशखेड़ा, जिला भिवाड़ी को दबोच लिया।

बैटिंग एप के जरिए साइबर ठगी का भंडाफोड़, 9 आरोपी गिरफ्तार

श्री गंगानगर, 17 जून (एजेंसियां)। शहर में बैटिंग एप के जरिए साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो ऑनलाइन सट्टा लगवाकर बेनामी बैंक खातों के जरिये करोड़ों रुपए का लेनदेन कर रहे थे।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि रिद्धि-सिद्धि थर्ड में स्थित एक मकान में दबिश दी गई, जहां पिछले कुछ समय से बैटिंग एप्स के माध्यम से दांव लगवाए जा रहे थे। पुलिस ने मौके से सुधाकर तिवाड़ी (28), कुंदन सिंह (28), ओम चौधरी (22), पुष्पक मौर्य (25), इंद्रजीत कुशवाह (25), अवनीश कुमार (25), रणधीर कुमार (40), जावेद अंसारी (24) और अभिषेक विश्वकर्मा (24) को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के निवासी हैं।

आरोपी बैटिंग एप्स के जरिए विभिन्न खेलों पर दांव लगवाते थे और रकम लेकर उन्हें पॉइंट (कॉइन) ट्रांसफर करते थे और हार-जीत के आधार पर विभिन्न बैंक खातों के जरिए रकम का लेनदेन करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 डेस्कटॉप पीसी, 3 लैपटॉप, 31 एंड्रॉयड मोबाइल हैंडसेट, 4 हिसाब-किताब वाले रजिस्टर, 11 वॉकी-टॉकी हैंडसेट, 8 चार्जर, 4 वाई-फाई फाइबर डिवाइस और 2 स्वाइप मशीनें बरामद की हैं।

डंपर में प्लाई से पार्टीशन कर पत्थरों के नीचे छुपाई थी 15 लाख की शराब, पुलिस ने पर्दाफाश किया

बांसवाड़ा, 17 जून (एजेंसियां)। गुजरात में शराब पर प्रतिबंध के बावजूद तस्करों द्वारा चोरी-छिपे शराब भेजने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इसी कड़ी में मोटागांव थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डंपर से करीब 15 से 18 लाख रुपये की अवैध शराब बरामद की है। तस्करों ने डंपर में चालाकी से प्लाई लगाकर दो हिस्से बनाए और नीचे शराब के कार्टन छिपाकर ऊपर पत्थर भर दिए थे। मोटागांव थाना अधिकारी रामसिंह पंवार ने बताया कि थाना क्षेत्र के मोरड़ी गांव में मंदिर के पास एक डंपर संदिग्ध हालत में खड़ा होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने डंपर में मौजूद दो लोगों से पूछताछ की। उनमें से एक ने अपना नाम मनीष पुत्र देवीलाल निवासी महाराष्ट्र और दूसरे ने शंकर पुत्र सोमा निवासी लसाड़िया बताया। दोनों ने डंपर खराब होने का कारण देकर वहीं रुकना बताया।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर रची हत्या की साजिश

2 लाख की सुपारी देकर कराई वारदात, हिरासत में तीन आरोपी

अलवर, 17 जून (एजेंसियां)। जिले के खेड़ली कस्बे के बाईपास रोड पर 8 जून को हुई वीरु बैरवा की संदिग्ध मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया है कि मृतक की पत्नी अनीता राज ने अपने प्रेमी काशी प्रजापत के साथ मिलकर ये हत्या करवाई थी। इसके लिए दो लाख रुपये की सुपारी भी दी गई थी। पुलिस ने अनीता, काशी और एक सुपारी किलर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस के अनुसार अनीता और काशी के बीच अवैध संबंध थे, जिनकी जानकारी वीरु को पहले ही हो चुकी थी। कई बार वह पत्नी को आपत्तिजनक स्थिति में देख चुका था, जिस कारण दंपती के बीच अक्सर झगड़े होते थे। इससे तंग आकर अनीता और काशी ने मिलकर वीरु को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। 7 जून की रात करीब 3 बजे वीरु बैरवा उर्फ मानसिंह की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से करवाया गया और मृतक के भाई खेमचंद ने खेड़ली थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद जिला एसपी के निर्देशन में खेड़ली थानाधिकारी धीरेंद्र गुर्जर के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आठ दिन में ही पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझा ली।

रैतु भरोसा योजना के लिए धनराशि जारी

सीएम रेवंत रेड्डी ने किसानों के बैंक खाते में लाभ को ऑनलाइन जमा किया

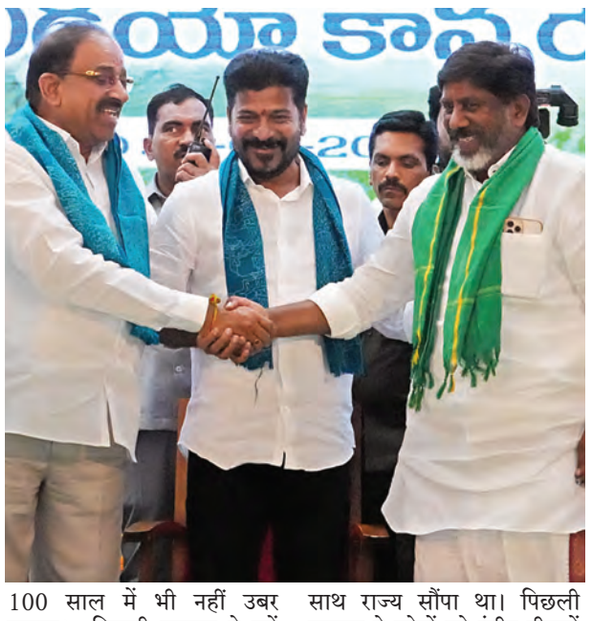

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज हैदराबाद में पीजेटी कृषि विश्वविद्यालय में रैतु नेस्थम कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि किसानों के समर्थन और आशीर्वाद के बिना सरकार नहीं बन सकती। विधायक, सांसद और राज्य के मुख्यमंत्री बनने के लिए किसानों की भूमिका महत्वपूर्ण है।पिछली सरकार में सत्ता और पदों का आनंद लेने वाले नेताओं ने अपने 10 साल के शासन के दौरान राज्य के लिए कुछ नहीं किया और अब वे सड़क पर नाटक कर रहे हैं। पिछली सरकार में अपनी 10 साल की भूमिका के दौरान तेलंगाना कर्ज के जाल में फंस गया और गहरे वित्तीय संकट में फंस गया।

राज्य पिछली सरकार द्वारा बनाए गए वित्तीय संकट से अगले 100 साल में भी नहीं उबर सकता। पिछली सरकार ने हमें पूरी तरह बर्बाद अर्थव्यवस्था के साथ राज्य सौंपा था। पिछली सरकार ने लोगों को रंगीन दीवारों वाले कांच के टॉवर दिखाए। तेलंगाना राज्य एक ऐसी कमजोर स्थिति में पहुंच गया है जहां सरकार शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया का भुगतान करने और कृषि ऋण माफ करने की स्थिति में नहीं है। पिछली सरकार ने किसानों को चेतावनी दी थी कि अगर वे धान की खेती करेंगे तो वे खुद को फांसी लगाने जैसा कदम उठाएंगे। लोगों की सरकार ने किसानों से एक-एक दाना खरीदकर उनमें विश्वास जगाया।

लोगों की सरकार ने किसानों को बढ़िया किस्म के धान की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि गरीब तबके को बढ़िया चावल मिल सके। सरकार ने बढ़िया किस्म के धान पर 500 रुपये बोनस देने की घोषणा की और राज्य में 60 प्रतिशत बढ़िया किस्म की खेती को बढ़ावा दिया। नतीजतन, सरकार गरीबों को बढ़िया चावल की आपूर्ति कर रही है। तेलंगाना देश में धान उत्पादन में नंबर वन राज्य बन गया है। आज मैं हर किसान की आंखों में खुशी देख रहा हूं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के तौर पर मुझे इससे ज्यादा और क्या चाहिए? पिछली सरकार ने मात्र 10 साल के शासन में हमारे सिर पर 8.20 लाख रुपये का कर्ज लाद दिया और अब सरकार की आलोचना कर रही है। सभी बाधाओं के बावजूद हम एक-एक करके सुधारात्मक कदम उठाते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

सरकार 9 दिनों में किसानों के खातों में 9,000 करोड़ रुपये की रैतु भरोसा योजना का लाभ जारी करने के लिए तैयार है। किसान खुश होगा तभी राज्य समृद्ध होगा। जनता की सरकार ने मात्र 18 महीने में किसानों के कल्याण के लिए एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए। किसी भी गांव में चुनौती देने के लिए तैयार है। आइए हम हर गांव में ग्राम सभा आयोजित करें और किसानों के कल्याण पर चर्चा करें। जहां किसान आत्महत्या करते थे, वहां से आज समाज में सम्मान के साथ जीने के लिए हमने एक बड़ा बदलाव किया है। विपक्ष दुर्भावनापूर्ण इरादे से मौतों की नींव पर सत्ता में आने की साजिश रच रहा है। क्या आप हमें कुछ समय नहीं दे सकते? क्या हम पिछली सरकार द्वारा बनाई गई समस्याओं को दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम नहीं उठाएंगे? पिछली सरकार ने पति-पत्नी के फोन टैपिंग का भी सहारा लिया।

जनता की सरकार ने सभी लोगों को आजादी दी। यह जनता की सरकार ही है जिसने देश में एक साल में 60,000 से अधिक सरकारी नौकरियों की भर्ती की। मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि जिला कलेक्टरों की भागीदारी से किसानों को सोलर पंप सेट, वाणिज्यिक फसलों और अन्य फसलों के लाभों के बारे में शिक्षित करने के लिए कदम उठाएं। किसानों से अधिक उपज के लिए नई खेती के तरीके और फसल चक्र अपनाने की अपील की। चूंकि जमीन किसान का स्वाभिमान है, इसलिए सरकार किसानों के साथ खड़ी रहेगी। मेरी सरकार 10 साल तक रहेगी और हम विपक्षी दलों के धरनों से विचलित नहीं होंगे। पिछली सरकार के नेताओं ने राज्य को कब्रिस्तान बना दिया और बेशर्मी से हमारी आलोचना की।

तीन ठगों ने पैदल जा रहे बुजुर्ग दंपत्ति को ठगा

निर्मल, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा शहर में मंगलवार की दोपहर तीन ठगों द्वारा पैदल जा रहे बेहतरीन नाटक प्रस्तुत कर बुजुर्ग दंपत्ति से 2 तोला सोना लूट ली। प्राप्त जानकारी अनुसार कुंटाला मंडल के अंबाकंटी गांव से एक बुजुर्ग दंपत्ति राजव्वा और गोविंद एक समारोह के लिए भैंसा आए थे। राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे पिपरी के बस स्टेशन पर उतरे और समारोह के लिए अपने रिश्तेदारों के घर जा रहे थे। उसी मार्ग पर तीन ठगों ने बड़ी चतुराई से पहले से एक नाटक तैयार कर बुजुर्ग दंपत्ति के सामने उसका प्रदर्शन किया। तीनों में से एक ने अधिकारी, दूसरे ने सहायक और तीसरे ने दूसरी दिशा में जा रहे यात्री होने का नाटक किया। दूसरी दिशा में जाने का नाटक करते हुए दूसरे ठग ने उन्हें रोका और सुझाव दिया कि वे अपने गले से सोने की चेन और हाथों से अंगूठियां निकाल लें, क्योंकि वास्तव में चोरी की एक श्रृंखला चल रही है। बुजुर्ग दंपत्ति के सामने ही सोने के आभूषणों से लिपटा एक कागज का पार्सल यात्री को दे दिया और यात्री का वेश धारण किए हमलावर ने उन्हें लेकर वहां से चला गया। बाद में हमलावर ने अधिकारी बनकर बुजुर्ग दंपत्ति के पास आकर कहा, माँ आप भी अपने गले में पहनी सोने की चेन मुझे दे दो। उसने उसे लेकर कहा, मैं इसे कागज के पार्सल में बांध दूंगा। उसने सहायक हमलावर से कहा कि इसे पार्सल में बांध दो। उसने बुजुर्ग दंपत्ति की बातों में आकर पार्सल की जगह उन्हें दूसरा पार्सल दे दिया और वहां से चला गया। बुजुर्ग दंपत्ति ने पार्सल लेकर अपने सामने हुई घटना को सच मानकर वहां से चले गए। उसने अपनी पत्नी से कहा कि उसके गले में आभूषण नहीं है और वह बैग में रखे पार्सल से चेन निकाल ले। बुजुर्ग पत्नी ने जब चोरों द्वारा दिए गए कागज के पैकेट को खोला तो उसमें सोने की चेन की जगह मिट्टी और छोटे-छोटे कंकड़ मिले और यह देखकर हैरान हुए कि उनके साथ ठगी हो गई है। उन्होंने ठगी के बारे में अपने रिश्तेदारों को बताया। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बुजुर्ग दंपत्ति से जानकारी जुटाई। बुजुर्ग दंपत्ति ने बताया कि तीनों ठग और धोखेबाज भैंसा से निर्मल जाने वाले रास्ते पर गए थे।

तीन एकड़ तक के किसानों के खाते में रैतु भरोसा राशि जमा की गई : तुम्मला

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने मंगलवार को घोषणा की कि 3 एकड़ तक के किसानों के खातों में 6,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से कुल 1,551.89 करोड़ रुपये जमा किए गए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को किसानों के लिए 'रैतु भरोसा' निधि के वितरण का शुभारंभ किया। पहले दिन 2 एकड़ तक की भूमि वाले सभी किसानों के बैंक खातों में 6,000 रुपये प्रति एकड़ की राशि हस्तांतरित की गई। इस पहल के परिणामस्वरूप 39.16 लाख एकड़ के लिए कुल 2,349.83 करोड़ रुपये जमा किए गए, जिससे 41.25 लाख किसानों को लाभ हुआ।

अगले दिन, मंगलवार को, 3 एकड़ से कम भूमि वाले 10.45 लाख किसानों के लिए अतिरिक्त 1,551.89 करोड़ रुपये वितरित किए गए। एक आधिकारिक बयान में, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने आश्वासन दिया कि अन्य सभी किसानों को, चाहे उनकी भूमि का आकार कुछ भी हो, जल्द ही 'रैतु भरोसा' सहायता प्राप्त होगी, और सभी को निराश न होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बैंकों के साथ किसी भी जटिलता के बिना किसानों के खातों में सीधे धन जमा किया जा रहा है और कांग्रेस सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

कुबीर मंडल में भालू की आवाजाही

निर्मल, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के कुबीर मंडल में बेलगाम थांडा में एक भालू ने हड़कंप मचा दिया है। थांडा के पल्ले प्रकृति वन के बाड़े में भालू घुस आया और स्थानीय लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया, जिससे वह जंगल में भाग गया। भागते भालू का वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने विकाराबाद जिले में कानून व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने अपने चल रहे जिला दौरे के तहत मंगलवार को विकाराबाद जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति की व्यापक समीक्षा की। जिला पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान डीजीपी ने अपराध की रोकथाम और जन सुरक्षा के लिए प्रभावी पुलिसिंग के महत्व पर जोर दिया। डीजीपी ने अधिकारियों को लंबे समय से लंबित जांचाधीन (यूआई) मामलों के निपटारे में तेजी लाने और आदतन अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने व्यक्तिगत आपराधिक इतिहास के आधार पर उपद्रवी और संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ पत्रक खोलने या पीडी अधिनियम लागू करने का निर्देश दिया। डॉ. जितेन्द्र ने अपराधों को होने से पहले रोकने के लिए सक्रिय पुलिसिंग की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी पुलिस थानों में चोरी के मामलों की तेजी से जांच और पता लगाने का आग्रह किया। नशीले पदार्थों से उत्पन्न खतरे पर प्रकाश डालते हुए डीजीपी ने नशीली दवाओं के प्रति शून्य सहिष्णुता का आह्वान किया, विशेष रूप से एनडीपीएस अधिनियम के तहत। उन्होंने क्षेत्र से गांजा और अन्य मादक पदार्थों को खत्म करने के लिए गहन प्रवर्तन का निर्देश दिया। नियमित छापेमारी के माध्यम से अंतर-जिला मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए सीमावर्ती पुलिस थानों पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने पीडीएस चावल के अवैध परिवहन और व्यापार, रेत तस्करी, मटका जैसी जुआ गतिविधियों और ऑनलाइन गेमिंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रात के समय वाहनों की जांच तेज की जानी चाहिए। महिलाओं और हाशिए पर पड़े समुदाय की सुरक्षा पर जोर देते हुए डीजीपी ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों, पोक्सो मामलों और एससी/एसटी अत्याचार के मामलों की तत्काल रिपोर्टिंग और गहन जांच करने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए डीजीपी ने पुलिस से दुर्घटना संभावित हॉट स्पॉट की पहचान करने और निवारक उपायों के लिए आरटीए, राजस्व, आरएंडबी और अन्य विभागों के साथ समन्वय करने को कहा। उन्होंने कहा, दुर्घटना हमारे लिए एक संख्या हो सकती है, लेकिन एक परिवार के लिए इसका मतलब बहुत बड़ा नुकसान होता है। उन्होंने प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देते हुए अपराध की रोकथाम में सहायता के लिए सभी गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और रखरखाव की सलाह दी। उन्होंने दोहराया कि पुलिस को लोगों के अनुकूल छवि बनाए रखनी चाहिए, डायल 100 कॉल का तुरंत जवाब देना चाहिए और समुदाय में अपनी मजबूत उपस्थिति सुनिश्चित करनी चाहिए। सभी कार्यक्षेत्रों के अधिकारियों को अपने काम को ऑनलाइन अपडेट करने और कामकाज के किसी भी क्षेत्र में लंबित मामलों से बचने का निर्देश दिया गया। डीजीपी ने अधिकारियों को जिले में पार्टियों, पर्यटन स्थलों, फार्महाउसों और सप्ताहांत के कार्यक्रमों पर विशेष नजर रखने के लिए भी आगाह किया। समीक्षा का समापन करते हुए, डॉ. जितेन्द्र ने सभी अधिकारियों से गुणवत्तापूर्ण जांच और कानूनी अनुवर्ती कार्रवाई के माध्यम से सजा दर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, जिससे मजबूत कानून प्रवर्तन सुनिश्चित हो और तेलंगाना पुलिस की छवि बढ़े।

उज्जवल भविष्य के लिए सही सैक्षणिक

संस्थान का चयन महत्वपूर्ण : बीपी पडाला

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बी.पी पडाला ने आज रुट्स कालेज सोमाजीगुडा में द्वीप प्रज्वलित कर प्रथम वर्ष के छात्र और छात्राओं का स्वागत करते कहा कि दसवीं के बाद उज्जवल भविष्य के लिए सही शैक्षणिक संस्थान का चयन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में छात्रों एवं छात्राओं के लिए इंजीनियर, डाक्टर, एचआर बनाने के लिए सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसके साथ साथ खुश, कुशल और रचनात्मक व्यक्तित्व विकसित करने की रुट्स कालेज द्वारा पिछले 34 वर्षों से किया जा रहा है, उसे और आगे बढ़ाया जाए। कालेज की प्रिंसिपल स्मृति पदमा ने माता-पिता को इस बात पर ध्यान देने के लिए कहा कि कैसे न केवल शिक्षाविदों पर ध्यान केंद्रित करके बल्कि घर पर भी स्वस्थ वातावरण पर भी अपने बच्चों का पोषण किया जाए। उन्होंने माता-पिता को कॉलेज की गतिविधियों, प्रदान की गई सुविधाओं, अनुशासन के साथ साथ शिक्षाविदों के बारे में भी निर्देशित किया और सभी अभिभावकों को कॉलेज के नियमों और नियमों के बारे में जानकारी दी गई। अवसर पर सभी प्राध्यापकों के साथ पूर्व के छात्र और छात्राओं ने अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा की।

राज्यपाल ने भारत सेवाश्रम संघ द्वारा वार्षिक नोटबुक वितरण अभियान का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सेवाश्रम संघ की हैदराबाद शाखा ने राजभवन हाई स्कूल, सोमाजीगुडा, हैदराबाद में अपना वार्षिक निःशुल्क सामूहिक नोटबुक वितरण कार्यक्रम शुरू किया।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने इस नेक पहल का उद्घाटन किया और निस्वार्थ सेवा के माध्यम से शिक्षा का समर्थन करने में संघ के प्रयासों की सराहना की।इस अवसर पर राज्यपाल ने राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, हैदराबाद आश्रम के सचिव स्वामी मुनीश्वरानंदजी महाराज और स्वामी वेंकटेश्वरानंदजी महाराज के साथ मिलकर राजभवन हाई स्कूल के छात्रों को 4,000 लांग नोटबुक और 1,600 स्माल नोटबुक वितरित कीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने स्कूल के उल्लेखनीय शैक्षणिक प्रदर्शन, विशेष रूप से 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में प्रभावशाली उत्तीर्ण प्रतिशत की सराहना की और जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए स्कूल को बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निरंतर प्रतिबद्धता के साथ, स्कूल आने वाले वर्ष में 100% उत्तीर्ण परिणाम प्राप्त करेगा। स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा की गई अपील का जवाब देते हुए राज्यपाल ने संस्थान के विकास के लिए अपने समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने घोषणा की कि नवनिर्मित कक्षाओं के लिए फर्नीचर, एक मिनी इनडोर स्टेडियम-सह-सभागार और एक छायादार मंच उनके विवेकाधीन कोष से प्रदान किया जाएगा।अपने चल रहे आउटरीच के हिस्से के रूप में, संघ तेलंगाना के विभिन्न जिलों में छात्रों को शैक्षिक सामग्री वितरित करना जारी रखेगा, शैक्षिक सशक्तिकरण और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

बीज और खाद सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही बेचे जाएं : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित बीज और खाद किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही बेचे जाएं। मंगलवार को जिले के वानकीडी मंडल केंद्र में श्री वेंकटेश्वर बीज और खाद दुकान का औचक कर स्टॉक, रसीद बुक, रजिस्टर और खाद गोदाम की जांच की गई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही खाद बेची जाए और अधिक मूल्य पर बेचने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दुकान के सामने मूल्य सूची और स्टॉक का विवरण प्रदर्शित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को बेचते समय रसीद जारी की जानी चाहिए और किसानों को उनके द्वारा खरीदे गए बीज और खाद की रसीद को सावधानीपूर्वक संरक्षित करना चाहिए। कार्यक्रम में वानकीडी तहसीलदार डी. कविता, कृषि अधिकारी मिलिंद कुमार, किसानों ने भाग लिया।

शिल्पा ले आउट फेज 2 फ्लाईओवर के सौंदर्यीकरण का काम तेजी से पूरा किया जाना चाहिए : आयुक्त आर.वी. कर्णन

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को शिल्पा लेआउट फेज 2 फ्लाईओवर के सौंदर्यीकरण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है। आयुक्त ने मंगलवार को शिल्पा लेआउट का निरीक्षण किया, जिसे 178 करोड़ रुपये की लागत से ओआरआर से गच्चीबावली तक बनाया गया था, ताकि यह जल्द ही उपलब्ध हो सके। उन्होंने अधिकारियों को गच्चीबावली, हाफिजपेट फ्लाईओवर और अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण करने और विभिन्न विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर आयुक्त ने शिल्पा ले आउट फेज 2 फ्लाईओवर का कार्य पूर्ण होकर शुरू होने के लिए तैयार है, इसलिए शेष सौंदर्यीकरण एवं हरियाली के कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं। इस अवसर पर आयुक्त ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को आईआरसी के नियमों के अनुसार ट्रांसफर बार (रंबल स्ट्रिप) लगाने के निर्देश दिए। आयुक्त के साथ प्रोजेक्ट सीई भास्कर रेड्डी, डिप्टी ईई हरीश, जोनल एसई शंकर नायक व अन्य मौजूद थे। इसके बाद हाफिजपेट के विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों को हाफिजपेट फ्लाईओवर के नीचे से कचरा हटाने और उसे खेल के लिए उपयुक्त बनाने के निर्देश दिए गए। वहां से उन्होंने अधिकारियों को ईरला झील नाला मोड़ कार्य का निरीक्षण कर अधूरे कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। एसई ने निर्देश दिए कि मजीरा पाइपलाइन सीसी रोड कार्य के लिए हर कदम तैयार रखें। आयुक्त के साथ पार्षद जगदीश गौड़, क्षेत्रीय एस.ई. शंकर नायक, लेक्स ई.ई. नारायण, उपायुक्त व अन्य लोग मौजूद थे।

70 प्रतिशत स्कूलों में अभी भी लकड़ी जलाकर पकाया जाता है खाना

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता के बावजूद, राज्य के लगभग 68 प्रतिशत सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूल अभी भी मध्याह्न भोजन बनाने के लिए जलाऊ लकड़ी पर निर्भर हैं। शहरी स्कूलों में यह आंकड़ा और भी अधिक यानी 78 प्रतिशत है। जलाऊ लकड़ी के इस्तेमाल से बच्चों, शिक्षकों और रसोई कर्मचारियों के स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण पर पड़ने वाले इसके असर को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। 2024 के लिए मिड-डे मील सोशल ऑडिट के अनुसार, चार में से सिर्फ़ एक स्कूल ने एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल शुरू किया है।

मध्याह्न भोजन के लिए केंद्रीकृत रसोई सेवाओं पर निर्भर रहने वाले स्कूलों की संख्या केवल 10 प्रतिशत है, जबकि शेष स्कूल स्थानीय रसोइयों की सेवाएं लेते हैं। यदि सरकारी स्कूल में कोई खुला स्थान है, तो मध्याह्न भोजन स्कूल परिसर में ही तैयार किया जाता है या कोई स्थानीय रसोइया अपने घर पर भोजन बनाता है और फिर उसे दोपहर के भोजन के समय बच्चों को परोसने के लिए स्कूल ले जाया जाता है।

तेरापंथ महिला मंडल कि साधारण सभा में नमिता सिंघी अध्यक्ष मनोनित

नमिता सिंघी जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष बनीं

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल निर्देशानुसार श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की साधारण सभा डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में की गई।

मंत्री सुशीला मोदी ने गत साधारण सदन कार्यवाही को पढ़कर सुनाया। अध्यक्ष कविता आच्छा ने सभी बहनों, संरक्षिका, परामर्शक, मंडल पदाधिकारी गण, महिला मंडल सदस्य का स्वागत किया।

इस अवसर पर कविता आच्छा ने अध्यक्ष पद व अपनी पूरी टीम का विसर्जन किया गया। मुख्य चुनाव अधिकारी चांद जैन सहयोगी चुनाव अधिकारी प्रेमजी पारख व रीता सुराणा द्वारा नव अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंह के नाम की घोषणा की गई। कविता आच्छा ने नई अध्यक्ष का तिलक लगाकर, पचरंगी पट्टा पहनाकर और सुशीला मोदी ने माला द्वारा स्वागत किया और सभी ने मिलकर ढेर सारी शुभ कामनाएं दी। कार्यक्रम की अनीता गिडिया, शकुंतला बुचा, अंजू बैगानी, चंदन कोठारी, गीतिका नाहटा, अंजू गोलछा, निशा दुगड़, पायल पारख, शीतल सांखला, मीनाक्षी सुराणा संयोजिका थी।

रजत जयंती समारोह की सफलता के लिए एनआरआई को केसीआर ने दी बधाई

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को बीआरएस एनआरआई को हाल ही में अमेरिका के डलास में पार्टी की रजत जयंती बैठक के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने पार्टी एनआरआई वैश्विक समन्वयक महेश बिगाला की सराहना की, जिन्होंने यहां पार्टी प्रमुख से शिष्टाचार भेंट की और इस आयोजन के बारे में जानकारी दी, जिसमें तेलुगु एनआरआई से भारी प्रतिक्रिया मिली। चंद्रशेखर राव ने कहा कि देशभक्ति के जोश के साथ विदेश में इतने बड़े सम्मेलन का आयोजन एनआरआई के समर्पण को दर्शाता है जो वास्तव में बीआरएस के आदर्शों के वैश्विक राजदूत बन गए हैं। उन्होंने महेश थननेरू और अमेरिका में रहने वाले अन्य बीआरएस नेताओं की भी सराहना की और कहा कि डलास कार्यक्रम को पार्टी के इतिहास में एक मील के पत्थर के रूप में याद किया जाएगा।

कान्हा शांति वनम में बायोचार पर पहला ग्रामीण उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कौशल विकास में कठोर, एक ही तरह की नीति से दूर जाने का आह्वान किया। हैदराबाद के कान्हा शांति वनम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा आयोजित कौशल मंथन क्षेत्रीय कार्यशाला में बोलते हुए उन्होंने कहा, कौशल विकास के लिए कोई निर्धारित प्रारूप नहीं हो सकता। हमें राज्यों को ऐसे समाधान तैयार करने के लिए सशक्त बनाना चाहिए जो उनके स्थानीय आर्थिक संदर्भों में निहित हों और उनके युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हों।

मंत्री ने हैदराबाद और चेन्नई में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में दो नए उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की घोषणा की, जो देश भर में प्रस्तावित पांच केंद्रों में से एक है। वर्ष 2015 से अब तक पूरे क्षेत्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत 27.8 लाख से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

सहायक विद्युत अभियंता को 1.20 लाख रुपये रिश्वत लेते पकड़ा

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने मंगलवार को जीएचएमसी के कपरा सर्कल के सहायक विद्युत अभियंता (एईई) को एक ठेकेदार से सरकारी काम के लिए 1.20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, अधिकारी बी स्वरूपा ने ठेकेदार द्वारा किए गए कार्य के लिए एमबी बुक लिखने के लिए रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के आधार पर एसीबी ने जाल बिछाया और एईई को रंगे हाथों पकड़ लिया।

कविता ने पिछड़ी जातियों के लिए मांगा 42 प्रतिशत कोटा

निष्क्रियता के लिए कांग्रेस, भाजपा पर निशाना साधा

मेदक, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने मंगलवार को पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए उनकी आबादी के अनुपात में 42 प्रतिशत आरक्षण के लिए लड़ने की कसम खाई, जैसा कि कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान अपने कामारेड्डी बीसी घोषणापत्र में वादा किया था। तेलंगाना जागृति और यूनाइटेड फुले फ्रंट (यूपीएफ) द्वारा मेदक में आयोजित पिछड़े वर्गों की गोलमेज बैठक में बोलते हुए कविता ने जोर देकर कहा कि फुले फ्रंट राज्य में पिछड़े वर्गों की आवाज बनेगा।

पिछड़े वर्गों के समुदायों से एकजुट रहने का आग्रह करते हुए उन्होंने बताया कि आजादी के सात दशक बाद भी कई समूहों को राजनीतिक अवसरों से वंचित रखा गया है।

उन्होंने कहा, कुछ समुदायों को कभी भी विधानसभा या संसद में अपनी आवाज उठाने का मौका नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा कि यह तेलंगाना जागृति के निरंतर प्रयासों के कारण ही संभव हुआ कि राज्य सरकार ने विधानसभा और विधान परिषद दोनों में पिछड़ा वर्ग घोषणा विधेयक पारित किया। कविता ने तेलंगाना की आबादी के एक बड़े हिस्से को उनके हक के अवसरों से वंचित किए जाने को मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया।

उन्होंने सभी वर्गों के नागरिकों से पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन में शामिल होने की अपील की। संसद में आरक्षण विधेयक को आगे बढ़ाने में विफल रहने के लिए कांग्रेस और भाजपा की आलोचना करते हुए उन्होंने मेदक के लोगों से अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों (विशेष रूप से मेदक के सांसद एम. रघुनंदन राव) से सवाल करने का आग्रह किया, जिन पर उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने इस मुद्दे पर कोई प्रयास नहीं किया।

एमएलसी ने शिक्षा, रोजगार और चुनावी प्रतिनिधित्व में आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए अलग से विधेयक लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कांग्रेस सरकार की चल रही जाति जनगणना की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, अगर जाति जनगणना वाकई सटीक होती, तो सरकार इसे पंचायत कार्यालयों में प्रदर्शित करती। कविता ने तेलंगाना भर के पिछड़े वर्गों से 17 जुलाई को रेल रोको विरोध प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया, जिसका आयोजन आरक्षण की मांग के समर्थन में तेलंगाना जागृति और यूनाइटेड फुले फ्रंट द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पूर्व भारतीय स्पिनर अश्विन पर बॉल टैम्परिंग के आरोप

तमिलनाडु प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी मदुरई पैंथर्स ने शिकायत की; सीईओ ने सबूत मांगे

चेन्नई, 17 जून (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर बॉल टैम्परिंग के आरोप लगे हैं। ये आरोप तमिलनाडु प्रीमियर लीग में हिस्सा ले रही मदुरई पैंथर्स की टीम ने लगाए हैं। इतना ही नहीं, फ्रेंचाइजी ने लीग के सीईओ प्रसन्ना कनन से इस मामले की शिकायत भी की है।

मदुरई पैंथर्स ने शिकायत में कहा- 'अश्विन और उनकी टीम ने एससीएफ क्रिकेट ग्राउंड पर 14 जून को खेले गए मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ की है। अश्विन और उनकी टीम ने ऐसी तौलियों का उपयोग किया, जिसमें एक विशेष प्रकार का कैमिकल लगा हुआ था। इससे गेंद की स्थिति बदल गई। बल्ले के संपर्क में आने पर गेंद से धातु जैसी आवाज आई। बारबार चेतावनी देने के बाद भी अश्विन और उनकी टीम मानी नहीं।'

उस मुकाबले को डिंडिगुल ड्रैगंस ने 9 विकेट से जीत लिया था। अश्विन को उस मुकाबले में कोई विकेट नहीं मिला था। उन्होंने 49 रनों की पारी खेली थी।

अगर मदुरई पैंथर्स के पास कोई सूबत है तो वे पेश करें। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है, जिसें हमने देखा है। हालांकि, 24 घंटे के अंतर शिकायत दर्ज होनी चाहिए, फिर भी हमने शिकायत को मंजूर कर लिया है और उनसे आरोपों को लेकर सबूत पेश करने को कहा है।

अगर हमें कोई ठोस सबूत मिलते हैं एक स्वतंत्र कमेटी बनाएंगे। अगर सबूत नहीं है तो फिर एक खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी के खिलाफ इस तरह के आरोप लगाना ठीक नहीं है।38 साल के रविचंद्रन अश्विन तमिलनाडु प्रीमियर लीग में दूसरी बार विवादों में आए हैं। पिछले हफ्ते उन्हें फील्ड अंपायर से बहस करने के लिए सजा मिली थी। अश्विन ने अंपायर से बहस की थी और फिर गुस्से में अपने ग्लव्स फेंक दिए थे।

अश्विन दिसंबर-2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके

रविचंद्रन अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा टेस्ट खत्म होने के बाद रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे और कहा था, आज भारतीय टीम के क्रिकेटर के तौर पर मेरा अंतिम दिन था। मैं क्लब क्रिकेट खेलता रहूंगा।

ओवरएज खिलाड़ियों को पकड़ने के लिए बीसीसीआई ने बनाया नया नियम

वैभव सूर्यवंशी की उम्र पर भी उठ चुका है सवाल

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में धमाल मचाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की उम्र को लेकर काफी सवाल उठ चुके हैं। वैभव सूर्यवंशी पर कई बार उम्र को लेकर फ्रॉड करने का आरोप लग चुका है। जिसके बाद बीसीसीआई ने अधिक उम्र के खिलाड़ियों को पकड़ने के लिए एक नया कदम उठाते हुए जूनियर स्तर पर एक अतिरिक्त बोन टेस्ट कराने का फैसला किया है।

क्या कहता है बीसीसीआई का नया नियम?

मौजूदा नियम के अनुसार फिलहाल खिलाड़ियों को बोन टेस्ट से गुजरना पड़ता है जिसके बाद उसी आयु वर्ग में अगले सत्र के लिए उसकी पात्रता निर्धारित करने के लिए 1 कारक जोड़ा जाता है। अब नए नियम के अनुसार अंडर-16 के खिलाड़ियों को अगले सत्र के लिए एक और बोन टेस्ट से गुजरना होगा। इसको लेकर बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि खिलाड़ियों की सटीक उम्र जानने के लिए ऐसा किया जा रहा है। अगले सत्र के लिए खिलाड़ियों की उम्र 16 साल 4 महीने या उससे कम होनी चाहिए।

वैभव सूर्यवंशी के पिता ने दिया जवाब

वैभव सूर्यवंशी की उम्र पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए उनके पिता संजीव सूर्यवंशी ने पीटीआई को बताया "जब वैभव साढ़े 8 साल का था, तो उसने पहली बार बीसीसीआई का बोन टेस्ट कराया था। वह पहले ही भारत की अंडर-19 टीम के लिए खेल चुका है। हमें किसी से डर नहीं है। वह फिर से आयु परीक्षण से गुजर सकता है।"

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था और अपने पहले ही सीजन में उन्होंने कमाल का प्रदर्शन किया। सीजन-18 के शुरुआती मैचों में वैभव को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था, लेकिन जब उनको मौका मिला तो उन्होंने साबित कर दिया कि टीम को उनकी कितनी जरुरत है। इस सीजन उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए शतक भी लगाया था। वैभव ने आईपीएल 2025 में 7 मैच खेले थे, इस दौरान बल्लेबाज करते हुए उन्होंने 252 रन बनाए थे।

सीरीज के आगाज से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव

गंभीर के 'चेले' हर्षित की हुई एंट्री

खेल डेस्क, 17 जून (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की सीरीज का आगाज होने जा रहा है। 20 जून को पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा। इस बार टीम इंडिया की कमान शुभमन गिल के हाथों में है, रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं जिसके चलते युवा टीम की इंग्लैंड में अग्निपरीक्षा होने वाली है। वहीं सीरीज से पहले टीम इंडिया के स्क्वाड में एक बदलाव देखने को मिला है। अब टीम इंडिया में कोच गौतम गंभीर के चेले की एंट्री हुई है।

टीम इंडिया में हर्षित राणा एंट्री

तेज गेंदबाज इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए का हिस्सा थे उनको

पहले टीम इंडिया के 18 सदस्यीय स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन अब रिपोर्ट सामने आ रही है कि टेस्ट सीरीज के लिए हर्षित को टीम इंडिया में शामिल किया गया है। दैनिक जागरण की रिपोर्ट के मुताबिक हर्षित राणा को टीम इंडिया के स्क्वाड में शामिल कर लिया गया है। जहां इंट्रा स्क्वाड मैच खेलने के बाद खिलाड़ी भारत वापस लौट रहे हैं वहीं हर्षित को इंग्लैंड में ही रुकने के लिए कहा गया था। लीड्स में तेज गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलती है जिसके चलते हो सकता है टीम इंडिया एक्स्ट्रा तेज गेंदबाज के साथ मैदान पर उतरे।

इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया के 18 सदस्यीय स्क्वाड में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और आकाशदीप को मिलाकर 5 तेज गेंदबाज शामिल है। इसके अलावा अब छठे गेंदबाज के रूप में हर्षित राणा को शामिल किया है। रिपोर्ट के मुताबिक जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज के सभी 5 मैच में खेलने पर अभी सस्पेंस बना हुआ है। हर्षित राणा को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका मिला था। इस दौरे पर हर्षित ने 2 टेस्ट मैच खेले थे, जिसमें गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 2 विकेट चटकाए थे।

तीन साल बाद होगी चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट की वापसी, डब्ल्यूटीए कैलेंडर में हुआ शामिल

चेन्नई, 17 जून (एजेंसियां)। भारत एक बार फिर से चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) ने इस बात की घोषणा की है कि तीन साल बाद इस डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट की वापसी हो रही है जिसका मुख्य ड्रॉ 27 अक्तूबर से शुरू होगा। यह टूर्नामेंट पिछली बार 2022 में डब्ल्यूटीए कैलेंडर में शामिल किया गया था जब चेक गणराज्य की लिंडा फ्रुहविर्टोवा एकल चैंपियन बनी थीं।

टीएनटीए के अध्यक्ष विजय अमृतराज ने कहा, आखिरकार तमिलनाडु सरकार और एसडीएटी (तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण) के मजबूत समर्थन की बदौलत चेन्नई में एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल/टेनिस प्रतियोगिता को लाने के हमारे प्रयास सफल हुए।

इस प्रतियोगिता का प्रसारण एक प्रमुख खेल चैनल पर किया जाएगा। मैं इस आयोजन को सफल बनाने में चेन्नई के खेल प्रेमियों की उत्साही भागीदारी की आशा करता हूं।

दिग्वेश राठी ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लिए

लोकल टूर्नामेंट का वीडियो वायरल; आईपीएल में नोटबुक सेलिब्रेशन से चर्चा में आए थे

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी एक बार फिर चर्चा में हैं। टीम के मालिक संजीव गोयनका ने 16 जून को एक्स पर उनका एक वायरल वीडियो शेयर किया, जिसमें राठी ने एक लोकल मैच में लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लिए।

राठी ने अपनी लेग स्पिन से चार बल्लेबाजों को बोल्ड किया और एक को एलबीडब्ल्यू आउट किया। हालांकि एलबीडब्ल्यू फैसलों को लेकर कुछ सवाल भी उठे हैं, लेकिन उनकी गेंदबाजी ने सबको प्रभावित किया। गोयनका ने पोस्ट में लिखा,'दिग्वेश राठी का यह क्लिप देखा, 5 गेंदों में 5 विकेट। यही वो प्रतिभा है जिसने आईपीएल 2025 में उन्हें स्टार बनाया।

इमप्रेस क्रिकेट लीग में खेल रहे हैं दिग्वेश

दिग्वेश राठी गुड़गांव में खेले जा

रहे इमप्रेस क्रिकेट लीग में सहगल क्रिकेट क्लब से खेल रहे हैं। इस क्लब से IPL में खेले हुए खिलाड़ी आयुष बदोनी और अनमोलप्रीत सिंह भी खेल रहे हैं। राठी ने 5 गेंदों पर 5 विकेट एबी राइजिंग के खिलाफ लिया। वीडियो में दिख रहा है कि बल्लेबाजी टीम को 36 गेंद पर 113 रन चाहिए थे। 14 ओवर तक बल्लेबाजी टीम ने 5 विकेट खोकर 151 रन बना लिए थे।

राठी की टीम ने इस मैच में 3 विकेट खोकर 263 रन बनाए थे। आयुष बदोनी ने 25 गेंदों पर 58 रन, अनमोलप्रीत सिंह ने 33 गेंदों पर 60 रन और शिवम चौधरी ने 42 गेंदों पर 98 रन की पारी खेली। वहीं, एबी राइजिंग को जीत के लिए 264 रन चाहिए थे।

राठी अपनी टीम की ओर से 15वां ओवर करने आए। उन्होंने ओवर की पहली गेंद पर एबी राइजिंग के बैटर अनिकेत धनकड़, उसके बाद प्रत्युष राज पांडे, निर्भय डागर और आदित्य राणा को बोल्ड किया। जबकि लक्ष्मण को LBW आउट किया। राठी ने इस मैच में 3.5 ओवर में 28 रन देकर 7 विकेट लिए। उनकी टीम ने इस मैच को 112 रन से जीत लिया।

राठी ने आईपीएल 2025 में लिए 14 विकेट

25 साल के राठी ने इस सीजन एलएसजी के लिए 13 मैचों में 14 विकेट लिए और टीम के सबसे सफल गेंदबाज बने। उन्होंने 8.25 की इकोनॉमी से बॉलिंग की।

नोटबुक सेलिब्रेशन के लिए एक मैच का बैन और जुर्माना भी लगा

हालांकि राठी अपने नोटबुक सेलिब्रेशन को लेकर विवादों में भी रहे, जिस वजह से उन्हें जुर्माना और एक मैच का प्रतिबंध भी झेलना पड़ा। दरअसल आईपीएल 2025 के सीजन में दिग्वेश राठी ने डेब्यू किया। उन्होंने इस सीजन में 3 बार नोटबुक सेलिब्रेशन किया।

टी-20 इंटरनेशनल में पहली बार तीन सुपर ओवर

नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया; तीसरे सुपर ओवर में नेपाल रन नहीं बना पाया

ग्लासगो, 17 जून (एजेंसियां)। नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच टी-20 ट्राई सीरीज के खेले गए मैच में जीत-हार का फैसला 3 सुपर ओवर के बाद हुआ। यह मैच आखिर में नीदरलैंड्स ने जीता। टी-20 इंटरनेशनल में ऐसा पहली बार हुआ। यह 41वां टी-20 इंटरनेशनल था, जिसमें जीत-हार का फैसला सुपर ओवर से हुआ।

दरअसल नीदरलैंड्स, नेपाल और स्कॉटलैंड के बीच ट्राई सीरीज स्कॉटलैंड में खेली जा रही है। टूर्नामेंट का दूसरा मैच नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच खेला गया।

नीदरलैंड्स ने 7 ओवर में 152 रन बनाए

पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 152 का स्कोर बनाया। टीम के लिए तेजा निडामनुरु (35 रन, 37 गेंद) और विक्रमजीत सिंह (30 रन,

29 गेंद) बनाए। स्पिनर संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए।

कप्तान रोहित पौडेल ने 45 रन बनाए

नेपाल ने 153 के टारगेट का पीछा करते हुए कप्तान रोहित पौडेल (48 रन, 35 गेंद) की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन बनाकर स्कोर बराबर कर मैच टाई करा दिया।

नीदरलैंड्स के लिए डेनियल डोरम (3/14) ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मुकाबले को रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दिया।

अब जाने, तीनों सुपर ओवर में क्या हुआ

पहला सुपर ओवर- पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने एक विकेट खोकर 19 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स के मैक्स ओ'डॉड और माइकल लेविट ने करन केसी के खिलाफ 19 रन बनाकर सुपर ओवर को भी टाई कर दिया।

दूसरा सुपर ओवर- इस बार नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और एक विकेट के नुकसान पर 17 रन बनाए। नेपाल की ओर से बॉलिंग ललित राजवंशी ने किया। नेपाल के बैटर दीपेंद्र सिंह ऐरी और रोहित पौडेल बल्लेबाजी करने आए और 17 रन बना दिए। मुकाबला एक और सुपर ओवर की तरफ बढ़ गया।

तीसरा सुपर ओवर- तीसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स के कप्तान ने ऑफ स्पिनर जैक लायन कैचेट को गेंद सौंपी। 21 साल के कैचेट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल को एक भी रन नहीं बनाने दिया। रोहित पौडेल और रुपेश सिंह को बिना रन बनाए वापस लौट गए। आखिर में माइकल लेविट ने संदीप लामिछाने की पहली ही गेंद पर छक्का मारकर नीदरलैंड्स को जीत दिलाई।

सोफी डिवाइन का वनडे से संन्यास का ऐलान

वर्ल्ड कप 2025 होगा आखिरी टूर्नामेंट, टी-20 और फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस

वेलिंग्टन, 17 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड विमेंस की कप्तान सोफी डिवाइन इस साल भारत और श्रीलंका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलती रहेंगी। सोफी ने इसकी घोषणा मंगलवार को की।

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट आने से पहले संन्यास का किया ऐलान

35 साल की डिवाइन ने वनडे से अपने रिटायरमेंट का ऐलान न्यूजीलैंड की 17 महिला खिलाड़ियों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट के आने से एक दिन पहले किया है। वे अब सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ग्रुप का हिस्सा नहीं होंगी। डिवाइन वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगी और इसके बाद घरेलू सीजन से पहले नई वनडे कप्तान चुनी जाएगी।

17 साल की उम्र में वनडे करियर की हुई थी शुरुआत

डिवाइन का 19 साल का शानदार वनडे करियर 2006 में

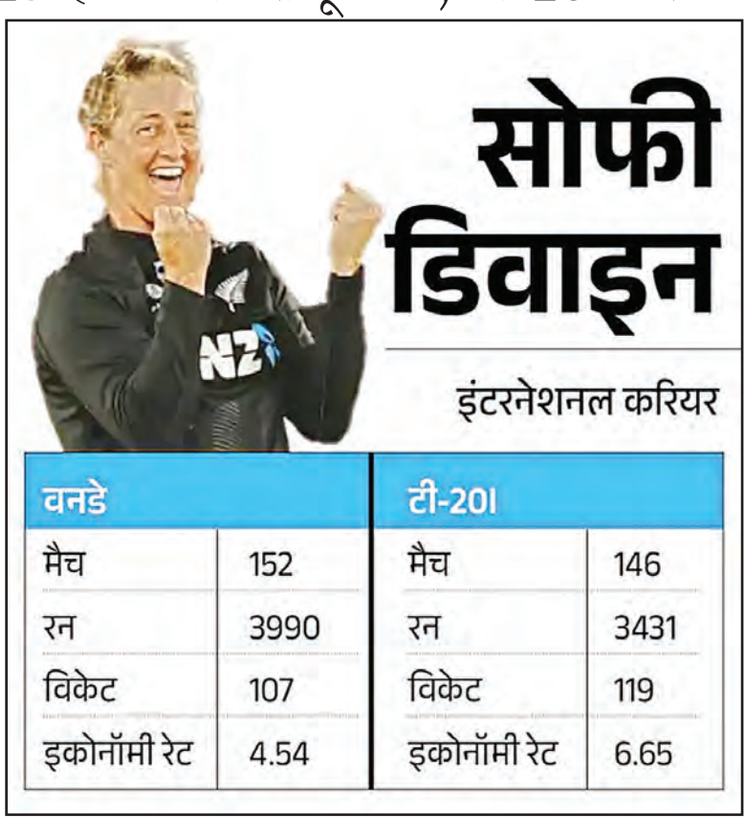

शुरू हुआ था। वे न्यूजीलैंड की महिलाओं की वनडे मैच खेलने की सूची में सूजी बेट्स के बाद दूसरे स्थान पर हैं और रन बनाने वालों में चौथे स्थान पर हैं। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की महिलाओं में बेट्स के बाद दूसरा सबसे ज्यादा हैं।

न्यूजीलैंड की ओर से वनडे में विकेट लेने में दूसरे स्थान पर वे न्यूजीलैंड की महिला वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में भी दूसरे स्थान पर हैं और ली ताहुहु के साथ 100 से ज्यादा विकेट लेने वाली दो खिलाड़ियों में शामिल हैं।

कई विदेशी लीग में खेलना भी जारी रखेंगी

डिवाइन T20 क्रिकेट में खेलना चाहती हैं, क्योंकि उनके पास कई विदेशी फ्रेंचाइजी कॉन्ट्रैक्ट हैं। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सही समय है कि मैं धीरे-धीरे पीछे हटूं। मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट के समर्थन के लिए आभारी हूं। मैं पूरी तरह से समर्पित हूं और अगले 6 से 9 महीनों में अपना बेस्ट दूंगी।'

हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज ग्रीन ने कहा- 20 साल शानदार रहा

न्यूजीलैंड क्रिकेट की महिला हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज ग्रीन ने कहा, 'सोफी ने व्हाइट फर्न्स को लगभग 20 साल दिए हैं। हम उनके इस फैसले का पूरा समर्थन करते हैं और खुश हैं कि वे टी-20 फॉर्मेट के तहत हमसे जुड़ी रहेंगी।'

दूसरे सबसे कम स्कोर पर ढेर हुई टीम

8 विकेट लेकर 20 साल के इस गेंदबाज ने बरपाया कहर

कैलिफोर्निया, 17 जून (एजेंसियां)। मेजर लीग क्रिकेट 2025 के 7वें मैच में सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड टूटने से बाल-बाल बच गया. लीग के इतिहास में सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड 50 रन का है, जो कि लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स ने एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ 2023 सीजन में बनाए थे. एमएलसी 2025 में वो रिकॉर्ड टूटा तो नहीं मगर लीग के इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर जरूर बन गया. ये स्कोर 60 रन का रहा, जिसे सिएटल ओर्कास ने टेक्सस सुपर किंग्स के खिलाफ बनाते हुए मैच गंवाया. मुकाबले टेक्सस की कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे सिएटल के बल्लेबाजों की एक नहीं चली और वो 154 रन चेज करने से चूक गए.

सिर्फ 60 रन पर सिमट गई टीम, 93 रन से हारी मैच

मुकाबले में पहले टेक्सस सुपर किंग्स ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 153 रन बनाए थे. जवाब में सिएटल ओर्कास की टीम 13.5 ओवर में सिर्फ 60 रन पर सिमट गई और 93 रन से मुकाबला हार गई. मतलब जितने रन बनाए नहीं, उससे ज्यादा से सिएटल को हार का मुंह देखना पड़ा. ये सिएटल की 2 मैचों में दूसरी हार है तो टेक्सस की 3 मैचों में तीसरी जीत. सिएटल की इस शर्मनाक हालत के पीछे टेक्सस के गेंदबाजों के बरपे कहर का बड़ा योगदान रहा और जिनमें एक नूर अहमद भी रहे.

20 साल के गेंदबाज ने झटके 8 विकेट!

20 साल के स्पिनर नूर अहमद अब तक 8 विकेट लेकर एमएलसी 2025 में अपनी अलग ही कहानी लिखते दिख रहे हैं. इन 8 विकेटों में 3 विकेट उन्होंने सिएटल ओर्कास के खिलाफ मैच में 4 ओवर में 18 रन देते हुए लिए. इस दौरान उन्होंने 16 गेंदें डॉट फेंकी. मतलब उन पर कोई रन नहीं दिए. इससे पहले लॉस एंजलिस नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 ओवर में 25 रन देकर उन्होंने 4 विकेट झटके थे. जबकि 1 विकेट एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ खेले सीजन के पहले मैच में झटके थे.

बर्गर और जिया-उल-हक का भी कहर

नूर अहमद के अलावा जिया-उल-हक और नाद्रे बर्गर ने भी अच्छी गेंदबाजी की. जिया उल हक ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिए. जबकि बर्गर ने तो 3.5 ओवर में सिर्फ 10 रन ही दिए और 3 विकेट ले लिए. जिया-उल-हक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

गौ संरक्षण के लिए व्यापक नीति तैयार करें : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में गौ संरक्षण के लिए व्यापक नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों में नीतियों का अध्ययन करने के लिए तीन अधिकारियों की एक समिति गठित की है। मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग के विशेष प्रधान सचिव सब्यसाची घोष, बंदोबस्ती विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर और कृषि विभाग के सचिव रघुनंदन राव की एक समिति गठित कर मामले पर गहन अध्ययन करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार शाम अपने आवास पर राज्य में गौ संरक्षण पर समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में गायों के महत्व और भक्तों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नीतियों के निर्माण में गौ संरक्षण को मुख्य फोकस होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि भक्तगण बड़ी संख्या में गौशालाओं को गाय दान कर रहे हैं।

लेकिन जगह की कमी और अन्य समस्याओं के कारण वे अक्सर मर जाती हैं। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि उन परिस्थितियों पर काबू पाने और गायों की रक्षा के उद्देश्य से राज्य में चार स्थानों पर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त गौशालाओं का निर्माण किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि हैदराबाद शहर के पास वेमुलावाड़ा, यादगिरिगुट्टा, जहां प्रमुख मंदिरों के तत्वावधान में गायों की बलि दी जाती है और हैदराबाद शहर के पास एनीकेपल्ली और पशुपालन विश्वविद्यालय के पास बड़े क्षेत्रों में गौशालाओं का निर्माण किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि भक्तों को उन गायों पर विशेष ध्यान देना चाहिए जिन्हें वे अत्यंत श्रद्धा के साथ चढ़ाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वेमुलावाड़ा के पास कम से कम सौ एकड़ का गौशाला होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार गौ संरक्षण के लिए कोई भी राशि खर्च करने में संकोच नहीं करेगी। बाद में अधिकारियों ने राज्य में गौशालाओं के प्रबंधन से संबंधित दृष्टिकोण पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा।

ईरान-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव से नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में हेल्पलाइन

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य पूर्व में, विशेष रूप से ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और सैन्य घटनाक्रमों को देखते हुए, तेलंगाना सरकार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशों के तहत, नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में तुरंत एक समर्पित हेल्पलाइन सक्रिय कर दी है। इस पहल का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्रों में वर्तमान में रह रहे या यात्रा कर रहे तेलंगाना निवासियों से संबंधित किसी भी चिंता का त्वरित समाधान करना और सहायता करना है। विदेश मंत्रालय और विदेशों में भारतीय दूतावासों से नवीनतम उपलब्ध इनपुट के अनुसार, अभी तक किसी भी तेलंगाना नागरिक के सीधे प्रभावित होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, एक सक्रिय उपाय के रूप में, हेल्पलाइन की स्थापना मार्गदर्शन प्रदान करने, जानकारी एकत्र करने और उन परिवारों या व्यक्तियों को सहायता प्रदान करने के लिए की गई है, जिन्हें सहायता की आवश्यकता हो सकती है या जो अपनी चिंताओं की रिपोर्ट करना चाहते हैं। नागरिक किसी भी सहायता या जानकारी के लिए वंदना, रेजिडेंट कमिश्नर की निजी सचिव - 919871999044, जी. रक्षित नाइक, संपर्क अधिकारी 919643723157, जावेद हुसैन, संपर्क अधिकारी 919910014749, सीएच. चक्रवर्ती - जनसंपर्क अधिकारी 919949351270 हेल्पलाइन संपर्कों से संपर्क कर सकते हैं। तेलंगाना भवन, नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारी विदेश मंत्रालय, दूतावास के अधिकारियों और अन्य संबंधित केंद्रीय अधिकारियों के साथ नियमित समन्वय में हैं। तेलंगाना सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रखेगी। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक सरकारी सलाह के माध्यम से अपडेट रहें और असत्यापित जानकारी साझा करने से बचें।

लूट के आरोपी गिरफ्तार धनराशि बरामद

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के टोलीचौकी पुलिस थाने की पुलिस ने पासपोर्ट कार्यालय, शेखपेट रोड्स से रात में लूटपाट करने वाले चार आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया, जहां शिकायतकर्ता मोहम्मद तोफिज और उनके मित्र मोहम्मद साहबाज आलम ने 15 जून को रात 8:00 बजे मोहम्मद तोफिज से 1000 रुपये और उनके मित्र मोहम्मद साहबाज आलम से 4,450 रुपये की डकैती के बारे में शिकायत दर्ज कराई। आरोपी दावा कर रहे थे कि वे पुलिस विभाग से हैं। यह घटना अल-बैक केक और स्वीट्स के पास, आधुनिक लिमरा होटल के बगल में, हकीमपेट एक्स रोड, हैदराबाद में हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5450 रुपये नकद, तीन स्मार्ट फोन और एक ऑटो जब्त किया है। इसके अलावा यह भी पता चला कि आरोपी मोहम्मद अब्दुल सलमान, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद अब्दुल फिरोज ने अपने एक अन्य दोस्त के साथ मिलकर बीते 9 जून की रात गैलेक्सी एक्स रोड पर एक आरटीसी बस की विंडशील्ड को क्षतिग्रस्त कर दिया और ड्राइवर और कंडक्टर को धमकाया। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद अब्दुल सलमान, शेख आसिफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद अब्दुल फिरोज को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अन्य आरोपी सैयद फजल फरार है। आरोपी पहले भी कई घटनाओं में शामिल रहे है।

ट्रेनों पर पथराव करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

रेलवे सुरक्षा बल, एससीआर ने पथराव करने वाले 102 अपराधियों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दो दक्षिण मध्य रेलवे, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) आम जनता से अपील करता है कि वे ट्रेनों पर पथराव करने और रेलवे ट्रैक पर सामग्री रखने जैसी असामाजिक गतिविधियों में शामिल न हों, जो यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं और रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाती हैं।

ऐसी गतिविधियाँ एक आपराधिक अपराध हैं और अपराधियों के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 153 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए 5 साल तक की कैद हो सकती है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), एससीआर भविष्य में ऐसी असामाजिक घटनाओं को रोकने और कम करने के लिए पूरे जोन में विभिन्न कदम उठा रहा है। तदनुसार, जनवरी से मई वर्ष 2025 के दौरान, एससीआर पर पत्थरबाजी के 128 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 85 मामलों का पता लगाया गया है और 102 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी मामलों में संबंधित क्षेत्राधिकार वाली अदालतों में मुकदमा चलाया गया है, जिसमें अब तक 12 को दोषी ठहराया गया है, जिनमें से 01 आरोपी को 15 दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई है और शेष 11 आरोपियों पर 30,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, जोन में रेलवे पटरियों पर विदेशी सामग्री रखने के 29 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 26 मामलों का पता लगाया गया है और 33 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी मामले संबंधित क्षेत्राधिकार वाली अदालतों में विचाराधीन हैं। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा रेलवे के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे ऐसी गतिविधि में लिप्त किसी भी व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट करने के लिए 139 पर कॉल करें ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने माता-पिता से भी अपील की कि वे बच्चों को इस तरह की गतिविधियों के नकारात्मक परिणामों के बारे में शिक्षित करें, जो यात्रियों की सुरक्षा, बहुमूल्य राष्ट्रीय संसाधनों की हानि के साथ-साथ भविष्य को भी प्रभावित करते हैं।

बीआरएस कार्यकर्ता ने किया आत्महत्या का प्रयास

राजन्ना-सिरसिल्ला, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस कार्यकर्ता और पूर्व एमपीटीसी, करकाबोइना कुंतैया ने स्थानीय रियल एस्टेट एजेंटों द्वारा कथित रूप से धोखा दिए जाने और बार-बार शिकायत के बावजूद पुलिस से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिवार के सदस्यों के अनुसार, थंगल्लापल्ली मंडल के अंकुशपुर गांव के मूल निवासी कुंतैया अन्य बीआरएस कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को हैदराबाद गए थे। जबकि बाकी लोग रात तक गांव लौट आए, लेकिन कुंतैया वापस नहीं आया। उसके ठिकाने के बारे में चिंतित उसके परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने मोबाइल सिग्नल के ज़रिए उसका पता लगाया।

मंगलवार की सुबह कुंतैया को गांव के बाहरी इलाके में बेहोशी की हालत में पाया गया। जब पुलिस को पता चला कि उसने कीटनाशक पी लिया है, तो पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। कथित तौर पर लिखे गए सुसाइड नोट में कुंतैया ने कहा कि रियल एस्टेट एजेंट गंगा कृष्ण रेड्डी ने उनकी 10 लाख रुपये की ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया है, जबकि दूसरे व्यक्ति नागराजू ने उन्हें फ़र्ज़ी ज़मीन बेची है।

उन्होंने दावा किया कि शिकायतों के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने लिखा, जब मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है तो मैं अपनी बेटी की शादी कैसे कर सकता हूं?

डायल-112 स्टाफ की त्वरित प्रतिक्रिया से टल गई बड़ी दुर्घटना

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डायल-112 कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया से सोमवार को फर्स्ट लांसर के पास गार्डन टॉवर में एक बड़ी आग लगने की घटना टल गई। बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी) से संचालित तेलंगाना आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (डायल-112) के त्वरित एवं समन्वित प्रयासों के कारण एक संभावित विनाशकारी आग दुर्घटना टल गई।

यह घटना एक अपार्टमेंट परिसर में हुई, जिसमें प्रारंभिक जांच से पता चला कि आग एक एयर कंडीशनर इकाई में विद्युत शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। स्थिति विशेष रूप से गंभीर थी क्योंकि अपार्टमेंट एक स्कूल और एक पेट्रोल पंप के करीब स्थित है, जिससे बड़ी आपदा का खतरा बढ़ गया है। टीजीआईसीसीसी के अनुसार, सुबह 10.17 बजे डायल-112 आपातकालीन नंबर पर संकट की सूचना मिली। अलर्ट मिलने पर, टीजीआईसीसीसी टीम ने तुरंत मसाब टैंक पीएस और अग्निशमन विभाग के साथ समन्वय किया। आपातकालीन प्रतिक्रिया इकाइयों को तुरंत स्थान पर भेजा गया। स्थानीय पुलिस और अग्निशमन सेवाएं कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर पहुंच गईं, स्थिति को नियंत्रित किया और आग को और अधिक बढ़ने से पहले ही बुझा दिया।

किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और इमारत के निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तेलंगाना पुलिस ने नागरिकों से आपातकाल के दौरान डायल-112 सेवा का उपयोग करने का आग्रह किया।

मेडचल डीसीपी ने अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल डीसीपी एन. कोटि रेड्डी द्वारा पेटबशीराबाद पुलिस स्टेशन में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डीसीपी ने जांचाधीन (यूआई) मामलों की विस्तृत समीक्षा की (गंभीर और गैर-गंभीर दोनों) जिनमें 2023 से पहले और 2024 की पहली छमाही के दौरान दर्ज मामले शामिल हैं। इन मामलों की प्रगति, विशेष रूप से आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के तहत और केस डायरी (सीडी) फाइलों के वितरण का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने पास्को मामले, एससी/एसटी मामले, मजिस्ट्रियल केस (एमसी), पोस्टमॉर्टम परीक्षा (पीएमई) और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट पेंडेंसी की समीक्षा की गई। डीसीपी ने प्रभावी जांच के लिए शीघ्र फाइलिंग और समन्वय पर जोर दिया। संपत्ति का पता लगाने, वसूली दर और सजा ट्रैकिंग में प्रत्येक पुलिस स्टेशन के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। वर्ष 2024 और 2025 के लिए उपद्रवी शीटरों पर निगरानी और संदिग्ध शीटों को अपडेट करने पर भी चर्चा की गई।

अधिकारियों को सीसीटीएनएस अपडेट में सटीकता और निरंतरता बनाए रखने और किसी भी डेटा भिन्नता को सुधारने के निर्देश दिए गए। साइबर क्राइम की कार्यवाही (पीओएच) और कंपाउंडेबल अपराधों में अभियोजन वापस लेने सहित राष्ट्रीय लोक-अदालत से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। डीसीपी ने ध्वनि प्रदूषण के मामलों, 4सी और प्रजावाणी याचिकाओं और आयोग की रिपोर्टों की पेंडेंसी पर भी ध्यान केंद्रित किया, अधिकारियों से समय पर और प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह किया। बैठक का समापन जवाबदेही, सक्रिय पुलिसिंग और समय पर मामले के निपटान पर जोर देने के साथ हुआ। डीसीपी ने सभी अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण जांच और नागरिक सेवा वितरण को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। बैठक में अतिरिक्त डीसीपी, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीएसपी), एसएचओ, एसआई, आईओ, सीडीओ, सीसीटीएनएस ऑपरेटर और मेडचल जोन के स्टेशन राइटर शामिल हुए।

जूपल्ली ने बेगमपेट के हरिता रेस्तरां का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने मंगलवार को बेगमपेट में हरिता टूरिज्म प्लाजा स्थित एक रेस्तरां का औचक निरीक्षण किया। मंत्री ने परिसर का दौरा किया, रसोई, खाद्य सामग्री, सुविधाओं और समग्र सेवाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने नाश्ता कर रहे भोजन करने वालों से भी बातचीत की और भोजन की गुणवत्ता और कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवा के बारे में उनकी प्रतिक्रिया मांगी। यह निरीक्षण राज्य भर में विभिन्न भोजनालयों और रेस्तरां में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा की जा रही निरंतर जांच के मद्देनजर किया गया है।

दो इंटरमीडिएट छात्रों ने कर ली आत्महत्या

संगारेड्डी/सिद्दीपेट, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को हाल ही में घोषित उन्नत पूरक परीक्षा परिणामों में अपने विषयों में असफल होने के बाद दो इंटरमीडिएट छात्रों ने आत्महत्या कर ली। संगारेड्डी में, दूसरे वर्ष के इंटरमीडिएट के छात्र वेंकटरमण (19) ने एक विषय में पास न होने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह रायपल्ली कृष्णा का बेटा था। सिद्दीपेट में एक अलग घटना में, प्रथम वर्ष की इंटरमीडिएट छात्रा गुगुलोथु हरिका (16) ने सोमवार को अक्कन्नापेट मंडल के कटकुर गांव में अपने घर पर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि वह अपने एक विषय में फेल हो गई थी। मामले दर्ज कर लिये गये हैं और आगे की जांच जारी है।

मंचेरियल की छात्रा ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद एक विषय में फेल होने से कथित तौर पर अवसादग्रस्त होकर 16 वर्षीय एक लड़की ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, नासपुर मंडल मुख्यालय के जयशंकर कॉलोनी की रहने वाली इंटरमीडिएट की द्वितीय वर्ष की छात्रा अक्षया ने उस समय फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जब उसके माता-पिता घर पर नहीं थे। वह कथित तौर पर गणित का पेपर पास न कर पाने के कारण निराश थी। जब उसके माता-पिता वापस लौटे तो उन्होंने अक्षया को छत से लटकता हुआ पाया और तुरंत पुलिस को सूचित किया। एक टीम मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच शुरू की। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

10 वर्षों से गरीबों के लिए वरदान साबित हो रहा है बोडेपुडी चिकित्सा शिविर

खम्मम, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले दस वर्षों से, बोडेपुडी कला निलयम द्वारा आयोजित मासिक चिकित्सा शिविर वायरा और उसके आसपास के हजारों वंचित लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सहायता प्रणाली के रूप में उभरे हैं। पहला चिकित्सा शिविर जून 2015 में बोडेपुडी कला निलयम के तत्वावधान में शुरू किया गया था, जिसकी स्थापना प्रसिद्ध न्यूरोफिजिशियन और विज्ञान आंदोलन के नेता डॉ. गोपालम शिवनारायण ने की थी। तब से, बोडेपुडी मेडिकल कैंप हर महीने के तीसरे रविवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाता है।

पिछले एक दशक में, वायरा में बोडेपुडी वेंकटेश्वर राव भवन में 120 शिविर आयोजित किए गए हैं (हर महीने एक) जिसमें लाखों रोगियों को उपचार प्रदान किया गया है।

बोडेपुडी कला निलयम के सचिव बोंथु रामबाबू ने कहा कि प्रत्येक शिविर में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से कम से कम एक हज़ार मरीज आते हैं। कॉरपोरेट स्वास्थ्य सेवा गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए लगातार महंगी होती जा रही है, इसलिए शिविर में मुफ़्त परामर्श दिया जाता है और सिर्फ़ 100 रुपये की मामूली कीमत पर एक महीने की दवाइयां दी जाती हैं। डॉक्टरों और स्वयंसेवकों ने अपनी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से इस पहल की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जनता अस्पताल के डॉ. चिकाती भारवी, जो नियमित रूप से इस पहल में भाग लेते हैं, ने कहा, उनके समर्पण ने लोगों का विश्वास और भरोसा जीतने में मदद की है।

डॉ. भारवी के अलावा, खम्मम के कई अन्य प्रसिद्ध डॉक्टर (जिनमें जटला रंगा राव और पिल्लामरी सुब्बा राव शामिल हैं) पिछले दस वर्षों से अपनी निःशुल्क सेवाएं दे रहे हैं। रामबाबू ने बताया कि यह शिविर तेलंगाना किसान सशस्त्र संघर्ष सेनानी, मधिरा के पूर्व विधायक और सीपीएम नेता बोडेपुडी वेंकटेश्वर राव की याद में आयोजित किया गया है।

वॉचमैन डिवाइस का उपयोग करके उन्नत स्ट्रोक रोकथाम प्रक्रिया को दिया अंजाम

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्लेनीगल्स अस्पताल, लकड़ी का पुल, हैदराबाद ने 65 वर्षीय महिला रोगी पर वॉचमैन डिवाइस का उपयोग करके बाएं आलिंद उपांग बंद करने (एलएएसी) की प्रक्रिया की है, जो अलिंद विकम्पन और कई हृदय के थक्कों के कारण स्ट्रोक के उच्च जोखिम से ग्रस्त थी। एट्रियल फ़िब्रिलेशन से हृदय के बाएं आलिंद उपांग में रक्त के थक्के बनने की संभावना बढ़ जाती है, जो मस्तिष्क तक जा सकता है और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। अन्य चिकित्सा स्थितियों के कारण रोगी को लंबे समय तक रक्त पतला करने वाली दवा नहीं दी जा सकती थी। इन जोखिमों को देखते हुए, हृदय रोग विशेषज्ञ टीम ने स्ट्रोक की संभावना को कम करने के लिए वैकल्पिक उपाय के रूप में वॉचमैन डिवाइस का चयन किया।

वॉचमैन डिवाइस एक छोटा, पैराशूट के आकार का इम्प्लांट है जो बाएं आलिंद उपांग को सील कर देता है, जो आलिंद फिब्रिलेशन वाले रोगियों में थक्का बनने का प्राथमिक स्थल है। एक बार जगह पर लग जाने के बाद, डिवाइस थक्कों को रक्तप्रवाह में प्रवेश करने से रोकता है, जिससे स्ट्रोक का जोखिम कम हो जाता है।

नकदी संकट से जूझ रहे शहरी स्थानीय निकाय

100 दिवसीय कार्यक्रम शुरू करने से स्थानीय निकाय को करना पड़ रहा संघर्ष

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी), जो पहले से ही कर्मचारियों और नकदी की कमी से जूझ रहे हैं, नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) विभाग द्वारा 2 जून को शुरू किए गए 100-दिवसीय कार्यक्रम को लागू करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शहरी प्रशासन को मजबूत करने, स्वच्छता में सुधार लाने और यूएलबी में चुनिंदा विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह पहल 10 सितंबर तक चलेगी। हालांकि, राज्य सरकार से वित्तीय सहायता की कमी इसके क्रियान्वयन में बड़ी बाधा साबित हो रही है।

इसकी तुलना में, पहले के पटना प्रगति कार्यक्रम के दौरान, राज्य सरकार हर महीने 116 करोड़ रुपये जारी करती थी- ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के लिए 61 करोड़ रुपये और तेलंगाना भर में शेष 141 यूएलबी के लिए 55 करोड़ रुपये। इन निधियों का उपयोग स्वच्छता, पर्यावरण सुधार, विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए किया गया था। इस वर्ष, हालांकि एमएयूडी ने 100-दिवसीय कार्यक्रम शुरू किया, लेकिन आयुक्त और नगर प्रशासन निदेशक (सीडीएमए) ने केवल जीएचएमसी के बाहर के यूएलबी को परिपत्र जारी किए, जिसमें किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा दी गई। इनमें वर्षा जल निकासी नालियों की सफाई, जलभराव को रोकने के लिए मलबा हटाना, घरेलू स्तर पर कचरे का पृथक्करण और खाद बनाना, और कम से कम एक जंक्शन और एक पार्क का विकास और उद्घाटन शामिल है।

कुछ बड़ी नगर पालिकाओं और नगर निगमों ने काम शुरू कर दिया है, कई अन्य, विशेष रूप से वे जो कर्मचारियों और धन की कमी से जूझ रहे हैं, ऐसा करने में असमर्थ हैं। स्वच्छता, कीटाणुनाशकों के छिड़काव और मच्छर नियंत्रण उपायों को छोड़कर, नालों की सफाई जैसी कई प्रमुख गतिविधियां देरी से चल रही हैं। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मानसून की शुरूआत और सीमित संसाधनों के कारण हमारा ध्यान मुख्य रूप से स्वच्छता और छोटे कार्यों पर है। मुश्किलें और भी बढ़ गईं, क्योंकि इस साल जनवरी में 120 नगर परिषदों और कई नगर निगमों का कार्यकाल समाप्त हो गया। तब से कई शहरी स्थानीय निकायों में कोई निर्वाचित पार्षद या नगरसेवक नहीं होने के कारण, जन प्रतिनिधियों की कमी भी वार्डों और प्रभागों में समन्वय और कार्यों के कार्यान्वयन को प्रभावित कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.